आज का मौसम
31.0⁰ अधिकतम तापमान
18.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.11
सूर्यास्त 05.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:17 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 12 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 323, पृष्ठ 16+4 मूल्य 6 रुपये

रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा- यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि - 12

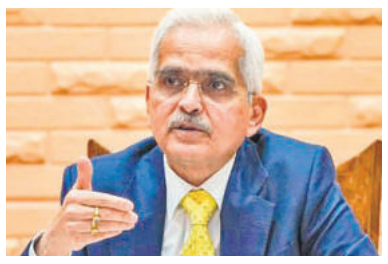

आर्थिक नीतियों के कारण भारत बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने में सक्षम : दास - 12

रेयर अर्थ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच फिर बढ़ी तनातनी - 13

गिल के शतक से दूसरे टेस्ट मैच में भारत का विशाल स्कोर - 14

NANDI mango tree

Happy Dhanteras & Deepawali

BDA APPROVED

2 BHK+STUDY Luxury Apartments

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT | स्वच्छ भारत | आज़ादी का अमृत महोत्सव | MAKE IN INDIA | CREDAI | UP RERA UPRERAPRJ126349/02/2024 | BDA 02102/BDA/BP/23-24/0094/19102023

UPRERA Registration No.: UPRERAPRJ126349/02/2024
BDA Approved Registration No. 02102/BDA/BP/23-24/0094/19102023

BOOKING OPEN

Our completed projects

Nandi Heights 2&3BHK Happiness for Lifetime

NANDI BELLA VISTA CASA DI LUSSO

After the Grand Success
of Nandi Heights & Nandi Bellavista,
Nandi Group Presents

NANDI mango tree APARTMENT

CONSTRUCTION IN FULL SWING

GET 200 GRAMS OF SILVER ON EVERY BOOKING

Get assured Gift on site visit this Navaratri

Facility

NANDI Buildtech

+91-7088048881, 82, 86

nandibuildtech@gmail.com www.nandibuildtech.com

Housing Loan Available with :
State Bank of India THE BANKER TO EVERY INDIAN
Union Bank of India
इंडियन बैंक Indian Bank Taking Banking Technology to the Common Man
केनरा बैंक Canara Bank

Site Office: Nandi Mango Tree Appartment, Opp. Lane Domino's & Karamchari Nagar Chowki, Mini Bypass, Bareilly

मेला प्रारम्भ
सायं 5 बजे

Rotary | TEAM VIRAJ

रोटरी क्लब ऑफ बरेली

प्रस्तुत करता है

चैरिटेबल ट्रस्ट

SRASHTIPURTI

62 वां

महान दिवाली मेला

11-12-13 Oct. 2025

Venue : Bareilly Club Ground, Bareilly

CARNIVAL THEME

महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार हेतु
सिलाई मशीन वितरण

उद्घाटन समारोह

मुख्य अतिथि
डॉ. अरूण कुमार
वन एवं पर्यावरण मंत्री

विशिष्ट अतिथि
श्री संजीव अग्रवाल
विधायक
कैंट विधानसभा

विशिष्ट अतिथि
डॉ. राघवेन्द्र शर्मा
विधायक, बिथरीचैनपुर

Co-Sponsors

Powered By

Nath Nagari Sponsor

Energy Partner

Associate Sponsors

Automobile Partner

Tea Partner

CRACKER SHOW
All 3 Days

MUSICAL NIGHT
All 3 Days

SUPERIOR INDUSTRIES

MELA QUEEN

SUNDAY 12 OCT. 2025

FACE IN CROWD

Beautiful Eyes
Amar Alum & Allied Chemicals Pvt.Ltd.

Twining Couple

BABY SHOW
0-3 Yrs.
8-9 pm

Rtn. Dr. Manish Sharma	Rtn. CA Mohit Vaish	Rtn. Shekhar Yadav	Rtn. Dr. A.K. Chauhan	Rtn CA Amit Manohar	Rtn Rahul Jaiswal	Rtn. Arvind Gupta
President	Mela Director	Secretary	Chief Club Trainer	Co-Mela Director	Co-Mela Director	Treasurer
9359101513	9411632875	8881988887		8392929282	7520333336	9412291072

आज का मौसम
31.0⁰ अधिकतम तापमान
18.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.11
सूर्यास्त 05.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:17 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 12 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 323, पृष्ठ 16+4 मूल्य 6 रुपये

रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा- यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि - 12

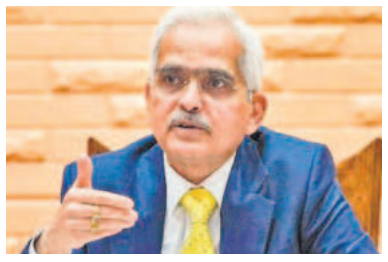

आर्थिक नीतियों के कारण भारत बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने में सक्षम : दास - 12

रेयर अर्थ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच फिर बढ़ी तनातनी - 13

गिल के शतक से दूसरे टेस्ट मैच में भारत का विशाल स्कोर - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, त्योहारों पर बाजार में डिजिटल युग की खुशबू व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

जवान की विस्फोट में मौत

रांची। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में घायल हुए सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई। अर्धसैनिक बल ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में जराइकेला थाना क्षेत्र के नक्सल हिंसा प्रभावित बाबूडेरा-समता क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान हेड कांस्टेबल महेंद्र लस्कर चपेट में आ गए।

पटाखों पर योजना बनाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर शीर्ष कोर्ट के निर्देशों का पालन करने के लिए योजना बनाई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यदि शीर्ष कोर्ट प्रतिबंध हटाती है तो सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने को तैयार है कि उसके निर्देशों का पूरी तरह से पालन हो।

दिवाली से पहले किसानों को तोहफा

प्रधानमंत्री ने 35,440 करोड़ रुपये की दो बड़ी कृषि योजनाओं का किया शुभारंभ | दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर मोदी बोले- लाखों किसानों का बदलेगा भाग्य

- प्रधानमंत्री ने कहा- घरेलू और वैश्विक मांग पूरी करने के लिए उत्पादन बढ़ाएं किसान
- कृषि, पशु, मत्स्य पालन व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा में किसानों के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 35,440 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली दो प्रमुख कृषि योजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें आयात पर निर्भरता कम करने के लिए एक दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शामिल है। दिवाली से पहले किसानों को सौगात देने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों से घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने का आह्वान भी किया।

उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के पूसा परिसर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कहा कि दो बड़ी योजनाएं - 24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई) और 11,440 करोड़ रुपये का दलहन आत्मनिर्भरता मिशन - लाखों किसानों का भाग्य बदल देंगी। प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग 815 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी। पीएम-डीडीकेवाई का मकसद आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) मॉडल के आधार पर 100 कम प्रदर्शन वाले कृषि जिलों का कायाकल्प करना है। यह योजना फसल उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, सिंचाई और भंडारण सुविधाओं में सुधार और चयनित जिलों में ऋण पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित होगी।

मोदी ने किसानों से दलहन उत्पादन बढ़ाने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 2030 तक दलहन की खेती का रकबा 35 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का आग्रह किया। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक दलहन उत्पादन को मौजूदा 252.38 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करना है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

पिछली सरकारों ने कृषि क्षेत्र की उपेक्षा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर कृषि क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी दल के पास इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के विकास के लिए विजन का अभाव है। प्रधानमंत्री ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए पिछले 11 वर्षों में उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में हमने बीज से बाजार तक कई सुधार किए हैं। अपने कार्यकाल के दौरान इस क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए, मोदी ने कहा कि कृषि निर्यात दोगुना हो गया है, खाद्यान्न उत्पादन 900 लाख टन बढ़ा है और फलों तथा सब्जियों का उत्पादन 640 लाख टन बढ़ा है। मोदी ने यह भी कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में हालिया कमी से ग्रामीण भारत और किसानों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ, क्योंकि ट्रैक्टर जैसी कृषि मशीनरी की कीमतें कम हुई हैं। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मत्स्य पालन, पशुपालन तथा डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह और कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी मौजूद थे।

ट्रंप टैरिफ से डरने की जरूरत नहीं 10 और देशों में खोलेंगे रास्ते : योगी

- मुख्यमंत्री ने किया 49वें अंतर्राष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कार्पेट एक्सपो का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सीएम योगी ने देश-विदेश के कालीन उद्यमियों व निर्यातकों भरोसा दिलाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ से घबराने की जरूरत नहीं है। जब भी चुनौतियां आती हैं, वे अपने साथ अवसर भी लाती हैं। अमेरिकी टैरिफ के जवाब में 10 और देशों में रास्ते खोलेंगे। सरकार यूएई, यूके और अन्य देशों के साथ स्वतंत्र व्यापार समझौते की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। उच्चस्तरीय समिति बनाकर टैरिफ से उत्पन्न स्थिति पर लगातार काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को भदोही में 49वें अंतर्राष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कार्पेट एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद करीब 88 देशों से आए प्रतिनिधियों समेत देश के कालीन उद्यमियों व निर्यातकों को संबोधित कर रहे थे।

अंतर्राष्ट्रीय कालीन मेला के उद्घाटन अवसर पर योगी को कालीन भेंट करते उद्यमी, सांसद-विधायक।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले कार्पेट उद्योग बंदी के कगार पर था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भदोही, मीरजापुर और वाराणसी के कार्पेट क्लस्टर को नई ऊर्जा मिली। भदोही को केंद्र बनाकर कार्पेट एक्सपो मार्ट की स्थापना की गई। जब पहला एक्सपो हुआ था, तब विदेशी खरीदारों कम थे। आज 88 देशों से करीब 400 विदेशी खरीदार यहां आ रहे हैं।

कालीन उद्योग से 17 हजार करोड़ का निर्यात

मुख्यमंत्री ने बताया कि कार्पेट उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह हमारे कारीगरों और हस्तशिल्पियों की जीवंत परंपरा है। आज यह उद्योग 25 से 30 लाख लोगों को रोजगार देता है और प्रत्येक वर्ष करीब 17 हजार करोड़ रुपये का निर्यात करता है। महिला स्वावलंबन का यह सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। सरकार का प्रयास है कि इस उद्योग को और अधिक महिलाओं से जोड़ा जाए ताकि वे घर पर रहकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें।

कार्पेट उद्यमियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

मुख्यमंत्री से सम्मानित 55 वर्षों से कालीन उद्योग चला रहे और विश्व की सबसे बड़ी कालीन बनाने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल रवि पाटेरिया ने कहा कि कालीन उद्योग हाथों का जादू है। इस कला को विशेष दर्जा मिलना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विचार समिति के गठन पर सरकार विचार कर रही है, ताकि उद्यमियों के सुझावों को नीतिगत निर्णयों में शामिल किया जा सके। हाजी हमीद ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस उद्योग के माध्यम से वन ट्रिलियन डालर इकॉनमी होगी।

इन्टरनेशनल सिटी
Global Standards. International Liviing
स्वदेश में आपका विदेश

नए रिश्तों की बुनियाद, पुराने विश्वास के साथ।

Premium Plots & Villas Available

Get In Touch
8193095501 | 8392921952 | 8392921966
www.competentinternationalcity.com

Banking Partner
Bank of Baroda | HDFC BANK | Canara Bank | pnb

UP RERA UPRERAPRJ550066
Competent रिश्ता विश्वास का!
Scan Me
Nariyawal, Shahjahanpur Road, Bareilly

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैंने अपना नाम शरीफ से बदलकर शरीफ खान रख लिया है। भविष्य में मुझे शरीफ खान पुत्र घासी खाँ निवासी नम्बर 129 मौ. इस्लामनगर बदायूँ पिन कोड 243723 के नाम से जाना जाएगा।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ.प्रा.वि. ग्रण्ट नं. 12 ब्लाक निघासन खीरी में विभिन्न प्रजातियों के 20 पेड़ों की नीलामी दिनांक 17.10.2025 को होनी है। इच्छुक व्यक्ति नीलामी में प्रतिभाग कर सकते हैं। **सचिन चौधरी (इ. प्रधानाध्यापक) संविलियन विद्यालय ग्रन्ट नं.-12 विकास क्षेत्र निघासन-खीरी**

सूचना

मैं अपने पुत्र तालिब को व उसकी पत्नी सोनी को जो उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उनसे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **नासरा बी पत्नी श्री मो. लईक निवासी एजाज नगर गौटिया नियर चांद मस्जिद थाना बारादरी जिला बरेली**

कथा के समापन पर हुआ भंडारा

मीरगंज, अमृत विचार: ठिरिया बुजुर्ग में स्थित राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के समापन के बाद शनिवार को हुए भंडारा में तमाम श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान एडीएम देश दीपक सिंह, बार काउंसिल पूर्व अध्यक्ष शिरिष मल्होत्रा, एसडीएम आलोक कुमार, आशीष सिंह आदि रहे।

संत विश्रामालय का उद्घाटन

आंवला। पुरैना सिद्ध मंदिर परिसर में नव निर्मित संत विश्रामालय का उद्घाटन शनिवार को कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने किया, जबकि पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप ने फीते की गांठ खोलकर किया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद चेयरमैन सैय्यद आबिद अली, ईओ जितेंद्र कुमार, सभासद पति दिनेश मौर्य, अनमोल गुप्ता उर्फ काकू, गुड्डू फौजी संजय अग्रवाल उर्फ बॉबी, आदि रहे।

भमोरा में महिला ने फंदे पर लटककर की आत्महत्या

छह महीने पहले हुई थी शादी, एक माह पूर्व पति की हुई थी मौत

संवाददाता, भमौरा

अमृत विचार : एक महिला ने फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। महिला के पति की एक महीने पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी।

मृतक कंचन

थाना क्षेत्र के गांव तखतपुर निवासी पूरनलाल ने बताया कि उसके बेटे की 6 वर्ष पूर्व शादी हुई थी। एक माह पूर्व बेटे बृजेश (25) की गुड़गांव में बीमारी के चलते मौत हो गई थी। जिसके बाद पत्नी कंचन (23) दो बच्चों के साथ गांव तखतपुर के रहने लगी। शुक्रवार को करवाचौथ के दिन सुबह से ही कंचन पति को याद करते हुए रो रही थी।

शनिवार दोपहर परिवार के अन्य लोग जब खेत पर काम करने गए थे। तभी उसने कमरे में लगे कुंडे पर साड़ी का फंदा लगाकर उस पर लटक कर जान दे दी। दोपहर को देवर अतुल जब पशुओं की घास लेकर घर आया, तो देखा भाभी कमरे में फंदे से लटकी थी। शव फंदे से नीचे उतार पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे मे ले पीएम को भेजा। घर में बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है।

पति-पत्नी के विवाद में युवक ने की आत्महत्या

भुता अमृत विचार शेखापुर गांव में शराब पीने के लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद के चलते एक युवक अजय कुमार तिवारी ने गांव के बाहर पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना क्षेत्र के ग्राम शेखापुर में शुक्रवार देर रात अजय कुमार तिवारी (35) का शराब पीने को लेकर पत्नी के बीच हुए विवाद हुआ। इससे नाराज वह गांव के बाहर एक पेड़ पर गले में फंदा लगाकर लटक गया। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि अजय कुमार शराब पीने का आदि था। वह परिजनों व पत्नी से झगड़ा करता रहता था। मृतक मजदूरी आदि का कार्य करता था।

मृतक अजय

स्कूल जा रही छात्रा के अपहरण की कोशिश

नवाबगंज, अमृत विचार: शनिवार सुबह स्कूल जा रही एक नाबालिग छात्रा को कुछ दबंगों ने जबरन कार में बैठाने का प्रयास किया। छात्रा के शोर मचाने पर आरोपी उसे कार से नीचे फेंककर फरार हो गए। पीड़िता की मां ने तहरीर थाने में दी है। साथ ही मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

क्षेत्र के एक गांव निवासी परिवार का नजदीक के ही एक परिवार से विवाद चल रहा है। शनिवार को उक्त परिवार की नाबालिग पुत्री कॉलेज जा रही थी। रास्ते में आरोपियों ने इको वाहन से छात्रा को जबरन कार में खींचने की कोशिश की। छात्रा के चीखने-चिल्लाने पर पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़े, जिन्हें देख आरोपी उसे कार से नीचे उतारकर भाग निकले। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

कमरा अंदर से बंद फिर भी कमरे में कोई नहीं, काटा ताला

संवाददाता, आंवला

- आंवला में हैरान करने वाली घटना आई सामने

अमृत विचार : अनुपुरा मोहल्ले में शनिवार रात ऐसी रहस्यमय घटना सामने आई जिसने पूरे क्षेत्र को हैरानी में डाल दिया। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के वार्ड उपाध्यक्ष दौलतराम मौर्य के घर का एक कमरा पूरी रात अंदर से बंद रहा, लेकिन सुबह जब दरवाजा खोला गया तो भीतर कोई नहीं था।

जानकारी के अनुसार, करवाचौथ की पूजा के बाद परिवार जब सोने गया, तब दौलतराम का कमरा अंदर से बंद था। सुबह भाभी बबीता मौर्य ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मोहल्ले के लोग जुट गए जिलाध्यक्ष अनुपम शंखधार, आयुष मौर्य, प्रेम मौर्य समेत कई लोग घटनास्थल पर पहुंच गये। मोहल्ले के लोग भी जमा हो गए। करीब दो घंटे तक दरवाजा खोलने का प्रयास किया गया, किंतु दरवाजा नहीं खुला।

कमरे का ताला काटता युवक।

अंततः पुलिस को बुलाया गया।पुलिस ने भी एक घंटे तक मशक्कत की और आखिर में दरवाजे का कुंडा काटकर कमरे को खोला। लेकिन अंदर का नजारा देखकर सभी दंग रह गए। कमरा पूरी तरह बंद था, खिड़की या पिछला दरवाजा कोई नहीं, फिर भी अंदर कोई मौजूद नहीं था।

नवाबपुरा में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के पहले 251 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।

NOTICE

This is to be notify that I have changed my son's name from Vaibhav Singh to Vibhav Vincent Yadav date of birth 30th November 2009. He will be known as Vibhav Vincent Yadav in future. DineshYadav S/o Shri Ramphal Singh R/o Opp. Mandi Samiti, Alapur Road, Badaun

251 कलश यात्रा के साथ महायज्ञ शुरू

शिवपुरी। ब्योधन खुर्द नबाबपुरा में शनिवार को श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस धार्मिक आयोजन से पूर्व 251 महिलाओं ने सिर पर पवित्र कलश धारण कर विशाल यात्रा निकाली, जिसका विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा की। प्रवचन करेंगे। कार्यक्रम का समापन 16 अक्टूबर को भंडारे के साथ होगा। महायज्ञ में काशी के मुख्य प्रवक्ता ध्रुवाचार्य महाराज, रघुवंशाचार्य और नौमिशारणय के संजय मिश्रा हर दिन प्रवचन करेंगे। स्वामी उदय नारायणाचार्य त्रिदंडी चातुर्मास कथा करेंगे।

डांडिया नाइट में जमकर झूमे डॉक्टर

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

- फरीदपुर रोड स्थित एक बैंक्वट हाल में हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार : शनिवार की शाम फरीदपुर रोड स्थित एक बैक्वट हाल में डांडिया नाइट का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शहर के चिकित्सकों और सोशल वेल्फेयर सोसायटी के सदस्यों ने भाग लिया। वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. अनूप आर्य ने कहा कि डांडिया और गरबा नृत्य न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है, बल्कि यह शारीरिक व्यायाम का भी एक उत्कृष्ट माध्यम है। सोसायटी की सदस्यों में रश्मि गुप्ता, रिद्धि गुप्ता, माया, ममता, स्वाति गर्ग और नीतू खटवानी ने बताया कि डांडिया से शरीर की कैलोरी बर्न होती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. सुदीप सरन और विशिष्ट अतिथि आईएमए यूपी के एडिटर जनरल डॉ. रवीश अग्रवाल थे। कार्यक्रम में डॉ. राशि अग्रवाल, हृतिक रवीश, साधना, विनय कमल गुप्ता, मनोज खटवानी, धर्मानन्द जोशी, विशाल आनंद, विपुल गर्ग, कौशल और कपिल सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

साइड मांगी तो युवक को पीटा

क्योलड़िया, अमृत विचार: नवाबगंज के मोहल्ला गुलशन नगर निवासी कुलदीप सक्सेना अपने भाई के साथ भुता से कार से आ रहा था। गांव मरगापुर के पास ईको गाड़ी सवार से साइड मांगने पर उसमें सवार दबंग अनिल कुमार अपने चार-पांच लोगों के साथ उतरे और कार में बैठे कुलदीप और उसके भाई को डंडे से पीटकर गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया साथ ही जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। नामजद तहरीर दी गई है।

लाइव प्रसारण देखा

शेरगढ़ : ब्लाक सभागार में शनिवार को प्रधानमंत्री धन धान्य योजना तथा दलहन आत्मनिर्भर मिशन कार्यक्रम की शुरुआत का प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किसानों को दिखाया गया।

ओवरलोड वाहन से भूसा गिरा, जाम

शेरगढ़, अमृत विचार : शनिवार को भूसा लदे ओवरलोड वाहन ने काफी देर तक लोगों को परेशान किया। बीच तिराहे पर भूसा गिरने से बाजार में दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान दो पहिया और चार पहिया वाहन चालकों समेत पैदल यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। शेरगढ़-शाही मार्ग पर कस्बे की मुख्य बाजार में आए दिन रफ्तार भर रहे ओवरलोड वाहन लोगों के सुरक्षा में बाधक बन रहे हैं। त्योहारी सीजन में ग्रामीण अंचलों से भी लोग जरूरत के सामान की खरीदारी को बाजार में आ रहे हैं।

विजेता आयुष सम्मानित

देवरनियां, अमृत विचार ब्लॉक स्तरीय गणित ओलिंपियाक प्रतियोगिता में दमखोदा के आदर्श कंपोजिट विद्यालय अभयपुर विद्यालय के सफल छात्र को पुरस्कृत किया गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक और प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद वर्मा ने उक्त प्रतियोगिता में सफल रहे छात्र आयुष गंगवार को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय के अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे।

दुष्कर्म करने के आरोपी की प्रशासन ने जांची संपत्ति

आंवला। एक सरकारी स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा से स्कूल के ही चपरासी ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया था। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं पुलिस की मौजूदगी में लेखपालों की टीम ने शनिवार को आरोपी सुमित गुप्ता के घर पहुंचकर सरकारी भूमि में मकान बने होने के संदेह में जांच की। तहसीलदार आंवला बृजेश कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी के घर लेखपाल गये थे। आरोपी का घर आबादी में पाया गया है।

कार्डधारकों को साबुन व निरमा बेच रहे कोटेदार

नवाबगंज, अमृत विचार: राशन के साथ ही कोटेदारों द्वारा कार्डधारकों को घटिया साबुन की टिक्की और वाशिंग पाउडर जबरन बेचा जा रहा है। एक कार्ड धारक ने इसका वीडियो वायरल कर शिकायत की है। मोहल्ला कहारान निवासी युवक ने कोटेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा से कम राशन तौलकर दे रहा है। साथ ही जबरन सर्फ़ और साबुन थमाया जा रहा है, जिनकी कीमत बाजार से अधिक वसूली जा रही है। स्थानीय लोग भी कोटेदार के खराब रवैये की शिकायत कर चुके हैं। पूर्ति निरीक्षक सुनील भटनागर ने बताया कि सरकार द्वारा कोटेदारों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से कुछ उत्पाद बिक्री के लिए दिए गए हैं, लेकिन किसी को जबरन कोई सामान देने का अधिकार नहीं है।

AR GARMENTS
ROYAL BUSINESSES

सेल लगाना हमारा काम नहीं

@ROYALCOLLECTIONS8
Follow for more updates

पंजाब में बाढ़ के कारण सभी शोरूमों के आर्डर कैंसल

आर्डर पर तैयार किया हुआ न्यू फ्रेश स्टॉक अब डायरेक्ट कम्पनी द्वारा लगभग करोड़ों रुपये कीमत तक के गारमेन्ट का समस्त स्टॉक

डायरेक्ट फैक्ट्री सेल में

सभी ब्राण्डेड गारमेन्ट पर

UPTO 80% OFF

50 टॉप क्लास ब्रान्डेड कम्पनियों के आइटम बेचे जायेंगे

बरेली के रोहिला होटल में

दीपावली से पहले महाबम्पर डिस्काउंट सेल

सभी गारमेन्ट्स के रेट हमारे 100/- से 500/- तक रहेगा।

SALE सिर्फ 5 दिनों के लिए- 12, 13, 14, 15 एवं 16 अक्टूबर 2025 तक

नोटः- इनके अलावा नये माल का भरपूर स्टॉक आप सेल में पायेंगे। जीवन में ऐसा मौका बार-बार नहीं आता। अब नहीं तो फिर कभी नहीं।

हमारे यहाँ VIP रेंज 600-850 रुपये होगी। बिक्री समयः- सुबह 10 से रात 10 बजे तक GSTIN: 09ALDPR8360C1ZZ

PARKING FREE

बिक्री स्थान-

होटल रोहिला

2 सिविल लाइन, नजदीक गांधी उद्यान, कंपनी गार्डन, बरेली

ENTRY FREE

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 12 अक्टूबर 2025 www.amritvichar.com

त्योहारों पर बाजार में डिजिटल युग की खुशबू

भारत, त्योहारों का देश है, जहां हर ऋतु, हर माह, हर क्षण में कोई न कोई उत्सव, कोई न कोई पर्व जीवन को रंगों से सराबोर कर देता है। कभी दीपों की जगमगाहट से सजे आंगन में लक्ष्मी का स्वागत होता है तो कभी रंगों से सराबोर गलियों में होली की मस्ती। कभी ईद की मीठी सेवइयों की खुशबू हर दिल को जोड़ती है तो कभी क्रिसमस की घंटियां मानवता का संदेश दोहराती हैं। इन त्योहारों ने न केवल भारतीय जीवन को आध्यात्मिक ऊंचाई दी है, बल्कि इनसे जुड़ा है एक और अद्भुत संसार बाजार का संसार, जो हर उत्सव के साथ नया रंग, नया रूप और नई रौनक ले आता है, लेकिन इस पारंपरिक बाजार के बीच अब एक और चमकता चेहरा उभर आया है, ऑनलाइन शॉपिंग का संसार। जहां पहले मां अपने बच्चों के साथ मेले में जाती थीं, अब वही मोबाइल की स्क्रीन पर "एड टू कार्ट" क्लिक कर देती हैं। पहले जहां दादी अपने हाथों से मिठाइयां बनाकर पड़ोस में बांटती थीं, अब वहीं मिठाई किसी ई-कॉमर्स ऐप से मंगवाई जाती हैं। यह परिवर्तन केवल सुविधा का नहीं, बल्कि समय की गति का प्रतीक है। एक ऐसा युग, जहां त्योहार की खुशबू अब डिजिटल हवाओं में घुलने लगी है।

डॉ. मोनिका राज
लेखिका

त्योहारों की आत्मा और भारतीय संस्कृति की धड़कन

भारत के त्योहार केवल धार्मिक आयोजन नहीं हैं, वे भारतीय समाज की आत्मा हैं। यहां हर पर्व जीवन की किसी गहरी भावना का प्रतीक है। दीपावली आशा और प्रकाश का, होली रंग और मेलजोल का, रक्षाबंधन स्नेह और सुरक्षा का, जबकि नवरात्र आस्था और शक्ति का प्रतीक है। इन त्योहारों की यही सांस्कृतिक गहराई बाजारों में भी दिखाई देती है। जैसे ही त्योहारी मौसम आता है, हर शहर, हर गांव एक रंगमंच बन जाता है। गलियां जगमगाती हैं, दुकानों में रौनक बढ़ जाती है, ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ती है। साड़ी से लेकर सजावट तक, मिठाई से लेकर मोबाइल तक, सब कुछ त्योहारी सजे-धजे रूप में नजर आता है। दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान, खरीदारों के दिलों में उत्साह और वातावरण में उल्लास-यही है भारतीय त्योहारों की असली पहचान।

पारंपरिक बाजारों की रौनक मानवीय स्पर्श की दुनिया

दीपावली की पूर्व संध्या पर जब पुराना बाजार अपनी पूरी शोभा में सजा होता है तो कैसा अद्भुत दृश्य होता है। मिट्टी के दीए चमक रहे होते हैं, रंगोली के रंग बिखरे होते हैं, मिठाइयों की खुशबू हवा में घुली होती है और दुकानों में ग्राहकों की चहल-पहल मानो एक उत्सव बन जाती है। इन पारंपरिक बाजारों में केवल वस्तुएं नहीं बिकतीं, भावनाएं बिकती हैं, संबंध बनते हैं और विश्वास पनपता है। दुकानदार ग्राहक का नाम याद रखता है, बच्चे के लिए मिठाई मुफ्त में दे देता है और पुराने ग्राहक को कहता है- "आप तो अपने हैं।" यह वह आत्मीयता है, जो किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म में नहीं मिलती। त्योहारों के दौरान इन बाजारों में मानो एक सामाजिक संगम होता है। गांवों से लोग शहर आते हैं, रिश्तेदारों से मुलाकात होती है, बच्चे पटाखों की मांग करते हैं, बुजुर्ग पुराने दिनों को याद करते हैं। यह सब केवल खरीद-फरोख्त नहीं, बल्कि जीवन के उत्सव की साझेदारी है।

ग्रामीण भारत की भागीदारी नई अर्थव्यवस्था का विस्तार

भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी आज भी गांवों में रहती है। त्योहारों के मौसम में इन ग्रामीण इलाकों में भी खरीदारी का उत्साह चरम पर होता है। पहले जहां गांवों के लोग शहर जाकर त्योहारी सामान लाते थे, अब वही लोग मोबाइल के जरिए ऑर्डर करते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग ने ग्रामीण भारत को भी आधुनिक उपभोक्ता बना दिया है। सरकारी "डिजिटल इंडिया" अभियान और सस्ते डेटा ने इस परिवर्तन को और गति दी है। अब गांव की औरतें भी कहती हैं-"बिटिया, मोबाइल से देख दो, कौन-सी साड़ी पर डिस्काउंट है।" यह दृश्य भारत के सामाजिक परिवर्तन की गवाही देता है, जहां परंपरा और तकनीक एक साथ कदम मिला रही हैं।

भावनाओं का रूपांतरण त्योहार से 'सेल' तक

इस बदलाव के साथ एक प्रश्न भी उठता है। क्या हमने त्योहारों की आत्मा को कहीं खो तो नहीं दिया? जहां पहले दीपावली "अंधकार पर प्रकाश की विजय" का प्रतीक थी, वहां अब वह "मेगा डिस्काउंट सेल" का पर्याय बनती जा रही है। त्योहारों की मूल भावना-मिलन, साझा भोजन, भावनाओं का आदान-प्रदान अब स्क्रीन के पार चला गया है। "डिजिटल ग्रीटिंग" ने हाथ से लिखे कार्ड की जगह ले ली है, "ई-गिफ्ट कार्ड" ने उस मिठाई के डिब्बे को विस्थापित कर दिया है, जो कभी मां अपनी लाड़ से पैक करती थी। यह बदलाव सुविधाजनक तो है, लेकिन यह एक भावनात्मक दूरी भी पैदा कर रहा है। त्योहार अब केवल उपभोग का उत्सव बनते जा रहे हैं, न कि आत्मा के उल्लास का।

बदलते उपभोक्ता और बाजार का नया मनोविज्ञान

त्योहारों का बाजार अब केवल वस्तुओं का नहीं, बल्कि अनुभवों का बाजार बन गया है। विज्ञापन अब यह नहीं कहते कि "यह मिठाई खाइए", बल्कि यह कहते हैं-"यह मिठाई आपके परिवार को जोड़ती है।" ब्रांड्स अब भावनाओं को बेचते हैं। विज्ञापनों में मां का प्यार, भाई का स्नेह, बच्चे की हंसी, सब कुछ पैक किया गया है मार्केटिंग के सुंदर आवरण में। यह नया उपभोक्ता युग है, जहां भावना भी एक उत्पाद बन चुकी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स डेटा के जरिए यह जानते हैं कि हमें क्या चाहिए, कब चाहिए और किस दाम पर चाहिए। वे हमें वही दिखाते हैं, जो हम देखना चाहते हैं। यह बाजार का नया मनोविज्ञान है।

त्योहारों का एक बड़ा उद्देश्य होता है मन की थकान मिटाना, आत्मा को उल्लास से भर देना, लेकिन आधुनिक जीवन की व्यस्तता में यह खुशी भी खरीदारी और उपभोग पर निर्भर होती जा रही है। "सेल" देखकर जो उत्साह मन में आता है, वह कभी-कभी कुछ घंटों में ही खत्म हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि ऑनलाइन शॉपिंग से मिली खुशी क्षणिक होती है, जबकि वास्तविक मिलन, स्नेह और सहभागिता से मिलने वाला आनंद स्थायी होता है। त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य केवल वस्तुएं खरीदना नहीं, बल्कि मनुष्य से मनुष्य के बीच का भावनात्मक लेन-देन है। इसलिए आवश्यक है कि हम त्योहार मनाते समय केवल "खरीदने" पर नहीं, बल्कि "साझा करने" पर ध्यान दें। साझा भोजन, साझा हंसी, साझा समय। यही साझा क्षण हमारे उत्सव को वास्तविक अर्थों में मानवीय बनाते हैं।

त्योहार अर्थव्यवस्था की धड़कन

त्योहारी सीजन भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस दौरान उपभोग बढ़ता है, बिक्री रिकॉर्ड तोड़ती है और छोटे-बड़े व्यापारी उम्मीद से भरे होते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल दीपावली सीजन में भारत में करीब 4 से 5 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होता है। इसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। त्योहारों से जुड़ी यह आर्थिक गतिविधि सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। यह रोज़गार, उत्पादन और लॉजिस्टिक नेटवर्क को भी सक्रिय करती है। यही कारण है कि भारतीय बाजार के लिए त्योहारी मौसम किसी "आर्थिक नववर्ष" से कम नहीं।

छोटे व्यवसायों और हस्तशिल्प की नई पहचान

त्योहारी मौसम भारत के कारीगरों और छोटे व्यापारियों के लिए साल का सबसे सुनहरा समय होता है। मिट्टी के दीए बनाने वाला कुम्हार, बांस की सजावट बुनने वाला शिल्पकार या फिर हाथ से मिठाई बनाने वाला हलवाई। सभी अपने कौशल से उत्सवों की शोभा बढ़ाते हैं। परंतु जब ऑनलाइन शॉपिंग का जाल फैलने लगा, तो प्रारंभिक वर्षों में इन पारंपरिक कलाकारों पर विपरीत प्रभाव पड़ा। बड़े ब्रांडों और कॉर्पोरेट सेल्स के बीच उनकी दुकानें कहीं छिप-सी गईं, लेकिन धीरे-धीरे परिवर्तन की यह धारा उनके लिए अवसर भी लेकर आई।

आज "मेक इन इंडिया", "वोकल फॉर लोकल" और "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट" जैसी पहलों ने इन छोटे उद्योगों को डिजिटल मंच पर पहुंचाने में मदद की है। अब कुम्हार अपने दीए न केवल स्थानीय बाजार में, बल्कि ई-कॉमर्स साइटों पर भी बेच रहे हैं। बुंदेलखंड की चूड़ियां, बनारस की साड़ियां, कांचीपुरम के सिल्क और जयपुर की सजावट सब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इस तरह परंपरा और प्रौद्योगिकी का सुंदर संगम बन गया है। अब कारीगर का हुनर मोबाइल की स्क्रीन पर दिखता है और उसका उत्पाद देश के हर कोने तक पहुंचता है। यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत का डिजिटल पुनर्जागरण है।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण : सजावट की चमक में प्रकृति की चिंता

त्योहारों की चकाचौंध में हम अक्सर प्रकृति की मौन आवाज को भूल जाते हैं। दीपावली के पटाखे, होली के रंग, गणेशोत्सव की मूर्तियां, ये सभी अगर असंयमित रूप में मनाए जाएं, तो पर्यावरण पर भारी पड़ते हैं, लेकिन सौभाग्य से, आज नई पीढ़ी में जागरूकता बढ़ रही है। लोग इकोफ्रेंडली त्योहारों की ओर बढ़ रहे हैं, जैसे मिट्टी की गणेश मूर्तियां, प्राकृतिक रंगों से होली, सौर ऊर्जा से जलते दीए और डिजिटल शुभकामनाएं। ऑनलाइन शॉपिंग ने भी इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए हैं। अब कई वेबसाइटें "ग्रीन गिफ्ट्स" या "सस्टेनेबल प्रोडक्ट्स" की श्रेणी प्रस्तुत कर रही हैं। बांस के दीपक, जैविक कपड़े, पुनर्चक्रित पैकेजिंग, यह सब त्योहारों को अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बना रहा है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़े, तो भविष्य में हमारे त्योहार न केवल खुशियों का प्रतीक, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन का उत्सव भी बन सकते हैं।

वैश्विक भारत और भारतीय त्योहारों का डिजिटल प्रसार

आज जब भारतीय प्रवासी दुनिया के हर कोने में बसे हैं, तब त्योहारों का स्वरूप भी वैश्विक हो गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों पर दीपावली परेड निकलती है, लंदन में राखी मेला लगती है, दुबई में होली फेस्टिवल मनाया जाता है। इन उत्सवों की जड़ें भारत में हैं, लेकिन उनकी शाखाएं अब पूरे विश्व में फैल चुकी हैं। ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल कनेक्टिविटी ने इस विस्तार को और सरल बना दिया है। भारत में बैठे परिवार अपने विदेश-स्थित प्रियजनों को ऑनलाइन गिफ्ट भेजते हैं और विदेशों से भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ रही है। इस प्रकार त्योहार अब केवल भारत की सांस्कृतिक पहचान नहीं, बल्कि वैश्विक भारतीयता का प्रतीक बन चुके हैं। डिजिटल मंचों ने भारत की इस परंपरा को विश्वव्यापी बना दिया है।

समय के साथ सब कुछ बदलता है, लेकिन अगर हमारी आत्मा में अपनी जड़ों की गर्मी बनी रहे, तो कोई परिवर्तन हमें खो नहीं सकता। त्योहार चाहे ऑनलाइन हों या ऑफलाइन, उनका सार तभी सजीव रहेगा जब उनमें प्रेम, करुणा और साझा आनंद का भाव हो। आधुनिक भारत के नागरिक के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक को सुविधा का माध्यम बनाएं, पर उसे जीवन का केंद्र न बनने दें। जब हम स्क्रीन के परे जाकर एक-दूसरे के चेहरे पर मुस्कान लौटाएंगे, तब ही त्योहारों की सच्ची रोशनी फूटेगी। त्योहार का अर्थ ही है- एक साथ होना, एक साथ मुस्कुराना और एक साथ जीना। यह भावना हमारे भीतर जिंदा है तो चाहे बाजार बदल जाएं या साधन, त्योहार हमेशा अमर रहेंगे, जैसे दीपक की लौ, जो समय की आंधी में भी बुझती नहीं।

ऑनलाइन शॉपिंग का आगमनः सुविधाओं का नया संसार

21 वीं सदी ने भारत को एक नया चेहरा दिया-डिजिटल भारत। स्मार्टफोन और इंटरनेट के प्रसार ने जब हर हाथ में तकनीक रख दी, तब बाजार भी अपने पारंपरिक रूप से निकलकर ऑनलाइन संसार में प्रवेश कर गया। अब दीपावली की खरीदारी "अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल" या "फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज" जैसे ऑफर्स में होती है। घर बैठे-बैठे लोग कपड़े, गिफ्ट, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक्स, यहां तक कि पूजा सामग्री तक ऑर्डर कर लेते हैं। कुछ ही क्लिक में भुगतान, डिलीवरी और डिस्काउंट सब कुछ इतना आसान हो गया कि लोग कहते हैं "त्योहार अब डिजिटल हो गए हैं।" ऑनलाइन शॉपिंग ने दूरदराज के इलाकों में भी उत्सव की पहुंच बढ़ा दी है। जहां पहले गांवों में त्योहारी सामान ढूंढना मुश्किल होता था, आज वहां भी मोबाइल नेटवर्क और डिलीवरी वैन पहुंच गई हैं। यह एक नया लोकतंत्र है- उपभोग का लोकतंत्र, जहां हर व्यक्ति को समान सुविधा और विकल्प प्राप्त हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, मनुष्य का स्वास्थ्य शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर निर्भर करता है। चरक संहिता में कहा गया है– "मन: प्रसाद: स्वास्थ्यस्य कारणम्", अर्थात मानसिक शांति ही सच्चे स्वास्थ्य का मूल कारण है। आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य के लिए "सत्वावजय चिकित्सा" का उल्लेख मिलता है, जिसमें मन को सकारात्मक भावनाओं से स्थिर किया जाता है। योग और ध्यान के माध्यम से मन को संतुलित रखा जाता है, जिससे स्मरणशक्ति व आत्मविश्वास बढ़ता है। औषधीय रूप में ब्राह्मी (मंडूकपर्णी), शंखपुष्पी, अश्वगंधा और जलनिंब (ऐंद्री) जैसी जड़ी-बूटियां बच्चों के मानसिक संतुलन को सुधारती हैं। साथ ही आयुर्वेद बच्चों की दिनचर्या (दिनचर्या और आहार) को व्यवस्थित रखने पर बल देता है, क्योंकि नियमित जीवनशैली ही स्थिर मन का आधार है।

बचपन से करें मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल

मानसिक स्वास्थ्य सुधार के उपाय

- घर में संवाद और प्रेम का वातावरण बनाए रखना चाहिए। बच्चों को डिजिटल माध्यमों पर सीमित समय बिताने दें और परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय दें।
- स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य कक्षाएं, योग और ध्यान सत्र आयोजित किए जाने चाहिए।
- समाज को भी बाल-मित्र क्लब, सामुदायिक सहायता समूह और जागरूकता अभियानों के माध्यम से योगदान देना चाहिए।
- स्वास्थ्य संस्थानों को नियमित मानसिक जांच शिविर और अभिभावक कार्यशालाएं आयोजित करनी चाहिए ताकि समय पर पहचान और उपचार हो सके।
- प्रातः सूर्योदय से पहले उठने की आदत डालें।
- हल्का व्यायाम, सूर्य नमस्कार या प्राणायाम कराएं।
- बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाएं-बगीचे में समय बिताने दें।
- रात्रि में समय पर सोने की आदत डालें।

आयुर्वेदिक आहार

- गौ घृत मस्तिष्क को पोषण देता है और स्मरण शक्ति को बढ़ाता है।
- केला, सेब, अखरोट और आंवला मानसिक शांति और ऊर्जा बनाए रखते हैं।
- मीठे में गुड़ और शहद का प्रयोग करें-ये सत्वगुण को बढ़ाते हैं।
- जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक और अत्यधिक मीठा न दें, ये मानसिक अस्थिरता बढ़ाते हैं।
- मण्डूक पर्णी (ब्राह्मी) का स्वरस
- दूध से मुलेठी का चूर्ण
- गुडूची (गिलोय) के तने का रस
- शंखपुष्पी का कल्क (पेस्ट)
- योग्य चिकित्सक की सलाह से

ध्यान, योग और प्राणायाम

- अनुलोम-विलोम- मन को शांत रखता है।
- भ्रामरी प्राणायाम - तनाव, डर और बेचैनी को कम करता है।
- ओम का जप- मन को सकारात्मक ऊर्जा देता है।
- बाल योगासन जैसे ताड़ासन, वज्रासन, बालासन और शवासन बच्चों के लिए उपयुक्त हैं।

स्वस्थ बाल मन ही स्वस्थ राष्ट्र की नींव

मानसिक स्वास्थ्य का विषय हमें यह याद दिलाता है कि बच्चों का मन सबसे कोमल होता है। जब दुनिया संकट में होती है तो वही सबसे पहले और सबसे गहराई से प्रभावित होते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम उनके मानसिक स्वास्थ्य को केवल उपचार के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, संवेदनशीलता और स्नेह के रूप में देखें। आयुर्वेद हमें यह सिखाता है कि "मन: प्रसन्नं सुखाय, चित्तं स्थिरं स्वास्थ्याय" - अर्थात मन की प्रसन्नता ही सच्चा स्वास्थ्य है। जब हम बच्चों को सुनेंगे, समझेंगे और सहारा देंगे ताकि उनका मन भय से नहीं, बल्कि विश्वास और स्नेह से भरा रहे। क्योंकि स्वस्थ बाल मन ही स्वस्थ राष्ट्र की नींव है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की पहल

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। संस्थान द्वारा समय-समय पर बाल मानसिक स्वास्थ्य शिविर, मुफ्त योग एवं ध्यान सत्र और पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से मानसिक शांति और संतुलन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही अभिभावक जागरूकता कार्यशालाओं के माध्यम से माता-पिता को बच्चों की भावनात्मक जरूरतों को समझने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह संस्थान इस बात का उदाहरण है कि आयुर्वेद आधुनिक मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का भी सहज और प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह 10 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक।

विद्यालय और शिक्षकों की भूमिका

स्कूल बच्चों के मानसिक पुनर्वास का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकते हैं। शिक्षक बच्चों की भावनाओं को समझकर उन्हें सही दिशा दे सकते हैं। स्कूलों में माइंडफुलनेस, योग, कला, संगीत और खेल जैसी गतिविधियां बच्चों की भावनाओं को संतुलित करती हैं।

शिक्षा मंत्रालय और संस्थान मिलकर "स्कूल काउंसलर" की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि हर बच्चे को आवश्यकता पड़ने पर परामर्श मिल सके। आपदा प्रभावित बच्चों के लिए विशेष "पुनर्वास शिक्षण कार्यक्रम" भी उपयोगी साबित होते हैं।

भारत सरकार की पहल

- भारत सरकार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर है।
- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बच्चों के विकास और व्यावहारिक विकारों की पहचान करता है।
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को जिला स्तर तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।
- इसके अतिरिक्त टेली-मानस हेल्पलाइन (14416) मानसिक परामर्श और सहायता प्रदान कर रही है।
- एनसीईआरटी द्वारा स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित पुस्तिकाएं और गतिविधियां शुरू की गई हैं ताकि बच्चों में मानसिक सशक्तिकरण विकसित किया जा सके।

माता-पिता की भूमिका

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में माता-पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जब आपदा या संकट आता है तो माता-पिता का व्यवहार ही बच्चे के लिए सुरक्षा की भावना पैदा करता है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों से खुलकर बात करें, उनके डर और शंकाओं को समझें और उन्हें स्नेह व विश्वास प्रदान करें।

गले लगाना, स्पर्श, साथ बैठना-ये सभी छोटे कदम बच्चे को स्थिरता देते हैं। माता-पिता को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बच्चों के सामने अपनी चिंताएं या हताशा न दिखाएं ताकि बच्चे भावनात्मक रूप से अस्थिर न हों।

पंचकर्म एवं मानसिक विश्राम

- बड़ों की तरह बच्चों में भी हल्के शिरोधारा या अभ्यंग (तेल मालिश) से मन को शांति और नींद में सुधार होता है।
- नस्य कर्म में ब्राह्मी घृत का प्रयोग मानसिक शक्ति बढ़ाने में बेहद सहायक माना गया है।
- अभ्यंग से शरीर में "वात दोष" संतुलित होता है, जो मानसिक अस्थिरता का मुख्य कारण होता है।

मनोविकास के संस्कारिक उपाय

- रोजाना 10 मिनट "कृतज्ञता अभ्यास" - बच्चों को सिखाएं कि वे अपने दिन के अच्छे अनुभवों के लिए आभार व्यक्त करें।
- प्रेरणादायक कहानियां सुनाएं - जैसे पौराणिक चरित्रों की धैर्य, साहस और करुणा से भरी कहानियां।
- पूजा, मंत्र जप या सकारात्मक संगीत से बच्चों का मानसिक वातावरण शुद्ध रखें।

स्वास्थ्य की बात हो और उसमें 'ब्रेन फूड' का ज़िक्र न हो, यह संभव नहीं। और जब 'ब्रेन फूड' कहा जाता है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में आता है, वह है अखरोट (वॉलनट)। यह सूखा मेवा न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि अपने भीतर दिमाग, दिल और शरीर के लिए अनमोल पोषक तत्वों का खजाना समेटे हुए है। अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, विटामिन ई, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि इसे "दिमाग का टॉनिक" और "हृदय का रक्षक" दोनों कहा जाता है। वैज्ञानिक शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि नियमित रूप से अखरोट का सेवन करने से न केवल स्मरण शक्ति और मानसिक एकाग्रता बढ़ती है, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों से भी बचाव होता है।

-फीचर डेस्क

दिमाग और दिल को फिट रखता है अखरोट

दिमाग के लिए वरदान

- अखरोट को "ब्रेन फूड" कहा जाता है, क्योंकि इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमाग की कोशिकाओं को मजबूती देता है। यह मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर की सक्रियता बढ़ाता है, जिससे याददाश्त, सीखने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की शक्ति में सुधार होता है।
- बच्चों में यह मस्तिष्क विकास में सहायक है, जबकि बुजुर्गों में अल्जाइमर या डिमेंशिया जैसे रोगों से बचाव में मदद करता है।
- शोध बताते हैं कि जो लोग नियमित रूप से अखरोट खाते हैं, उनका कॉग्निटिव फंक्शन बेहतर होता है और उनकी मानसिक उम्र धीमी गति से बढ़ती है।

दिल के लिए हेल्दी और सुरक्षाकवच

- आज के समय में हृदय रोग सिर्फ उम्रदराज लोगों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि युवाओं में भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में अखरोट एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करता है।
- इसमें पाए जाने वाले हेल्दी फैट्स पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड और मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड (पीयूएफए और एमयूएफए) ब्लड में खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाते हैं और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाते हैं।
- इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।
- विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना 4-5 अखरोट खाने से दिल की धड़कन स्थिर रहती है और हार्टअटैक का खतरा काफी हद तक कम होता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

- अखरोट में मौजूद पॉलीफेनॉल और मेलाटोनिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं।
- ये वही हानिकारक तत्व हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर बुढ़ापा, झुर्रियां और त्वचा संबंधी रोगों को बढ़ावा देते हैं।
- अखरोट इनसे लड़कर शरीर को भीतर से डिटॉक्स करता है। यही कारण है कि अखरोट खाने वाले लोगों की त्वचा अधिक युवा, कोमल और स्वस्थ दिखाई देती है।
- साथ ही इसमें मौजूद विटामिन बी 7 (बायोटिन) बालों को झड़ने से रोकने में मदद करता है।

वजन नियंत्रण में सहायक

- कई लोग मानते हैं कि अखरोट में फैट होता है, इसलिए यह वजन बढ़ा सकता है, जबकि यह भ्रम है। अखरोट का फैट "हेल्दी फैट" होता है, जो शरीर में अनावश्यक चर्बी नहीं जमने देता।
- यह भूख को नियंत्रित करता है और अधिक खाने की प्रवृत्ति को घटाता है, जो लोग वजन घटाने के प्रयास में हैं, वे अखरोट को अपने नाश्ते या सलाद में शामिल कर सकते हैं। यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है और ऊर्जा का अच्छा स्रोत भी है।

नींद के लिए लाभकारी

- अखरोट में पाया जाने वाला मैग्नीशियम, ट्रिप्टोफैन और मेलाटोनिन नींद को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- यह दिमाग को शांत करता है, तनाव और चिंता को कम करता है, जिससे नींद की गुणवत्ता सुधरती है।
- अगर आपको रात में बेचैनी या नींद में कठिनाई होती है तो सोने से पहले कुछ अखरोट खाना लाभकारी हो सकता है।

अखरोट खाने का सही तरीका

- अखरोट का अधिकतम लाभ तभी मिलता है, जब इसे सही तरीके से खाया जाए।
- रोजाना 4 से 5 अखरोट सुबह नाश्ते में या शाम के समय खाएं।
- इन्हें रात में भिगोकर सुबह खाना सबसे अच्छा माना जाता है।
- यदि पेट संवेदनशील है तो भिगोए हुए अखरोट ही खाएं।
- आप इन्हें सलाद, दलिया, दही या स्मूदी में भी मिला सकते हैं।

अखरोट प्रकृति का एक अद्भुत उपहार है, जो शरीर, मन और आत्मा तीनों के लिए लाभकारी है। यह न सिर्फ दिमाग और दिल को स्वस्थ रखता है, बल्कि त्वचा, बाल, वजन और नींद पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। आज जब तनाव, असंतुलित आहार और व्यस्त जीवनशैली हमारी सेहत पर असर डाल रहे हैं, ऐसे में अखरोट जैसे सुपरफूड को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बेहद जरूरी हो जाता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। ऐसे में आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों से बचने के लिए चीजों का प्रबंधन शुरू से करके चलना उचित रहेगा। इस सप्ताह आपको छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

वृष
इस सप्ताह मेहनत और प्रयास के मुकाबले उन्हें उसका फल कुछ कम मिल सकता है। सोचे हुए कार्यों को पूरा करने में भी अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। पैतृक संपत्ति को लेकर घर-परिवार के सदस्यों के साथ मन-मुटाव होने की आशंका है।

मिथुन
इस सप्ताह आपको अपने कार्यों में उम्मीद से ज्यादा सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। हालांकि भागदौड़ के बीच आपको अपनी सेहत पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता भी बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों की सप्ताह की शुरुआत लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा से हो सकती है।

कर्क
इस सप्ताह लोगों के साथ तर्क-वितर्क करने की बजाय अपने लक्ष्य पर फोकस करने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो कार्यक्षेत्र में विरोधियों की चाल में फंसने की बजाय आपको अपने कार्य को बेहतर तरीके से समय पर करने की कोशिश करना चाहिए।

सिंह
यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल है, लेकिन इस सप्ताह आपको अतिउत्साह में आकर कोई ऐसा कार्य करने से बचना होगा जिससे आपका लाभ प्रतिशत कम न होने पाएं। इस सप्ताह आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में खूब रमेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको ऐसे कार्यक्रमों में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है।

कन्या
यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपके सामने भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद सामने आ सकते हैं। इस संबंध में स्वजनों के साथ मतभेद हो सकता है, लेकिन यह मनभेद में न बदलने पाए इसके लिए आपको बहुत ज्यादा धैर्य और विवेक से काम लेना होगा।

तुला
इस सप्ताह आपके सामने कभी धूप तो कभी छांव की स्थिति बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में कुछेक घरेलू समस्याएं आपकी परेशानी का कारण बनेंगी। हालांकि सप्ताह के उत्तरार्ध तक आप किसी वरिष्ठ व्यक्ति के माध्यम से इसका समाधान खोजने में कामयाब हो जाएंगे।

वृश्चिक
इस सप्ताह आपके द्वारा देखे गए सपने और मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। पूरे हफ्ते आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अनुकूलता बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में किसी धार्मिक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान आपको कार्य और व्यवसाय में मनचाही सफलता और उन्नति प्राप्त होगी।

धनु
इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में स्वजनों और शुभचिंतकों का सहयोग और समर्थन मिलता हुआ नजर आएगा। आपके द्वारा किए गए परिश्रम और प्रयास का पूरा फल मिलेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपकी मुलाकात किसी प्रभावी व्यक्ति से होगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभ की योजना से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा।

मकर
इस सप्ताह की शुरुआत में कार्यक्षेत्र में माहौल अनुकूल न रहने से आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको सीनियर और जूनियर का सहयोग और समर्थन अपेक्षाकृत कम ही मिल पाएगा। यदि आपका भूमि-भवन या फिर पैतृक संपत्ति का विवाद चल रहा है तो उसे दूर करने के के लिए आपको कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

कुंभ
इस सप्ताह शुरुआत लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा से होगी। इस दौरान आपका फोकस अपने अधूरे कार्यों को पूरा करने में रहेगा। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो आपको अपने कारोबार में अपेक्षा से अधिक लाभ होता नजर आएगा। यदि आप लंबे समय से अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए प्रयासरत थे तो इस सप्ताह आपकी ये मनोकामना पूरी होती हुई नजर आएगी।

मीन
इस सप्ताह पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचना होगा, अन्यथा उन्हें बाद में पछताना पड़ सकता है। आपको अपनी सेहत, संबंध और धन का विशेष ख्याल रखना होगा। सप्ताह में आपके सिर पर अचानक से कुछेक बड़ी जिम्मेदारी के साथ बड़े खर्च सामने आ सकते हैं, जिसे निभाने के लिए आपको न सिर्फ लोगों से सहयोग बल्कि धन भी उधार लेना पड़ सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 29

17	4	35	9	10	17	18	16	
8				21			10	13
	10 17			4		3 14		
16			12	33 12				
34					6 10			
	24	5 10			3 17		16	17
20				33 11				
17						9 6		
10		4 5			4		4	
	8				6			
	7				9			

काकुरो 28 का हल

	14	16		12	18	29	8	
4	1	3	13	4	1	5	2	28
13	9	4	34 18	8	4	7	6	9
7	4	2	1	10 7	2	8	12	4
	34	6	7	4	8	9	13 16	7
	11	1	5	2	3	21 13	4	8
	8	4 11	3	1	4 18	1	3	15
7	4	1	2	12 21	1	5	2	4
4	1	3	35	9	8	7	6	5
5	3	2	4 13	1	3	8 7	1	2
	15	5	4	3	2	1	4	3
		28	9	8	4	7	3	1

कहानी

ग्रेजुएशन सेरेमनी

आज मेरा आखिरी पेपर था। आज से ठीक दस दिन बाद मेरा 18 वां जन्मदिन है। यानी की दस दिन बाद मैं वोट देने लायक हो जाऊंगी-देश का भविष्य तय करने वाली एक जिम्मेदार नागरिक। सोचकर अजीब सा लगता है। अपना स्वयं का भविष्य धुंध में डूबा धुंधला-सा दिखाई पड़ता है, पर मैं देश के भविष्य को देखकर बड़े सपने देखने लगती हूं। जून की उमस भरी गर्मी, बिजली की कटौती, धुआं उगलते वाहन और मोहल्ले के नुक्कड़ पर शोहदों की भीड़, सबको बदलना है। ओह कितने काम! वैसे धुंधला-सा दिखने वाला मेरा यह भविष्य मम्मी पापा के हिसाब से बिल्कुल साफ है। मालती, बाइस की होते ही शादी और फिर उसके बाद वही सब जो शादी के बाद होता है। कैसी आस्था है मुझे भविष्य के सपनों पर जैसे कुछ भी गलत, कुछ भी जो हृदय को तोड़ता है और वह मेरे साथ घटित नहीं होगा। कभी भी नहीं?

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
कहानीकार

टैगोर का गीतांजलि का यह अंश बहुत गहरे तक रचा बसा है। "व्हेयर द माइंड इस विदाऊट फियर एंड द हेड इस हैल्ड हाई।" पर सच्चाई यह थी कि शाम साढ़े सात तक घर लौटने का अनिवार्य नियम मेरे लिए अठारह की होने के बाद भी नहीं बदलेगा। यानी अठारह बरस का होना एक मानसिक संतोष भर है। उस दिन ग्रेजुएशन सेरेमनी के बाद हम आठ दोस्तों ने निश्चय किया कि नई फिल्म देखी जाए। शो हाउसफुल था। टिकट खिड़की पर खड़े आदमी ने इशारा किया- "मैडम, टिकट खत्म। देखना है तो नीली शर्ट वाले से ले लीजिए, ब्लैक में।"

नीली शर्ट वाला एक दुबला पतला आदमी था। होठों से सिगरेट के छल्ले निकालता हुआ, आत्मविश्वास से खड़ा। उसके इशारे पर एक नाटे कद का आदमी लोगों को ब्लैक में टिकट थमा रहा था। मैं झिझकते हुए भीड़ में खड़ी हो गई। पहली बार ब्लैक में टिकट लेने जा रही थी। हिम्मत जुटाकर बोली, "भैया... आठ टिकट चाहिए।" उसने सिगरेट बूझाकर मेरी ओर देखा। चेहरा गंभीर, पर आंखों में एक अजीब नरमी। उसने नाटे आदमी से कहा -"आठ टिकट दे दो...रेगुलर रेट पर।"

मुझे बुरा लगा। क्यों मेहरबानी कर रहा है मुझ पर? कहीं मेरे गुलाबी दुपट्टे का असर तो नहीं? मैंने बिना कुछ कहे ब्लैक का पूरा पैसा थमा दिया। वह चौका, मुस्कुराया और बोला -"आप पहली बार ब्लैक में टिकट खरीद रही है, है न?" मैंने चुपचाप सिर हिलाया। वह आसमान की ओर देखते हुए धीमें स्वर में बोला- "तो मैं वह पहला आदमी नहीं बनना चाहता, जो आपके जीवन में बेईमानी की नींव रखे।"

उसने नाटे आदमी से मेरे पैसे वापस कराए और चला गया। मैं स्तब्ध खड़ी रह गई थी। उस दिन की वह घटना मेरे व्यक्तित्व पर एक फौलादी छाप छोड़ गई।

दस साल बाद... आज मैं अट्ठाइस की होने वाली हूं। अठारह मैं जोश था, अब हकीकत है। देश बदलने के सपने कहीं खो गए हैं। सरकारी दफ्तरों की धूल, बाबूओं की रिश्वत खोरी, सिस्टम की सुस्ती सब देखकर थक गई हूं। पर वह चेहरा बार-बार याद आता है-वह नीली शर्ट वाला, जिसने ब्लैक में टिकट बेचते हुए भी मुझे ईमान का सबक दिया। कुछ महीने पहले की बात है।

दिल्ली में एक एनजीओ के प्रोग्राम में गई थी। वहां एक वक्ता मंच पर खड़ा था-तेज आवाज, सुलझे हुए विचार और सीधी बातें। उसने कहा- "देश बदलना है तो सबसे पहले अपनी आत्मा को ईमानदार बनाइए। झूठ, लालच और बेईमानी से छुटकारा पाए बिना क्रांति अधूरी है।" मैं चौंक गई। वही चेहरा! उम्र का असर था, पर पहचान में देर नहीं लगी। वही नीली शर्ट वाला। प्रोग्राम खत्म होने पर मैं उसके पास गई।"आप... ब्लैक में टिकट बेचते थे, है न?" वह हल्के से हंसा, "हां... पेट की मजबूरी थी। पर उस दिन आपने मेरी जिंदगी बदल दी।" मैं अचंभित थी- "मैंने?" "हां। जब आपने ब्लैक का पैसा देने समय मेरी आंखों में सीधा देखा... तब मुझे लगा कि मैं गलत कर रहा हूं। मैंने तुरंत आपका पैसा लौटा दिया और उसी दिन कसम खाई थी-अब ईमान से कमाऊंगा, चाहे भूखा रहना पड़े।" मेरी आंखें नम हो गई। जिस आदमी को मैंने बेईमान समझा था, वहीं अब लोगों को ईमानदारी का पाठ पढ़ा रहा था।

वह आगे झुककर बोला-"किसी ने आपको मालती कहकर पुकारा था। इस तरह मैं उस इंसान का नाम जान गया, जिसने मुझे नई राह दिखाई। तो मालती जी, कभी-कभी एक छोटी सी मुलाकात, एक सही निर्णय-किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है।" उसकी बातों में मुझे भीतर तक हिला दिया। मैंने सोचा, शायद यही वह संकेत था, जिसकी मुझे तलाश थी। दुनिया बदलने के लिए बड़े मंच नहीं, छोटे-छोटे कदम चाहिए। आज जब मैं अपने अट्ठाइसवें जन्मदिन की तैयारी कर रही हूं, तो मुझे लगता है कि वह नीली शर्ट वाला मुझे वह लौटा गया है, जो मैंने सालों पहले खो दिया था-विश्वास। कभी-कभी जीवन में मिलने वाला सबसे अनपेक्षित इंसान हमें वह सबक दे जाता है, जो वर्षों की किताबें भी नहीं दे पाती। वही सबक किसी और की जिंदगी बदलने का कारण बन जाता है।

लघुकथा

बदलता समय

आस्था आरती
लेखिका

'बेटा! वर्तुल को समझाओ, शादी कर ले। क्यों मेरा बुढ़ापा खराब करने पर तुला है? उसके भविष्य के बारे में सोच सोचकर न मैं जी पा रहा हूं और न मर पाऊंगा।' शर्मा जी ने मायके आई अपनी बेटी पूर्णिमा से कहा। भाई की बढ़ती उम्र के बारे में सोचते हुए एक दिन पूर्णिमा ने वर्तुल से कहा, 'भाई तुम सैंतीस की उम्र पार कर चुके हो, अब शादी कर लो ताकि पापा भी चैन से रह सकें।' पूर्णिमा की बात सुनकर वर्तुल भड़कते हुए बोला, 'दीदी आप पापा जी को क्यों नहीं समझातीं? किसी से भी शादी करके मैं अपनी जिंदगी खराब नहीं कर सकता। रही बात पापा की तो पापा अब ज्यादा से ज्यादा कितने साल जीएंगे... 10 साल। मैं उनके दस साल के लिए अपना पूरा जीवन बर्बाद नहीं कर सकता।' इस पर पूर्णिमा वर्तुल का चेहरा देखने लगी। चेहरे में देख रही थी समय... समय में दिख रहा था ऐसा बदलाव, जहां कहने के लिए कुछ नहीं बचा था।

कविताएं/गीत

नारी

मैं नारी थी सुकुमारी थी।
कोमलता की अधिकारी थी।।
चुप चुप सब कुछ सहती थी।
पर मुंह कुछ न कहती थी।।
अन्नपूर्णा सी देवी थी।
सरस्वती और लक्ष्मी मैं थी।।
मैं नारी थी सुकुमारी थी
कोख से जीवन देती थी।
आंचल से ममता भरती थी।।
ओपन प्रेयसी प्रेमी की।
त्याग सदा में करती थी।।
पति के जीवन में अविरल सी।
प्यार की गंगा सी बहती थी।।
मैं नारी थी सुकुमारी थी।
हे पुरुष तुम्हें नतमस्तक है।
जो कुचला हमें हरक्षण है।।
जब पति मरा मेरा तो मुझको
जिंदा जला दिया।
कभी प्रभु से प्रेम किया तो विश
का प्याला पिला दिया।।
क्या इसकी मैं अधिकारी थी?
मैं नारी थी सुकुमारी थी।
कभी सड़क पर कभी घरों में,
कभी कोख में नोचा था।।
परिणाम इसका क्या होगा?
क्या कभी किसी ने सोचा
था।।
मैं नारी थी सुकुमारी थी।
कभी हमको जिंदा जलाया।
कभी मंडी में हमें बैठाया।।
जिस पग मैं पायल सजने थे।
उसमें घुंघरू जबरन
पहनाया।।
मैं नारी थी सुकुमारी थी।
अब पुरुषों क्यों रोते हो।
क्यों संयम अपना खोते हो।।
सुकुमारी से व्यापारी तक,
तेरी साझेदारी थी।।
मैं नारी थी सुकुमारी थी।
अब तो उसकी बारी है, कहर
उसका भी जारी है।।
आंचल में दूध जहर बन गया,
मंगलसूत्र बना फांसी का
फंदा।।
है पुरुष तुमने जो शुरू किया
था।
उसका यह परिणाम है गंदा।।
मैं नारी थी सुकुमारी थी।

सरिता सिंह
कवयित्री

गीत तुम्हारी राहें तक कर लौट गए

गीत तुम्हारी राहें तक कर
लौट गए
गजलें सिसक सिसक कर
सोने चली गईं
आस संजोने वाले सपने
टूट गए
आंखे अपलक थक कर रोने
चली गईं

नहीं था कुछ अनुबंध जो
कहता टूट गया
कोई रिश्ता नहीं था जिसे
बचा लेता
तुम आ भी जाते, तो भी क्या
हो जाना था
ऐसा भी तो नहीं था, तुमको
पा लेता

फिर भी यूं लगता है मानो
स्मृतियां
कोरी उम्मीदों के हाथों
छली गईं
गीत तुम्हारी राहे तक कर
लौट गए
गजले सिसक सिसक कर
सोने चली गईं

न चूड़ामणि, नूपूर, न कोई
कर्णफूल
स्मृति धुंधली, शेष नहीं है
चिह्न कोई
चल रहे साथ में लश्कर
रिश्ते-नातों के
किन्तु! सखा हनुमान सा
नहीं अभिन्न कोई

है अंतिम कालांश आयु के
गुरुकुल में
बाकी कक्षाएं सब घर को
चली गईं
गीत तुम्हारी राहें तक कर
लौट गए
गजलें सिसक सिसक कर
सोने चली गईं

हूं जग के समरांगण में
निरुपाय खड़ा
ढाल तुम्हारे नेह की क्षत-
विक्षत है
सुधियों की तलवार-धार है
कुंद हुई
अब तो अंतिम वार ही मात्र
प्रतीक्षित है

विश्वासों की हर सांस
निरंतर छली गई
गीत तुम्हारी राहें तक कर
लौट गए
गजलें सिसक सिसक कर
सोने चली गईं।

अरविंद पथिक
वरिष्ठ साहित्यकार

व्यंग्य

बने रहो पगला काम करेगा अगला

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

समय के साथ सरकारी सेवकों के संदर्भ में प्रचलित 'बने रहो पगला, काम करेगा अगला', 'काम करो न करो, काम की चिंता अवश्य करो', 'बारह बजे लेट नहीं, तीन बजे भेंट नहीं' आदि अवधारणाओं में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। मूलतः सरकारी सेवक का अभिप्राय ऐसे ढोल से होता है, जिसे जनमानस एवं अफसरशाही सदृश डंडों के द्वारा सेवापर्यंत बजाया जाता है। भूलोक का ऐसा निरीह प्राणी, जो गुर्राने वाली शेरनी सदृश घरवाली एवं दहाड़ने वाले शेर सदृश अधिकारी के बीच अपने अस्तित्व को कायम रखने के लिए संघर्षरत रहता है। कार्यों के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर सरकारी कर्मचारियों की मूलतः चार कैटगरी है।

प्रथम कैटगरी के अंतर्गत मेहनतकश कार्यालय समर्पित शेषनाग रूपी कर्मचारी आते हैं, जिनके मस्तक पर कार्यालय अथवा विभाग का संपूर्ण भार टिका होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे कर्मचारी कोल्हू वाले बैल के मौसेरे भाई होते हैं। इन्हें जीवन गुजारा भत्ता या वेतन तो एक व्यक्ति का मिलता है, किंतु कार्य बोझ दर्जनों व्यक्ति का होता है। समय से पहले कार्यालय आना एवं सबसे बाद में कार्यालय से वापस लौटना इनके दैनिक कार्य अवधि में शुमार रहता है। इनके जीवन में छुट्टी या रेस्ट का प्रावधान न के बराबर होता है। दूसरे वर्ग में ऐसे कर्मी आते हैं, जो कार्य अवधि में स्वयं को सबसे व्यस्त दिखाने का प्रदर्शन करते हैं। इनके टेबल पर फाइलों का अंबार लगा रहता है। छाती अथवा बगल में दो-तीन फाइलों को दबाएं कार्यालय में चलते-फिरते भी नजर आ जाते हैं। यदि ये बैंक, रेलवे या किसी अन्य सरकारी प्रतिष्ठान में कम्प्यूटर आधारित कार्य को देखते हो तो हर दूसरे दिन इनके कम्प्यूटर सिस्टम में टेक्निकल प्रॉब्लम अथवा प्रत्येक आधा घंटा पर सर्वर डाउन या लिंक फेल की समस्या बनी रहती है। भविष्य के भरोसे काम को टालने वाले ऐसे कर्मी विभागीय जिम्मेदारी के हिसाब-किताब में भले ही कमजोर हो, किंतु अपने वेतन भुगतान, एरियर, इंक्रीमेंट, टीए, डीए, राजपत्रित अवकाश, अर्जित अवकाश आदि का पूरा डेटा दिमाग में फीड किए रहते हैं। कार्यालय अवधि में बगल वाले टेबल के झा जी, ओझा जी, वर्मा जी, शर्मा जी, गुप्ता जी आदि से डीए/इंक्रीमेंट, पीएफ आदि के विषय पर हमेशा अपडेट होते रहते हैं। विलंब से कार्यालय आना एवं समय से पहले कार्यालय छोड़ना इनकी दिनचर्या में समाहित होता है।

तीसरी कैटगरी में धन की देवी लक्ष्मी के मानस पुत्र आते हैं। वैसे इनका मौलिक वेतन इतना कम होता है कि पारिवारिक खर्चा को लुढ़का पाना मुश्किल होता है, किंतु फाइल बढ़ाने, काम करवाने आदि के शर्तिया अनुबंध पर इतनी अतिरिक्त माया अर्जित कर लेते हैं कि इनका परिवार आलीशान बंगला में आवासित एवं महंगी गाड़ियों पर भ्रमण करता दिख जाता है। टेबल के नीचे से धनागमण की नीति इनके पूर्वजों की ही देन मानी जाती है।

चौथी कैटगरी में चापलूसी का लॉलीपाप चूसने वाले कर्मचारी आते हैं। पृथ्वी पर इनका अवतरण तेल और मक्खन के साथ होता है, जिनका प्रयोग एवं उपयोग सरकारी सेवा के दौरान किया जाता है। सामान्यतः ऐसे कर्मचारी आत्ममुग्ध कार्यालय प्रधान या अधिकारियों की नाक का बाल होते हैं। साहब की मक्खन मसाज के अलावा अन्य कर्मचारियों के छींकने-खांसने से लेकर मल-मूत्र विसर्जन तक की क्षण-क्षण चुगली से साहब को अपडेट करना ही इनका परम कर्तव्य होता है। विभाग के अधिकांश कर्मचारी छुट्टी, वेतन आदि सहित अन्य बातों को साहब तक पहुंचाने के लिए चुगलेश्वर बाबू का ही सहारा लेते हैं।

उपहार

सजी-संवरी पत्नी, पति के गले में अपनी बांहों का हार डालकर बोली- 'आज खुशी के मौके पर इतना उदास क्यों हो।' 'बस ऐसे ही।' पति मायूसी से बोला।

'बताओ तो सही, क्या बात है?'-पत्नी मचल गई। 'तुम्हारे लिए आज कोई गिफ्ट न ला सका। दरअसल मेरे मित्र की अभी नई-नई शादी हुई है। उसकी पत्नी का पहला करवाचौथ का व्रत था। उसके पास पैसे न थे। मुझसे समस्या बताई तो मैंने गिफ्ट के लिए तुम्हारे लिए बचाकर जो पैसे रखे थे उसे दे दिए। अब तुम्हारे लिए आज कुछ न ला सका।'

सुरेश सौरभ
साहित्यकार

मुस्कुराते हुए पत्नी बोली- 'कोई बात नहीं? सबसे बड़ा उपहार तो मेरे लिए तुम हो, तुम्हारी खुशी है, तुम्हारा प्यार है-बस एक बार मुस्कुरा दो मेरी ओर देख कर, मैं समझूंगी दुनिया की सारी दौलत मिल गई। पति खुशी से झूमकर पत्नी को बांहों में भर लिया।'

अब दोनों की आंखों में कोई नमी तारी हो रही थी, करवाचौथ का चांद पूरे शबाब पर आकर वहां रंग और नूर बिखेर रहा था। खुशियां बिखेर रहा था।

विनोद शुक्ल को 30 लाख की रायल्टी

चंद्रेश्वर
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

जबसे हिन्द युग्म प्रकाशन ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अपने चौथे सालाना जलसे 'उत्सव' में 20 और 21 सितंबर 2025 को मंच पर खुलेआम सार्वजनिक रूप से हिन्दी के वयोवृद्ध कवि-कथाकार विनोद कुमार शुक्ल को तीस लाख रुपए का चेक प्रदान किया है, हिन्दी की साहित्यिक दुनिया में भूचाल आ गया है। हर कोई इसको लेकर अपनी-अपनी राय जाहिर कर रहा है। एकमुश्त इतनी राशि रायल्टी के रूप में हिन्दी में अब तक किसी लेखक को नहीं मिल सकी थी। इस बाबत हिन्दी के लेखक कई खेमों में बंट चुके हैं। पहली तरह के लेखक इसे लेकर जश्न मना रहे हैं तो दूसरी तरह के लेखक इस विशिष्ट ऐतिहासिक घटनाक्रम को संदेह की नजर से देख रहे हैं। तीसरी ओर कुछ लेखक इस पूरे घटनाक्रम को लेकर उदासीन हैं। हिन्द युग्म ने अब तक कुछ ऐसी पुस्तकों को भी प्रकाशित किया है, जिन्हें नई वाली हिन्दी में रखकर प्रचारित किया जा रहा है। इनमें बेस्ट सेलर लेखकों में दिव्य प्रकाश दुबे, सत्य व्यास, निशांत जैन, निखिल सचान, अनु सिंह चौधरी आदि के नाम आते हैं।

इन लेखकों ने कहानियां और उपन्यासों की रचना की है। इनकी कथात्मक कृतियां पापुलर लिटरेचर के अंतर्गत मानी जा रही हैं। इनकी कथात्मक कृतियों को मनोरंजन प्रधान भी माना जाता रहा है। इनमें जीवन और समाज के उन प्रसंगों पर फोकस किया जाता है, जो यथार्थ की तरह दिखाई दे मगर उनमें ट्रीटमेंट का तरीका यथार्थवादी न हो। जब हम साहित्य में, विशेष रूप से कथा साहित्य में यथार्थवाद की बात करते हैं तो उसका सीधा संबंध विचारधारा से है। विचारधारा का सवाल सीधे मार्क्सवाद से जुड़ा हुआ है।

हिन्दी कथा साहित्य में यथार्थवाद की परंपरा का निर्माण प्रेमचंद ने किया है, जिसका विस्तार समकालीन हिन्दी कथा साहित्य में भी परिलक्षित किया जा सकता है। विनोद कुमार शुक्ल हिन्दी के प्रख्यात कवि और गद्यकार हैं। उनकी कविताओं की पुस्तकों में 'वह नया गरम कोट पहनकर चला गया विचार की तरह', 'लगभग जय हिन्द', 'सबकुछ होना बचा रहेगा', 'अतिरिक्त नहीं', 'कविता से लंबी कविता', 'आकाश धरती को खटखटाता है', 'कभी के बाद अभी' आदि उल्लेखनीय हैं। उपन्यासों में 'नौकर की कमीज', 'खिलेगा तो देखेंगे', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' आदि चर्चित हैं। हिन्द युग्म प्रकाशन का मानना है कि विनोद कुमार शुक्ल का उपन्यास 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' की छह महीने में लाखों प्रतियां बिकी हैं। उसकी ही रायल्टी तीस लाख रुपये है। विनोद कुमार शुक्ल का यह उपन्यास आज से कोई 28 साल पहले 1997 में प्रकाशित हुआ था। 1 जनवरी 1937 में राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ में पैदा हुए विनोद कुमार शुक्ल की उम्र कोई 88 साल की हो रही है। उनके उपन्यास 'नौकर की कमीज पर' मणि कौल ने फिल्म भी बनाई है। यह फिल्म साल 1999 में रिलीज हुई थी। बेशक विनोद कुमार शुक्ल एक प्रतिष्ठित कवि और गद्यकार हैं। मगर उनका लेखन कुल मिलाकर एक तरह से अराजनीतिक रहा है। उनकी कविताओं और औपन्यासिक कृतियों में सामाजिक यथार्थ मुखर रूप से अभिव्यक्त नहीं हुआ है। हिन्दी आलोचक वीरेंद्र यादव अपने सोशल मीडिया पर लिखते हैं- 'आज के राजनीतिक समय में अठाईस वर्ष पूर्व प्रकाशित एक उपन्यास का सोशल मीडिया द्वारा प्रचार भी एक राजनीतिक कार्रवाई है। मुझे लगता हैं कि यह समय 'आखिरी कलाम' पढ़े जाने का है, 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' सरीखे अराजनीतिक उपन्यास का नहीं।' 'आखिरी कलाम' दूधनाथ सिंह का उपन्यास है, जो राम मंदिर आंदोलन की पृष्ठभूमि में लिखा गया है। विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार, इंटरनेशनल पेन नाबोकोव पुरस्कार-2023 भी मिल चुके हैं। विनोद कुमार शुक्ल का लेखन सामाजिक यथार्थ को लेकर मुखर नहीं है तो वह सामाजिक सरोकारों से विच्छिन्न एकदम कलावादी भी नहीं है।

हिन्द युग्म प्रकाशन का यह महोत्सव हाल ही में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हुआ, जिसमें 100 से अधिक लेखकों ने हिस्सा लिया। इसे ही हिन्द युग्म उत्सव भी कहा जा रहा है। वयोवृद्ध कवि-कथाकार विनोद कुमार शुक्ल के सम्मान के अवसर पर इस उत्सव में अस्सी पार के वरिष्ठ कवि नरेश सक्सेना भी शामिल थे। छत्तीसगढ़ विधानसभा के स्पीकर रमन सिंह भी उसमें दिखाई दिए थे। नरेश सक्सेना पर पहले से ही आरोप लगते रहे हैं कि वे किसी मंच पर जाने से परहेज नहीं करते हैं। जबकि नरेश सक्सेना का मानना है कि वे साधारण जनता के कवि हैं और किसी भी मंच पर पूरी निर्भयता के साथ अपनी बात रखते हैं। वे स्वयं को प्रतिरोध का कवि मानते हैं। विनोद कुमार शुक्ल बयानों से बचते हुए रचने में लगे रहते हैं। वे हिन्दी के एक चुप्पा और शांत लेखक हैं। बहरहाल वाम-जनवादी खेमे में इनकी थोड़ी बहुत आलोचना कोई नई परिघटना नहीं है।

समीक्षा

जीवन के साज-बाज

प्रेम शक्तिशाली और परिवर्तनकारी है, जो हमारे जीवन को गहराई और अर्थ से तो भर देता है, साथ ही एक दिशा देता है। देविका और शिवेन की यह कहानी इस बात की तस्दीक करती है कि प्रेम कैसे हमारे अतीत के दर्द और असुरक्षाओं को पार करने में मदद कर सकता है। उनके रिश्ते में बचपन से अनुभव किए शोषण जैसे दर्दनाक अनुभवों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, लेकिन प्रेम ने उन्हें अपने आप से भी बाहर निकलने में मदद की, चूंकि प्रेम ही शाश्वत है। फेमिनिज्म इस कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो महिलाओं को अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए हौसला देता है। यूं तो लोगों की बनी-बनाई धारणाएं टूटने में समय लगता है, बने-बनाए प्रतिमान यूं ही नहीं टूट जाते। परंतु ये अटल सत्य है प्रेम और फेमिनिज्म एक दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं... तब ही देविका अपने जुनून से अपने आपको वहां तक ले जा सकती थी, जहां तक जाना चाहती थी। चाहे देविका हो या कोई अन्य लड़की आसान नहीं होता। प्रेम हमें अपने आपको और अपने रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। फेमिनिज्म हमें अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए लड़ने की ताकत देता है। देविका और शिवेन की यात्रा हमें सिखाती है कि प्रेम एक गहरी और जटिल यात्रा है, जिसमें हमें अपने आपको और अपने रिश्तों को समझने के लिए प्रयास करना पड़ता है। यूं ही कुछ नहीं होता एफर्ट डालने होते हैं। इस उपन्यास को पढ़ने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि प्रेम कैसे हमारे जीवन को बदल सकता है। हमें अपने आपको और अपने रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। यह उपन्यास हमें अपने आपको और अपने रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने की ताकत देता है।

पुस्तक : साज-बाज
लेखक : प्रियंका ओम
प्रकाशन : शिवना प्रकाशन, मध्य प्रदेश
रुपये : 249
समीक्षक : दिलीप कुमार पाठक

वेदों में नारी-विमर्श

प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी, माता विद्यते यस्य स मातृमान।
अर्थात, धन्य वह माता है, जो गर्भाधान से लेकर, जब तक पूरी विद्या न हो, तब तक सुशीलता का उपदेश दे।

वेदों के मुख्य विषय हैं- कर्म, उपासना और ज्ञान, जो समस्त मानव जाति के धर्म हैं। वेद ज्ञान के भंडार हैं, उस भंडार में खोज करने पर नारी के महत्व और उसके सामाजिक-शैक्षिक योगदान को प्रकाशित करने वाले विषय भी दृष्टिगोचर होते हैं। चारों वेदों में से अधिकांशतः ऋग्वेद में ही प्राचीन काल से चली आ रही नारी की सभ्यता और संस्कृति पर प्रकाश डाला गया है। वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति समाज में अत्यंत ऊंची थी और उन्हें अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त थी। उन्हें धार्मिक क्रियाओं में पुरोहितों एवं विशेषज्ञों का दर्जा प्राप्त था। वे धर्म-शास्त्रार्थ में भी भाग लेती थीं।

डॉ. मीता गुप्ता
साहित्यकार

मानव जीवन तीन आधारों पर टिका है-ज्ञान, धर्म और शांति। ज्ञान, धर्म व शांति की स्वामिनी के रुप में 'श्री' वाचक शब्द का प्रयोग होना उसकी श्रेष्ठता को बताता है। 'श्री' को समृद्धि और संस्कृति की अधिष्ठात्री भी कहा जाता है। 'परा' और 'अपरा' शक्ति के रूप में तत्वज्ञानी हमेशा से चर्चा करते रहे हैं। सरस्वती, लक्ष्मी, दुर्गा आदि अनेक रूपों में उसकी आराधना होती रही है। इन्हीं शक्तियों का संयुक्त एवं मूर्तिमान रूप नारी है। हिंदू समाज में नारी का सम्मान और आदर प्राचीन काल से ही आदर्शात्मक और मर्यादायुक्त था। परिवार और समुदाय में उनके द्वारा कन्या, पत्नी, वधू और मां के रूप में किए जाने वाले योगदान का सर्वदा महत्व और गौरव रहा है। सरस्वती देवी पतित पावनी, धन दायिनी, सत्य की ओर प्रेरित करने वाली शिक्षिका और ज्ञानदात्रि मानी गई है। इस काल में विशपला और मृदुगलानी जैसी तत्कालीन ख्याति प्राप्त नारियों का वर्णन भी प्राप्त होता है। शिक्षा, गृहस्थ जीवन, यज्ञ-अनुष्ठान में स्त्रियों को सम्मान प्राप्त था। विधाओं का पुनर्विवाह भी प्रचलित था। जब हम वैदिक कालीन नारी की बात करते हैं तो हमें उसके विभिन्न रूपों और कार्यों का अवलोकन करना होता है। शिक्षा, धर्म-व्यक्तित्व और सामाजिक विकास में उसका महान योगदान था। नववधू को श्वसुर-गृह की साम्राज्ञी माना जाता था। उसे पति के साथ प्रत्येक कार्य में सहयोगी माना जाता था। ऋग वैदिक नारी पुरुष की ही तरह समाज की स्थाई और गौरवशाली अंग थी। वह अत्यंत सुशिक्षित, सुसभ्य और सुसंस्कृत होती थी। वह पति के साथ मिलकर समस्त कार्य संपन्न कराती थी। वैदिक युग में नारी स्वच्छंद एवं मुख्य थी, साथ ही उसे सामाजिक मान-सम्मान प्राप्त था। वैदिक युग में स्त्री-शिक्षा अपनी उच्चतम सीमा पर थी।

वैदिक कालीन स्त्रियां और ब्रह्मचर्य धर्म

ऋग्वैदिक पंडिता स्त्रियों यथा-रोमेशा, अपाला, उर्वशी, विश्ववारा, सिकता, निवावरी, घोषा, लोपामुद्रा आदि ने अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ अनेक ऋचाओं का भी प्रणमन किया था। उच्च शिक्षा प्राप्त स्त्री को विवाह योग्य अत्यधिक उत्तम माना जाता था। वैदिक कालीन स्त्रियां ब्रह्मचर्य धर्म का पालन करते हुए उपनयन संस्कार भी कराती थीं, तब शिक्षा ग्रहण करती थीं। ब्रह्मयज्ञ में जिन ऋषियों की गणना की जाती है, उनमें सुलभा, गार्गी, मैत्रयी आदि ऋषियों के भी नाम सम्मान पूर्वक लिए जाते हैं, जिनकी प्रतिष्ठा वैदिक ऋषियों के समान थी। वैदिक ज्ञान के साथ-साथ ललित कलाओं में भी वे पारंगत होती थीं। तब शिक्षण पद्धति के अंतर्गत ही छात्र-छात्राएं एक साथ शिक्षा ग्रहण करती थीं। पूर्व वैदिक कालीन अपाला ने अपने पिता को कृषि-कार्य में सहयोग प्रदान किया था, जो स्त्री-ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

वैदिक कालीन स्त्रियां गाय दुहना, सूत कातना, बुनना, वस्त्र सिलना भी जानती थीं। तत्कालीन स्त्रियां नृत्य कला में भी निपुण थीं और साथ ही ऋचाओं का गान भी करती थीं। इस प्रकार वैदिककालीन स्त्री वैदिक शिक्षा के साथ-साथ नृत्य, संगीत, गान, चित्रकला आदि विषयों की भी शिक्षा ग्रहण करती थी। स्त्री अपना सर्वांगीण विकास करने हेतु तत्पर रहती थी। 'ब्रह्मचर्येण कन्या युवानं विन्दे पतिं' इस वाक्य से ज्ञात होता है कि कन्याएं ब्रह्मचर्य पूर्वक गुरुकुल में निवास कर शिक्षा पूर्ण करने के अनंतर ही युवक से विवाह करने की कामना करती थी। विवाह के अवसर पर पति-पत्नी दोनों ही कतिपय प्रतिज्ञाएं करते थे, जिन का प्रयोजन एक-दूसरे के प्रति कर्तव्यों का पालन करते हुए जीवन बिताना होता था। प्राचीन काल में सभी स्त्रियां विवाह करके गृहस्थ जीवन ही व्यतीत नहीं करती थीं, बल्कि बहुत सी स्त्रियां नृत्य, वादन, संगीत द्वारा जनसाधारण का मनोरंजन भी करती थीं, ऐसी स्त्रियों को समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त था। विवाह संस्कार के अनिवार्य अनुष्ठान आज तक वैसे ही चले आ रहे हैं। यथा-

बालिका अहं बालिका नव युग जनिता अहं बालिका।
नाहमबला दुर्बला आदिशक्ति अहमम्बिका।।

अर्थात एक आधुनिक युग की स्त्री हूं, मैं शक्तिहीन नहीं हूं। मैं आदिशक्ति हूं, मैं अम्बिका हूं।

वैदिक युग में स्त्री को संपत्ति के अधिकार प्राप्त थे। वैदिक मंत्रों में संकेत मिलता है कि संतान न होने पर पति के पश्चात पत्नी ही संपत्ति की स्वामिनी होती थी। पुत्र न होने पर पुत्री पिता की संपत्ति की उत्तराधिकारी मानी जाती थी। कभी-कभी स्त्रियां अपनी संपत्ति विषयक अधिकार हेतु न्यायालय भी जाती थीं। इसका तात्पर्य यह है कि वैदिक स्त्री अपने अधिकारों के प्रति जागरूक थी। वैदिक युग में स्त्री स्वतंत्र और स्वच्छंद भी थी। उस समय पर परदा या अवगुंठका कोई प्रचलन नहीं था। शिक्षा का वातावरण था। साथ ही ऋग्वैदिक वर्णन बताते हैं कि नववधू सभी अतिथियों को दिखाई जाती थी। यह प्रदर्शित करता है कि वैदिक युगीन नारी नैतिकता, चारित्रिक सोच, निष्ठा उज्ज्वल आचरण, सुसंस्कृत थी। तत्कालीन स्त्री वैदिक समाज का एक आदर्श उदाहरण थी तथा यह आशा की जाती थी कि वह अपनी वृद्धावस्था तक जनसभाओं में बोल पाएगी और लोगों को समझा पाएगी।

नारी स्वतंत्रता वैदिक कालीन नारी विधान सभा और समिति तथा उत्सव और मेला में स्वतंत्रता पूर्वक सम्मिलित होती थी। नारी स्त्रीधन से ब्राह्मणों को दान देती थी। वृद्धावस्था तक नारी अपने घर में प्रभुता रखती थी। यथा- नारीशक्ति शक्तिशाली समाजस्य निर्माणं करोति।
अर्थात शक्तिशाली नारी ही एक शक्तिशाली समाज का निर्माण करती है।

वैदिक ग्रंथों के अध्ययनों से ज्ञात होता है कि तत्कालीन नारी की दशा अत्यंत उन्नत और परिपक्व थी तथा वह सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से आदृत और प्रतिष्ठित थी। उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि वैदिक कालीन नारी का समाज में सम्माननीय और गरिमामय स्थान था। वैदिककालीन नारी में अनेकानेक गुण थे, जिसके कारण वह समाज में देवी और श्री के रूप में अदृत और सम्मानित थी। वैदिक युगीन स्त्री अपनी अस्मिता और अस्तित्व को बनाए रखने के लिए कृतसंकल्प रहती थी। तत्कालीन नारी हर क्षेत्र में अपना योगदान देती थी। वैदिक वर्णनों से परिलक्षित होता है कि तत्कालीन नारी अपने विकास के प्रति भी जागरूक थी। वैदिक साहित्य में ख्याति प्राप्त महिलाओं के वर्णन से ज्ञात होता है कि वे तत्कालीन समाज में विशिष्ट ख्याति प्राप्त थीं। वैदिक काल में स्त्री को उचित स्थान प्रदान किया जाता था। उसे वरिष्ठ माना जाता था तथा उसे देवी की उपमा दी जाती थी। वर्तमान में महिलाओं ने ऐतिहासिक वर्णनों के अध्ययनों से प्रेरित होकर अपने लिए ही नहीं, समाज से लिए भी नई मंजिलें, नए रास्ते तय किए हैं। महिलाओं की स्थिति में सुधार ने देश के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मायने बदल दिए हैं। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति पहले से अधिक सचेत हैं। नारी उत्थान में ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएं सन्निहित हैं और ऐसा इसलिए है, क्योंकि वैदिक काल से ही भारत में स्त्रियों को समुचित आदर और सम्मान मिलता रहा है। यथा- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।/यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला क्रियाः॥
अर्थात, जहां स्त्रियों का आदर होता है, वहां देवता रमण करते हैं। जहां उनका आदर नहीं होता, वहां सब काम निष्फल होते हैं।

दिवाली का त्योहार रोशनी, खुशियों और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस त्योहार की तैयारी घर की सफाई से शुरू होती है। माना जाता है कि साफ-सुथरा घर लक्ष्मीजी के आगमन का स्वागत करता है। आज के समय में, जब लोग गांवों से लेकर महानगरों तक अलग-अलग जीवनशैली जी रहे हैं, तो सफाई के तरीके भी बदल गए हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप अपने घर को दिवाली से पहले चमकदार बना सकते हैं-चाहे वह छोटा गांव का मकान हो या मेट्रो सिटी का अपार्टमेंट।

दिवाली पर घर को इस तरह चमकाएं, सफाई को आसान बनाएं

सबसे पहले तय करें प्लानिंग

- सफाई में सबसे जरूरी है-प्लानिंग। पहले यह तय करें कि किस दिन कौन-सा हिस्सा साफ किया जाएगा।
- गांव के घरों में अक्सर बड़े आंगन, स्टोर रूम और छत वाले हिस्से होते हैं, जहां पुराना सामान जमा रहता है।
- महानगरों के फ्लैट्स में जगह सीमित होती है, इसलिए पहले अनावश्यक चीजों को हटाना जरूरी होता है ताकि सफाई में आसानी रहे।

पंखों, दीवारों और खिड़कियों से करें शुरुआत

- सफाई हमेशा ऊपर से नीचे की ओर करें।
- पंखों, ट्यूबलाइट, खिड़की-दरवाजे और दीवारों पर लगे जालों को पहले हटाएं।
- गांव के घरों में छत की लकड़ी की बल्लियों पर अक्सर धूल जम जाती है, वहां झाड़ू या लंबे कपड़े के डंडे से सफाई करें।
- फ्लैट्स में माइक्रोफाइबर कपड़े या वैक्यूम क्लीनर मददगार साबित होते हैं।

किचन क्लीनिंगः हर घर का दिल

- किचन की सफाई पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- गांवों में, जहां अब भी लकड़ी या मिट्टी के चूल्हे का उपयोग होता है, वहां दीवारों और छतों पर जमी कालिख को नींबू और बेकिंग सोडा के मिश्रण से साफ किया जा सकता है।
- शहरों में गैस स्टोव और मॉड्यूलर किचन की चिकनाई हटाने के लिए ब्लीचिंग पाउडर या सिरका (विनेगर) और नींबू का घोल बहुत उपयोगी है।
- टाइल्स और प्लेटफॉर्म पर डिटर्जेंट लगाकर ब्रश से रगड़ें और सूखे कपड़े से चमकाएं।

कांच, सजावटी वस्तुओं की सफाई

- त्योहारों पर अक्सर घर की शोभा बढ़ाने वाली वस्तुएं भी साफ की जाती हैं।
- गर्म पानी में थोड़ा नमक और डिटर्जेंट मिलाकर कांच के बर्तन और सजावटी वस्तुएं साफ करें।
- पीतल या तांबे के बर्तनों को नींबू और नमक से रगड़ें, फिर सूखे कपड़े से चमका लें।

गांव के घरों के आंगन और छत की सफाई

- गांवों के घरों में खुला आंगन और मिट्टी के फर्श होते हैं। इन्हें पानी और गोबर से लीपने की परंपरा आज भी दिवाली से पहले निभाई जाती है। यह न सिर्फ स्वच्छता का प्रतीक है, बल्कि वातावरण को ठंडा और पवित्र भी बनाता है।

शहरों के बालकनी और अपार्टमेंट एरिया

- शहरों में फ्लैट्स की बालकनी, वॉशिंग एरिया व डस्टबिन जोन की सफाई पर ध्यान दें। गमलों की मिट्टी बदलें, पौधों को पानी दें और दीवारों पर लगे काई या फफूंदी को हटाएं।

दीयों की तरह चमकता घर

- सफाई केवल घर की बाहरी सुंदरता के लिए नहीं होती, यह मन और माहौल दोनों को हल्का करती है। चाहे गांव का आंगन हो या महानगर का अपार्टमेंट-स्वच्छता से मिलने वाली ताजगी और संतोष हर जगह एक जैसा है।
- दिवाली की सफाई केवल परंपरा नहीं, बल्कि यह नई ऊर्जा और सकारात्मकता का उत्सव है। थोड़ी सी योजना, सही क्रम और घरेलू नुस्खों के साथ आप कम समय में अपने घर को नया रूप दे सकते हैं। इस बार सफाई को बोझ नहीं, खुशियों की शुरुआत समझें और देखिए, कैसे आपका घर ही नहीं, मन भी रोशन हो उठेगा।

किताबों और अलमारी की सफाई

- किताबों को बाहर निकालकर हवा लगाएं, धूल साफ करें और बीच में नीम की पत्तियां रखें ताकि कीड़े न लगें।
- कपड़ों की अलमारी में पुराने कपड़े अलग करें। जरूरतमंदों को दान देना सबसे सुंदर दिवाली की शुरुआत हो सकती है।

डाइनिंग टेबल और फर्नीचर

- डाइनिंग टेबल पर खाने के दाग और फर्नीचर पर धूल आसानी से जम जाती है।
- शहरों में: क्लीनिंग स्प्रे या पॉलिश का इस्तेमाल करें ताकि लकड़ी की चमक बनी रहे।
- गांवों में: हल्के गीले कपड़े में थोड़ा सिरका मिलाकर पोछें, इससे पुराने फर्नीचर भी नई चमक ले लेते हैं।
- बेकार सामान हटाएं-"कम चीजें, ज्यादा सफाई"

अनावश्यक चीजों को त्यागना

- टूटे बर्तन, खराब इलेक्ट्रॉनिक आइटम, पुराने कपड़े, अखबार सबको एक जगह इकट्ठा कर छांट लें।
- शहरों में इन्हें कबाड़ वाले को देकर रिसाइकिल करवाएं।
- गांवों में पुराना लकड़ी का सामान या लोहे के टुकड़े अक्सर नए उपयोग में लाए जा सकते हैं।

आलू-रायते का पहाड़ी तड़का

हरी-भरी वादियों, ठंडी हवा और ताजगी से भरे दृश्यों के बीच अगर कुछ और आपको रोक ले तो वह है पहाड़ी स्वाद। उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में सफर करते हुए, जब नैनीताल रोड पर दोगांव या चंदा देवी के आसपास पहुंचते हैं, तो एक खास खुशबू आपको अपनी ओर खींचती है। यह है गरमागरम आलू के गुटके और उसके संग परोसा जाने वाला ठंडा, मसालेदार रायता है। ये एक ऐसा व्यंजन, जो यहां की मिट्टी में रचा-बसा है।

-पवन सिंह कुंवर, हल्द्वानी

लंबे सफर और पहाड़ी रास्तों से थके हुए पर्यटकों को जैसे ही इन ढाबों से आती खुशबू महसूस होती है, वे यहां रुकने के लिए मजबूर हो जाते हैं। सड़क किनारे की इन छोटी-छोटी दुकानों में बना यह भोजन केवल भूख शांत करने का साधन नहीं, बल्कि एक पूरा अनुभव है। गरम आलू के साथ मिलने वाला रायता, जिसमें भुना जीरा, पहाड़ी नमक, कटा हुआ धनिया, खीरा के साथ पुदीना भी डाला जाता है, वह स्वाद का ऐसा संगम बनाता है, जिसे शब्दों में पिरोना आसान नहीं। यह भोजन न तो किसी फाइव स्टार होटल की रेसिपी है और न ही किसी बड़े शेफ की बनाई डिश। यह तो पहाड़ की मिट्टी से जुड़े आम लोगों का वो तोहफा है, जो हर मुसाफिर के मन को छू जाता है। दुकानदार रायते के लिए पैक्ड दही के स्थान पर स्थानीय दही का उपयोग करते हैं, जिससे स्वाद में और रगंत आ जाती है। आलू-रायते का यह कॉम्बिनेशन उत्तराखंड की ताजी हवा, ऊंची पहाड़ियों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच मिलता है तो यह केवल भोजन नहीं, एक यादगार पल बन जाता है। ऐसा अनुभव जो जुबान से दिल तक उतर जाता है और जिसे हर यात्री अपनी यादों में संजो लेता है।

क्यों खास है ये कॉम्बिनेशन

आलू के गुटके और रायते का यह मेल केवल स्वाद के लिए नहीं है। यह शरीर के लिए भी अत्यंत लाभदायक होता है। गर्म आलू शरीर को ऊर्जा देता है, वहीं ठंडा रायता पाचन को आसान करता है और पहाड़ी यात्रा में होने वाली थकावट को कम करता है। अब उत्तराखंड पर्यटन विभाग भी अब इस पारंपरिक स्वाद को स्थानीय खानपान की पहचान बनाने की दिशा में काम कर रहा है। कई फूड स्टॉल इस व्यंजन को अधिक पेशेवर अंदाज में परोसने लगे हैं, जिससे न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है, बल्कि पर्यटकों के लिए एक नया अनुभव भी जुड़ रहा है।

खाना खजाना

ड्राई फ्रूट्स लड्डू

श्रद्धा पुरोहित कल्ला
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- खजूर - 250 ग्राम (बीज निकालकर बारीक कटा हुआ)
- मूंगफली - 100 ग्राम (भुनी और कुटी हुई)
- कद्दू के बीज - 50 ग्राम (हल्का भुना हुआ)
- ड्राई फ्रूट्स (काजू, बादाम, पिस्ता, अखरोट) - 150 ग्राम (बारीक कटे हुए)
- घी - 2 बड़े चम्मच (वैकल्पिक)
- इलायची पाउडर - 1 चम्मच
- चिया सीड्स या फ्लैक्स सीड्स (वैकल्पिक) - 2 बड़े चम्मच

ड्राई फ्रूट लड्डू स्वादिष्ट, सेहतमंद और भारतीय स्टाइल में बनने वाले एनर्जी बॉल्स हैं। खजूर, मूंगफली, कद्दू के बीज और ड्राई फ्रूट्स से बने लड्डू स्वादिष्ट, हेल्दी और पौष्टिक होते हैं। यह बिना चीनी या गुड़ के भी बनाए जा सकते हैं, क्योंकि खजूर की प्राकृतिक मिठास इसमें स्वाद जोड़ता है। यह लड्डू एनर्जी बूस्टर हैं और बच्चों से लेकर बड़ों तक सबके लिए फायदेमंद हैं।

क्या है फायदे

- खजूर: आयरन और फाइबर से भरपूर, ऊर्जा का प्राकृतिक स्रोत।
- मूंगफली: प्रोटीन और हेल्दी फैट का अच्छा स्रोत।
- कद्दू के बीज: जिंक, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर।
- ड्राई फ्रूट्स: हड्डियों और मस्तिष्क के लिए फायदेमंद। सर्दियों में इन लड्डू का सेवन करें और सेहत का आनंद लें!
- उपाय: तैयार लड्डू को एयरटाइट कंटेनर में रखें। ये लड्डू 2-3 हफ्तों तक ताजे बने रहेंगे।

बनाने की विधि सबसे पहले आप खजूर को मिक्सर में दरदरा पीस लें। अगर खजूर सख्त हैं तो इसे हल्के गर्म पानी में 5-10 मिनट भिगोकर नरम कर लें। फिर मूंगफली को कढ़ाई में हल्का भूनें और ठंडा होने पर इसे छीलकर दरदरा कूट लें। साथ ही इसके बाद आप कद्दू के बीज और ड्राई फ्रूट्स को हल्का भून लें। इससे इनका स्वाद और अधिक बढ़ जाएगा।

अब इसका मिश्रण तैयार करें: एक कढ़ाई में 2 बड़े चम्मच घी गरम करें (यदि लड्डू बिना घी के बनाना चाहते हैं तो यह चरण छोड़ सकते हैं)। इसमें पिसा हुआ खजूर डालें और मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक भूनें, जब तक यह नरम और चिपचिपा न हो जाए। अब इसमें मूंगफली, कद्दू के बीज और कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालें। इलायची पाउडर और चिया सीड्स/फ्लैक्स सीड्स मिलाएं। इस मिश्रण को हल्का ठंडा होने दें और गुनगुना होने पर हाथों में थोड़ा घी लगाएं और गोल-गोल लड्डू बना लें।

अमृत विचार

रविवार, 12 अक्टूबर 2025

उत्साहो बलवानार्य नास्त्युत्साहात्परं बलम्।
सोत्साहस्य हि लोकेषु न किञ्चिदपि दुर्लभम्॥

महर्षि वाल्मीकि जी कहते हैं, उत्साह श्रेष्ठ पुरुषों का बल है, उत्साह से बढ़कर और कोई बल नहीं है। उत्साहित व्यक्ति के लिए इस लोक में कुछ भी दुर्लभ नहीं है।

चीफ जस्टिस मामला: गहन चोट से शब्दों का अभाव

राष्ट्र स्तब्ध है। देश की सर्वोच्च न्यायपीठ के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंके जाने की घटना से जन-गण-मन आहत है, हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने तब घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब उन्होंने कहा है, "जो कुछ हुआ उससे बहुत स्तब्ध था।" मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उनके सहयोगी न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने इससे भिन्न राय प्रकट की है। यह अच्छी बात है कि मुख्य न्यायाधीश ने इसे एक भुला दिया गया अध्याय बताया है, लेकिन देश में इस घटना पर अच्छी खासी बहस है।

> भुइयां ने कहा है, "इस पर मेरी अपनी राय है। वह भारत के चीफ जस्टिस हैं। यह उच्चतर संस्था का अपमान है।" राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित इस घटना ने कई दिशाओं में नया सोचने की आवश्यकता प्रकट की है। घटना की गंभीरता का पता इसी बात से चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी घटना की निंदा की है। प्रधानमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश से व्यक्तिगत बात भी की। देश का बड़ा हिस्सा अवाक् है।

भुइयां ने कहा है, "इस पर मेरी अपनी राय है। वह भारत के चीफ जस्टिस हैं। यह उच्चतर संस्था का अपमान है।" राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित इस घटना ने कई दिशाओं में नया सोचने की आवश्यकता प्रकट की है। घटना की गंभीरता का पता इसी बात से चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी घटना की निंदा की है। प्रधानमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश से व्यक्तिगत बात भी की। देश का बड़ा हिस्सा अवाक् है।

भारतीय राजव्यवस्था की तीन प्रमुख संस्थाएं हैं। विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के मध्य शक्ति के पृथक्करण प्रत्यक्ष हैं। भारतीय न्यायपालिका की प्रतिष्ठा विश्वस्तरीय है। न्यायपालिका विधि की व्याख्या करती है। इसका खूबसूरत इतिहास है। खेदजनक है कि इसी गौरवशाली इतिहास में यह एक आत्महीन अध्याय जुड़ गया है। आगे आने वाली पीढ़ियां इस घटना के विवरण पढ़ेंगीं। लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपना मत व्यक्त करने का अधिकार है और यह अधिकार संवैधानिक भी है। इस घटना के आरोपी अधिवक्ता राकेश किशोर को ऐसी विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। यहां प्रश्न अभिव्यक्ति की आजादी का है भी नहीं। यह सीधे आपराधिक कृत्य है।

आदर्श समाज में परस्पर सम्मान की प्रकृति स्वाभाविक आवश्यकता होती है। प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा और निजता के सम्मान से समाज मजबूत होते हैं। भारतीय समाज में ऊंचे आदर्श और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा का सम्मान हजारों वर्षों की प्राचीन परंपरा है। महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में पक्ष और विपक्ष के संवाद आदर से भरे पूरे हैं। इस घटना से भारत के मन में एक गहन पीड़ा उठी है।

हम अपने बच्चों को सिखाते हैं। उन्हें सभ्यता के संस्कार देते हैं। करणीय-अकरणीय की सूची बताते हैं। युवा मन 15-20 वर्ष से प्रारंभ होता है। परिवार और समाज में इस बात का प्रशिक्षण मिलता है कि अपशब्द से बचना चाहिए। अपशब्द उचित नहीं होते। विद्यालय और कॉलेज जैसी शिक्षण संस्थाएं संस्कारवान पीढ़ी तैयार करते हैं। समाज के सभी रिश्ते-नाते प्रेमपूर्ण व्यवहार का ही प्रतिपादन करते हैं। अधिवक्ता की डिग्री सामान्य कागज का टुकड़ा नहीं है। यह किसी भी व्यक्ति को किसी भी अन्य व्यक्ति की तरफ से बोलने का अधिकार देती है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

न्यायालय औपचारिक रूप में ही नहीं आदर के योग्य हैं, वे वास्तव में न्याय के मंडप, मंदिर हैं, इसलिए न्यायालय में अधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले अधिवक्ता, न्यायमूर्ति आदर के पात्र होते हैं। सभी पद और दायित्व उत्तरदायित्व भी देते हैं। कर्तव्य पालन से समाज सुदृढ़ होते हैं। राष्ट्र जीवन का अधिष्ठान कर्तव्यवाची है। यहां जूता फेंकने वाले अधिवक्ता के बारे में कहा जा सकता है कि उनकी पढ़ाई और योग्यता के बावजूद कोई कमी है। ऐसी योग्यता के बावजूद उनके द्वारा यह कृत्य किया जाना घोर निंदा का विषय है। ऐसे अपराध की निंदा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

अनेक सवाल हैं। समाज अपने बिगड़े सदस्य को ठीक करने के लिए निंदा, आलोचना का प्रयोग करता है। राष्ट्र राज्य अपने बिगड़ैल सदस्यों को दंड भी देते हैं। दंड व्यवस्था का उद्देश्य स्वतंत्र व स्वाभिमानी नागरिक तैयार करना होता है। कानून और समाज अपने साथ राष्ट्र का यश भी बढ़ाते हैं। यशस्वी राष्ट्र का जन-गण-मन वैभव से भरा रहता है।

भारत भी वैभवशाली राष्ट्र है। सारी दुनिया भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र मानती है। निंदा और आलोचना में कुछ निश्चित शब्दों द्वारा असहमति प्रकट की जाती है, लेकिन यह घटना बड़ी है। गहन आहत राष्ट्र के मन में निंदा और आलोचना के शब्द जल्दी-जल्दी नहीं आते। इस चोट ने शब्दों का अभाव पैदा किया है। मूलभूत प्रश्न है कि इन्हें किन शब्दों में निंदित करें? किन शब्दों से आलोचना करें?

आखिरकार भारत के राष्ट्र जीवन में कहां पर खोट है, जिसके कारण भाईचारा, परस्पर सम्मान, संस्थाओं का सम्मान और संवैधानिक संस्थाओं का भी सम्मान नहीं हो रहा है। क्या हमारे पास ऐसी नैतिक शक्ति है कि लोग ऐसे अपराधों के बारे में सोचना बंद कर दें। समाज बहुत कुछ देता है। उसके बदले में कुछ लेता भी है। अपने नागरिकों को नैतिकता और परस्पर आत्मीयता सिखाने की जिम्मेदारी समाज की है। समाज के उत्कृष्ट आदर्श का पालन करते रहना हम सबका कर्तव्य है।

भारत का संविधान अनेक अधिकार देता है। संविधान के प्रति आस्था एक बड़ा मुद्दा है। शासन व्यवस्था संविधान से ही पैदा होती है। अपनी बात कहने के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया जा सकता। दबी जुबान कहा जा सकता है कि समाज में असंतोष है। परस्पर अविश्वास का वातावरण है। लोगों में निराशा है।

कई बार व्यक्ति को लगता है कि उसकी सही बात भी कोई नहीं सुनता। उसे लगता है कि उसे अपमानित किया जा रहा है, लेकिन इन सब का अर्थ कदापि यह नहीं है कि अधिवक्ता जैसे दायित्वों पर होने के बावजूद कोई हिंसक रास्ता अपनाए। असहमति का आदर देश की प्राचीन परंपरा है। असहमत लोग बड़ी-बड़ी क्रांतियां करते हैं, लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ लागू नहीं होता।

समाज का सतत् विकास हुआ है। एक समय अराजकता थी। लोग एक-दूसरे को हरा देने या खत्म करने के लिए आमादा थे। लोकतंत्र की पहली किरण के बारे में अथर्ववेद के ऋषि बताते हैं कि सबसे पहले परिवार संस्था बनी, फिर लगातार विकास करते हुए निर्णय की शक्ति सभा और समितियों के हाथ आई। सभा और समिति के लिए कहा गया है कि वे नरिष्टा हैं और समाज का कष्ट दूर करती हैं।

न्यायपालिका की आलोचना स्वतंत्रता के बाद के प्रारंभिक वर्षों में कम थी। अब न्यायपालिका की आलोचना होती है। मैंने स्वयं कई आलेखों में न्यायपालिका की आलोचना की है। आलोचना से सुधार का रास्ता भी निकलता है। असहमति, आलोचना, निंदा और भर्त्सना समाज को शक्ति देते हैं। संप्रति न्यायपालिका का कार्य पूरी निष्ठा के साथ चल रहा है। बीच-बीच में असहमतियां भी आती हैं, लेकिन हर नागरिक को अपनी असहमति संवैधानिक दायरे में ही प्रकट करनी चाहिए। ताजा घटना केवल घटना ही नहीं है, यह घटना हमारे जीवन मूल्यों, संवैधानिक आदर्शों पर गहरी चोट है। विद्वान अधिवक्ता भी विधिक रास्ता छोड़कर असंवैधानिक रास्ते पर चलेंगे, तो देश का क्या होगा?

लोकतंत्र की रक्षक मचाडो को शांति का नोबेल

अपने कार्यकाल में 'सात युद्ध खत्म' कराने का दावा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों और प्रचार को प्रहसन साबित करते हुए इस बरस शांति का नोबेल वेनेजुएला की अयरन लेडी मरिया कोरीना मचाडो को दिया गया, जो अपने ही देश में छिपकर रह रही हैं।

संजय श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

उन्हें नोबल दिए जाने का एलान करते हुए नोबेल समिति का यह कहना कि आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तानाशाही बढ़ रही है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, ऐसे में मारिया मचाडो जैसे लोगों की हिम्मत उम्मीद जगाती है, सर्वथा उचित है। देश में विपक्षी नेता मचाडो का सुमाते नामक संगठन वहां लोकतंत्र की बेहतरी तथा मुक्त और निष्पक्ष चुनावों के लिए प्रभावी आंदोलन छेड़े हुए है। जनता, जनमत उनके साथ दिखता है, पर सरकार ने तंत्र पर मजबूत कब्जा कर रखा है, इसलिए फिलहाल वेनेजुएला में वे सरकार उखाड़ फेंकने की स्थिति में हों ऐसा नहीं है।

मचाडो का जुझारू और बेखौफ तेवर डेढ़ दशक पहले से ही वेनेजुएला में पहचाना जा रहा था। 2012 में उन्होंने साहसी विपक्षी नेता के बतौर अपने को स्थापित करते हुए, वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति को भरी संसद में चोर कहा और उनका भाषण बंद करा दिया था। उस वक्त दुनिया भर में उनकी चर्चा हुई थी। उन्होंने लोगों की लूटी संपत्ति वापस करने को कहा, तो 9 घंटे 45 मिनट भाषण दे चुके राष्ट्रपति को कोई जवाब नहीं सूझा था। पिछले साल विपक्षी नेता मचाडो के बारे में देश के ओपीनियन पोल्स बता रहे थे कि उनकी जीत तय है, पर राष्ट्रपति चुनावों में उन्हें खड़ा नहीं होने दिया गया था। दुनिया भर में इसकी निंदा हुई थी और कहा गया कि यह चुनाव निष्पक्ष नहीं है। मीडिया और कई बाहरी पर्यवेक्षकों ने चुनावी अनियमितताओं को उजागर भी किया था, लेकिन निकोलस मादूरो ने आखिरकार तीसरी बार चुनाव जीत लिया।

> मरिया कोरीना मचाडो का जुझारू और बेखौफ तेवर डेढ़ दशक पहले से ही वेनेजुएला में पहचाना जा रहा था। 2012 में उन्होंने साहसी विपक्षी नेता के बतौर अपने को स्थापित करते हुए, वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति को भरी संसद में चोर कहा और उनका भाषण बंद करा दिया था।

बीते एक दशक में उन्होंने अपने देश के विपक्ष को एकजुट किया। सैन्यीकरण के खिलाफ लगातार डटे रह कर लोकतंत्र मजबूत करने की जो कोशिशें जारी रखीं, उससे वेनेजुएला में ऐसे भविष्य की उम्मीद जगी कि वहां नागरिकों के मूल अधिकार बचे रहेंगे और उनकी आवाज सुनी जाएगी, जिससे लोग सुकून के साथ आजादी से रह सकेंगे।

बेशक मौजूदा समय में दक्षिणी अमेरिका के कुछ देशों में जनाधिकारों के लिए जो संघर्ष चल रहा है, उसमें मचाडो का साहसी प्रयास अलग से उल्लेखनीय है। मारिया मचाडो ने वाकई अपने को 'शांति की बहादुर और प्रतिबद्ध समर्थक' साबित करते हुए अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र की लौ को बुझने से बचाने के प्रयास जारी रखे। मचाडो को नोबेल से पहले इस साल करेज अवार्ड, बीते साल लोकतंत्र की रक्षा के लिए सखारोव पुरस्कार, वाच्लाव हावेल मानवाधिकार पुरस्कार मिल चुका है। 2018 में वह बीबीसी द्वारा जारी दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शामिल थीं।

'ए स्पेस ओडिसी' जैसे न बनें हालात

क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न एप्लीकेशन्स मानव मेधा को रिप्लेस करेंगे? अभी इनकी विविधता दस से अधिक हो चुकी है। ऐसा तो शायद न होगा, लेकिन मानव-मेधा से उत्पन्न मौलिक कौशल के गुण को इससे शायद खतरा हो जाए? बहुत से इंटेलिजेंट फंक्शन्स अब मशीन मेधा पर शिफ्ट हो रहे हैं। इनसे मानव में प्रॉब्लम्स सॉल्व करने की शक्ति का निश्चित रूप से ह्रास होगा। हो सकता है कि भावी पीढ़ियों में यह जिज्ञासा को कुछ हद तक घटा दे, या क्रमिक रूप से धीरे-धीरे निचले स्तरों पर ले आए। मैथमेटिक्स एक नेचुरल विज्ञान है और मनुष्य में इसकी तीन बेसिक विधाओं और संबद्ध शाखाओं में जिस प्रकार से इसका विकास किया है, उसके अनेक प्रक्रियाओं को मशीन मेधा हस्तगत कर लें। उदाहरण के लिए अत्यंत काम्प्लेक्स अथवा जटिल प्रॉब्लम्स जोकि किसी भी क्षेत्र यथा एस्ट्रोफिजिक्स, स्पेस ट्रेवल के लिए कोआर्डिनेट्स निर्धारित करने, जटिल अवस्थाओं में समुद्र की गहराई में नेविगेशन अथवा न्यूक्लियर सेफ्टी ड्रिल या एटमोस्फियरिक गणनाएं हों, सभी एआई पर शिफ्ट हो जाएं।

रनबीर सिंह
हरियाणा

समस्या इन्हें एआई पर शिफ्ट करने से नहीं, वरन एआई सर्वर्स और इन्हें लगातार एनर्जी देने से सम्बंधित भी हो सकती हैं। हो सकता है, जब पूरा विश्व एआई की गिरफ्त में आ जाए और सिस्टम के स्टैंडबाय भी काम न करें, तब तो मानव फंस कर खड़ा हो जाएगा! ऐसा सिनेरियो अभी से मानव कल्पना के दायरे में है तो, लेकिन इसमें बड़े आईडियाज का सृजन अभी सिर्फ साइंस फिक्शन राइटर्स के दिमाग में ही हो पाया है। अभी कोई ऐसा सस्ता, कारगर सलूशन या पद्धति विकसित नहीं हुई है, जो एआई सर्वर्स को इंडिपेंडेंट और बैकअप एनर्जी दे सके।

मनुष्य जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी और मशीन मेधा को लेकर प्रगतिशील है, इसे लेकर ह्यूमैनिटी का मैनेजमेंट करने वाली व्यवस्थाओं में एक 'टेक्नोलॉजिकल एंग्जायटी' देखने को मिलती है। इसे देखने समझने के लिए पिछले दस साल में एआई में क्रमिक विकास के स्तर को लेकर प्रकाशित हुई जानकारी या रिसर्च पेपर्स को देखने से मालूम होता है कि मशीन मेधा 'डेस्ट्रक्टिबल' या नश्वर है। इसकी ग्लोबल नेटवर्किंग अगर मल्टिपल सर्वर्स से न हुई और समस्त पृथ्वी के लिए एकीकृत एआई सर्वर बना लिया गया तो यह भयंकर होगा। हो सकता है आतंकवादी संगठन इस केंद्रीय सर्वर पर कब्जा कर ले। देखना यह है कि मनुष्य इन्हें खुद-मेधावी बनाने के लिए किस हद तक जा सकता है।

ऐसी गुप्त 'की' या चाबी मनुष्य खुद के लिए जरूर निर्मित करना चाहेगा, जब मशीन मेधा विद्रोही तेवर दिखाने लगेगी और सब कुछ जो इससे नियंत्रित होता को तहस-नहस कर देगी, तब क्या मनुष्य फिर से इसमें से मेधा निकाल लेगा। ठीक उसी तरीके से जैसे स्टेनली क्यूब्रिक ने '2001- ए स्पेस ओडिसी' फिल्म में आज से 50 वर्ष पहले दिखाया था, जब इंटर-गैलेक्टिक यात्रा पर निकले हुए स्पेस-शिप में इंस्टाल किया हुए 'हाल' नामक इंटेलीजेंट कंप्यूटर ने स्पेस शिप के यात्रियों को भी नियंत्रित करना शुरू किया था?

आजम व मायावती फैक्टर में फंसी सपा

आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। आजम खान की सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है। पिछड़ा वर्ग में भी सभी जातियों को हम शामिल नहीं कर सकते हैं, लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते हैं, तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उन्हें आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा।

> आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। सपा से अगर आजम खान किनारा करते हैं, तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए अखिलेश को आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा।

सबसे अहम सवाल उठता है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानता है? हालांकि यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमान में कई नेता हैं और सबके अपने-अपने समर्थक हैं। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा, हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। इसकी वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं, हालांकि यह भी सच है कि मुसलमान भाजपा को भी पड़े पैमाने पर वोटिंग करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी अपना परचम लहरा चुकी है।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों के आसपास मुसलमानों का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने यहां कुल 82 सीटों में 62 पर विजय हासिल की थी। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था। मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले। उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल हैं। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि मुस्लिम समाज नाराज होकर भी कहां जाएगा, लेकिन पूरा मुसलमान सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ है, ऐसा कहना भी मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है।

उत्तर प्रदेश में इधर एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती को जन्म दिया है। लखनऊ में कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है। उधर, चंद्रशेखर आजाद रावण भी उलझन में हैं, क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं, तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीति सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि मायावती में दलित पूरी तरह आस्था रखता है। बसपा कैडर बेस पार्टी है। बगैर प्रचार के इतनी भारी भीड़ ने सब की नींद उड़ा दी है।

मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा की, वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा और उनकी सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ समाजवादी पार्टी सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फार्मूले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षों की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कमयाब दिखी, हालांकि जमीनी सच्चाई यही है कि इस भीड़ से बसपा और दलित भले खुश हों, लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकतीं, क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन का दौर है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है। केंद्र और राज्य में उसकी सत्ता होने से इसका सीधा लाभ मिल रहा है। छोटे दल भाजपा की सत्ता में सहभागी बनकर मलाई काट रहे हैं।

मूर्तियों से नहीं अंतर्तम से प्रकट होते हैं भगवान

भगवान के प्रति आस्था रखने वाले अधिकांश श्रद्धालुओं के मन में यह आकांक्षा होती है कि पूजा-पाठ करते समय भगवान साक्षात प्रकट हो जाएं, ताकि उनके स्वरूप का दर्शन हो सके और अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति की प्रार्थना वह सीधे प्रकट हुए भगवान से कर सके। धर्म ग्रंथों की अनेक कथाओं में ऐसा उल्लेख किया गया है कि जब किसी श्रद्धालु पर दयार्द्र होकर भगवान प्रकट हो गए और उसे वरदान भी दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इसके लिए श्रद्धालु घर के निजी पूजा स्थल पर स्थापित भगवान से लेकर मंदिरों तथा तीर्थ स्थलों तक में जब भगवान का दर्शन करता है, तो यही चाहता है कि मूर्ति से कोई शक्ति दिव्य रूप में प्रकट होगी। ऐसा होने पर उसे महसूस होगा कि उसकी पूजा एवं अराधना सही चल रही है।

अब प्रश्न उठता है कि क्या मूर्ति से कभी कोई मनुष्य रूप में प्रकट हुआ है? वैसे भी मूर्ति से किसी शरीरधारी के प्रकट होने की आकांक्षा अवैज्ञानिक तो है ही, साथ में इसे अंधविश्वास भी कहा जा सकता है। कहीं कुछ प्रकट होने का तथ्य जानना हो तो प्रकृति पर नजर डालनी चाहिए। सूरज दिन में प्रकट होता है जबकि चांद-सितारे रात में। सूरज, चांद और सितारों का प्रकट होना, यह दर्शाता है कि उनका अस्तित्व पहले से विद्यमान है। ग्रहों की चाल से ये लुप्त और प्रकट होते हैं। प्रकृति में प्रकटीकरण के लिए खेतों पर भी ध्यान देना चाहिए।

किसान खेतों में बीज और खाद डालता है तथा पानी से सिंचाई करता है। ऐसी स्थिति में बीज डालने के पहले जिस कृषि भूमि में सिर्फ मिट्टी दिखाई पड़ती थी, उसमें फसल लहलहाने लगती है। यानी फसलों का प्राकट्य हो गया है। इसी तरह किसी वृक्ष के प्राकट्य की आकांक्षा है तो किसी दूसरे वृक्ष के पास ध्यान लगाकर यह प्रार्थना नहीं की जाती, 'हे वृक्ष, मेरी इच्छा के अनुसार एक दूसरा वृक्ष उत्पन्न हो जाए।' इसके लिए जिस तरह के वृक्ष की इच्छा है, उसका बीज लाकर तथा उचित भूमि चयनित कर उसका रोपण करना पड़ेगा और समय-समय पर उसे सिंचित भी करते रहना पड़ेगा। कुछ इसी तरह भगवान के प्राकट्य की प्रक्रिया है। भगवान बाहर की किसी मूर्ति में नहीं, बल्कि शरीर की भूमि के अंतर्तम में विद्यमान पहले से ही रहते हैं।

देश में कम हुई हैं दहेज उत्पीड़न की घटनाएं

मोदी सरकार के दौरान संप्रग सरकार की तुलना में भारत अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। हत्या, दुष्कर्म, दहेज हत्या और दंगे जैसे संगीन अपराधों में 2004 से 2014 के बीच संप्रग सरकार के दौरान 22 फीसद की बढ़ोतरी हुई, जबकि उसके बाद मोदी सरकार के दौरान इसमें 29 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। एनसीआरबी की 'भारत में अपराध 2023' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में दहेज निषेध अधिनियम के तहत 15,489 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 और 2021 में यह संख्या क्रमशः 13,479 और 13,568 थी। आंकड़ों के अनुसार हत्या, दुष्कर्म, दहेज हत्या और दंगे के 1.45 लाख केस 2014 में दर्ज किए गए थे, जबकि 2023 में इनमें केवल 1.02 लाख केस ही दर्ज किए गए, जो 2004 में दर्ज 1.18 लाख केस से भी कम है।

डॉ. ओपी त्रिपाठी
अंबेडकर नगर

इसी हफ्ते एनसीआरबी ने भारत में अपराधों का 2023 की रिपोर्ट जारी की है। 2004 में देश में दुष्कर्म के 18,233 मामले दर्ज किए गए, जो 2014 में दोगुना बढ़कर 36,735 हो गए, जबकि एनडीए सरकार के दौरान अगले नौ सालों में इसमें 19 फीसद की गिरावट आई और 2023 में कुल 29,670 मामले दर्ज किए गए। दहेज हत्या में भी संप्रग सरकार के दौरान 2004 में 7026 की तुलना में 2014 में 8455 मामले दर्ज किए गए, जो 20 फीसद अधिक हैं। वहीं मोदी सरकार के दौरान इसमें 27 फीसद की गिरावट आई और 2023 में दहेज हत्या के कुल 6,156 मामले दर्ज किए गए।

21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। समाज में दहेज के लिए उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य हैं। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिए हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तिकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी।

हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है, जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिए सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं? समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है।

भारत का संविधान समानता के अधिकार की गारंटी देता है और महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने तथा उनके समग्र सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए राज्य द्वारा सकारात्मक हस्तक्षेप का भी प्रावधान करता है। संवैधानिक प्रावधानों में व्यक्त दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, भारतीय दंड संहिता, 1860, दहेज निषेध अधिनियम, 1961, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 और बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 जैसे विभिन्न कानून बनाए गए हैं, जो महिलाओं के समक्ष लैंगिक असमानता, भेदभाव और हिंसा के मुद्दों को संबोधित करते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवन यापन कर सकें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

न हार मानने और न थकने वाले का नाम है

शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा के आधुनिक इतिहास में शाहरुख खान एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने अपने अभिनय के शौक को करियर बनाने के लिए इतनी मेहनत की है कि उनकी सच्ची मेहनत और लगन को न केवल उनको भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का किंग खान बनाया, बल्कि आज वह दुनिया के अरबपतियों की जमात में शामिल होकर उन करोड़ों युवाओं के लिए आदर्श बने हुए हैं, जो यह सपना देखते हैं कि बड़ा कैसे बना जाए किंग कैसे बना जाए।

अरविंद रावल
झबुआ, मध्य प्रदेश

शाहरुख का एक वक्त ऐसा था जब खाने को पैसे नहीं, रहने को घर नहीं था, लेकिन धुन के पक्के दिल्ली के इस लड़के ने अपने अभिनय के लक्ष्य को ही सर्वोपरी मानकर जमीन पर, जो संघर्ष किया है वह पूरी दुनिया ने देखा। यह शाहरुख की मेहनत और उसकी जीवटता का परिणाम था कि वह कभी भी किसी भी परिस्तिथि में अपने लक्ष्य को नहीं भूला और अपनी मेहनत के बूते केस्मत को इस कदर संवारा की सफलता शाहरुख के कदमों से कभी दूर हटी नहीं और देखते ही देखते शाहरुख खान ने आज जो मुकाम हासिल किया है, ह मुकाम हासिल करने के लिए अच्छे-अच्छे सफल सितारे भी रसते हैं। शाहरुख खान आज सिफर से शिखर तक पहुंच गए हैं तो निश्चित ही उनकी इस सफलता में पत्नी गौरी खान के अलावा कई ऐसे लोगों का भी सहयोग है, जिन्होंने शाहरुख के कठिन दौर में हिम्मत बनकर साथ निभाया था। यह शाहरुख का बड़प्पन है कि वह शिखर पर पहुंचकर भी सफर में साथ निभाने वालों को भूले नहीं हैं, बल्कि आज भी शाहरुख का फ्री वक्त सफर के साथियों में ही बीतता है। भारतीय जनमानस शाहरुख खान का इसलिए भी आदर करता है कि अपार सफलता पाने के बाद, उन्होंने अन्य सितारों की तरह अपना परिवार कभी बदलने का विचार नहीं किया है। किंग खान शाहरुख के अरबपति बनने का सफर वाकई नई पीढ़ी के युवाओं के लिए आदर्श है।

बरेली के जतिन फिल्म की शूटिंग के लिए जाएंगे पेरिस

बरेली शहर के कई युवा अभिनय की दुनिया में अपने नाम के साथ-साथ शहर का नाम भी रोशन कर रहें है। प्रियंका चौपड़ा, दिशा पाटनी के बाद शहर का एक और अभिनेता टीवी दुनिया में मजूबत जगह बना चुका है, जिस सितारे की हम बात कर रहे है, वह हैं जतिन सूरी। बरेली में ही पैदा हुए और बरेली से अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद अभिनेता के रूप में अपनी जगह बनाने वाले जतिन बेहद सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। जतिन बताते हैं कि उन्होंने अभिनय के बारे कभी सोचा ही नहीं था, उन्हें खेल में ज्यादा रूचि थी, जिसके बाद वह अपने पिता के व्यापार में साथ देने लगे। 2015 में व्यापार की वजह से दिल्ली गए थे, वहां पर उन्होंने ऑडिशन देते हुए लोगों को देखा तो उन्होंने सोचा क्यों न अभिनय में लक आजमाया जाए। यहीं से उनके जीवन में मोड़ आया और उन्होंने अभिनेता बनने के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया। शुरुआत में जतिन के पापा ने उन्हें रोका, लेकिन उनकी मां और चाची ने उन्हें ऑडिशन के लिए बाहर भेज दिया, जिसके बाद उनके पिता ने भी साथ देना शुरू कर दिया। जतिन को 'बजना चाहिए गाना' से पहला काम 2016 में मिला, जिसके बाद वे अभिनय की दुनिया में आगे बढ़ते गए। जतिन ने छोटे पर्दे पर निमकी मुखिया सीरियल में डायमंड सिंह का अभिनय किया। निमकी मुखिया में काम करने के बाद, उन्हें फेम मिलनी शुरू हो गई। जतिन सोनाक्षी सिन्हा के साथ अकीरा मूवी में भी काम कर चुके हैं। जतिन ने बताया की अनुपमा हर घर में देखने वाला सीरियल है। वह बताते हैं कि कोरोना काल में वह घर पर ही थे, उनकी मां अनुपमा टीवी पर देखती रहती थीं और उनसे बोलतीं कि वह भी इसमें काम कर लें, तब उन्होनें यह कह दिया, जो होगा देखा जाएगा। उसके बाद जनवरी 2025 में अनुपमा में काम करने की बात होती है। अगले ही दिन वे मुंबई चले गए और सीरियल में काम करना शुरू कर दिया। अनुपमा हर घर में देखा जाने वाला सीरियल होने के कारण वह और लोकप्रिय हो गए। जतिन ने बताया कि वह एक फिल्म के प्रोजक्ट पर काम कर रहे हैं। वह जल्द ही मुंबई में आठ दिन की शूटिंग खत्म करके, फिल्म की शूटिंग के लिए पेरिस रवाना होंगे। इसी महीने पेरिस में फिल्म की शूटिंग के साथ दो गानों की शूटिंग भी पेरिस में पूरी करेंगें। सूरी बरेली के युवाओं को संदेश देते हुए कहते हैं कि "आपका कोई भी लक्ष्य है चाहे अभिनय की दुनिया का या कोई भी तो, उस पर दृढ़ निश्चय होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़े सफलता जरूर मिलेगी।"

प्रस्तुति-अभिषेक मिश्रा

किस दुनिया की मोनिका!

मोनिका बेलुची इटैलियन अभिनेत्री हैं। भारत से भी उनका नाता है। रजनीकांत की हाल में रिलीज फिल्म 'कूली' में एक गाना है मोनिका बेलुची... यह गाना दरअसल इसी इटैलियन अभिनेत्री से जुड़ा हुआ है। यूट्यूब पर तमिल गाने की व्यूवरशिप 30 मिलियन पहुंच गई है। मोनिका ने यह गाना देखकर पूजा हेगड़े की तारीफ भी की है। फिल्म में यह गाना पूजा पर ही पिक्चराइज किया गया है। मोनिका बेलुची को कभी सोनिया गांधी की बायोपिक के लिए भी कांटेक्ट किया गया था। बताते हैं कि उन्होंने फिल्म को यह कहते हुए रिजेक्ट कर दिया था कि स्क्रिप्ट अच्छी मिलेगी तो वह जरूर इस फिल्म में काम करेंगी। बहरहाल मोनिका वर्ल्ड सिनेमा में छाई हुई हैं। अपनी मनमोहक अदाओं, बहुमुखी प्रतिभा और शाश्वत आकर्षण के लिए जानी जाने वाली मोनिका ने मॉडलिंग की दुनिया से लेकर सिनेमा जगत तक अमिट छाप छोड़ी है। उनकी यात्रा एक छोटे इतालवी गांव से शुरू होकर वैश्विक मंच तक पहुंची, जहां उन्होंने खुद को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया। *-फीचर डेस्क*

मोनिका अन्ना मारिया बलूची का जन्म 30 सितंबर 1964 को इटली के छोटे से गांव सिट्टा डी कास्टेलो में हुआ था। उन्होंने एक वकील बनने का सपना देखा था और पेरुगिया विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई शुरू की, लेकिन अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए, उन्होंने मॉडलिंग करना शुरू कर दिया, जिसने उनके जीवन को एक नया मोड़ दिया। 1988 में वह मॉडलिंग करियर में आगे बढ़ने के लिए यूरोप के फैशन सेंटर मिलान चली गईं और एलीट मॉडल मैनेजमेंट से जुड़ गईं। अपनी आकर्षक सुंदरता के कारण, उन्होंने जल्द ही डोल्से एंड गब्बाना और डायर जैसे बड़े ब्रांडों के लिए मॉडलिंग की।

मॉडलिंग में शानदार सफलता के बाद, मोनिका ने 1990 के दशक की शुरुआत में अभिनय की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने पहले इतालवी टीवी और फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाईं। उनकी हॉलीवुड में पहली पहचान तब बनी जब उन्होंने फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की फिल्म ब्रैम स्टोकर्स ड्रैकुला (1992) में एक मोहक वैम्पायर दुल्हन की भूमिका निभाई। उनकी अभिनय क्षमता को 2000 की फिल्म मालेना से वैश्विक पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने एक खूबसूरत विधवा की संवेदनशील भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्हें काफी सराहना मिली। यह फिल्म उनकी करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक मानी जाती है, जिसने यह साबित कर दिया कि उनकी प्रतिभा सिर्फ उनकी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। उनकी अन्य उल्लेखनीय यूरोपीय फिल्मों में द अपार्टमेंट (1996) और विवादित, लेकिन कलात्मक रूप से प्रशंसित इरिवर्सिबल (2002) शामिल हैं। मोनिका ने हॉलीवुड में भी कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। द मैट्रिक्स रीलोडेड (2003) और द मैट्रिक्स रिवोल्यूशन्स (2003): इन साइंस-फिक्शन फिल्मों में उन्होंने पर्सेफोन का किरदार निभाया, जिसने उन्हें एक बड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्टार बना दिया। स्पेक्ट्र (2015): जेम्स बॉन्ड श्रृंखला की इस फिल्म में, वह सबसे उम्रदराज 'बॉन्ड गर्ल' बनीं। यह उनकी स्थायी सुंदरता और अभिनय क्षमता का प्रमाण था।

जिंदगी का सफर

आशा पारेख: 70 के दशक की चुलबुली सी अभिनेयी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता आशा पारेख का जन्म 2 अक्टूबर 1942 को मुंबई में एक गुजराती परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम प्राणलाल पारेख और मां का नाम सुधा पारेख था। अपनी मां के प्रोत्साहन से, उन्होंने कम उम्र में ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य की शिक्षा लेना शुरू कर दिया था और उन्होंने भरतनाट्यम में महारत हासिल की। 1952 में मशहूर निर्देशक बिमल रॉय ने उन्हें एक स्टेज शो में नाचते हुए देखा और उन्हें अपनी फिल्म 'मां' में बाल कलाकार के रूप में काम दिया। इसके बाद, उन्होंने फिल्म 'बाप बेटी' (1954) में भी अभिनय किया।

16 साल की उम्र में, उन्होंने फिल्म 'दिल देके देखो' (1959) में शम्मी कपूर के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई और उनके करियर को एक नई दिशा दी। 1960 और 1970 के दशक में उन्होंने कई सफल फिल्में दीं, जिसके कारण उन्हें 'द हिट गर्ल' के नाम से जाना जाने लगा। उनकी प्रमुख फिल्में हैं, 'दिल देके देखो' (1959), 'तीसरी मंजिल' (1966), 'कटी पतंग' (1970), 'कारवां' (1971), 'मेरा गांव मेरा देश' (1971) और 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978)। फिल्म 'कटी पतंग' (1970) में अपनी भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

आशा पारेख ने कभी शादी नहीं की। उन्होंने एक बार खुलासा किया था कि वह निर्देशक नासिर हुसैन से प्यार करती थीं, लेकिन चूंकि वह पहले से शादीशुदा थे, इसलिए वह किसी का घर नहीं तोड़ना चाहती थीं। अभिनय के अलावा, आशा पारेख ने टेलीविजन में भी काम किया। उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस 'आकृति' शुरू किया, जिसके तहत उन्होंने टीवी धारावाहिकों का निर्माण किया। उन्होंने एक गुजराती टीवी सीरियल 'ज्योति' का निर्देशन भी किया था। उन्हें भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए 1992 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2020 में सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2002) उन्हें उनके उत्कृष्ट करियर के लिए दिया गया। वह समाजसेवी भी हैं और उन्होंने मुंबई में एक धर्मार्थ अस्पताल की स्थापना की है, जिसका नाम 'द आशा पारेख अस्पताल' है।

मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार

बहेड़ी क्षेत्र के गांव भौना फार्म में किसान को मारी थी गोली

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचारः किसान पर फायरिंग करने के आरोपी युवक को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में गोली लगी है।

10 अक्टूबर की रात भौना फार्म निवासी गुरनाम सिंह व जैश मोहम्मद के बीच किसी बात को लेकर गाली गलौज फिर मारपीट हो गई। इसी दौरान जैश मोहम्मद ने सतनाम सिंह पर तमंचे से फायर कर दिया।

घायल जैश को ले जाती पुलिस।

गोली उसके पेट में लगी इस पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी जैश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। शनिवार सुबह बहेड़ी पुलिस नौला फार्म के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल से गुज़र रहा एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। आरोप है कि जब पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में जैस के पैर में गोली लग गई और पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

हादसे में पिता-पुत्र घायल

नवाबगंज, अमृत विचार : क्षेत्र के बरखन चौराहे के पास एक हादसे में पिता–पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। विकास कुमार अपने पिता रूप देव निवासी गुलड़िआई, थाना क्योलड़िया के साथ नवाबगंज से एक मरीज को देखकर घर लौट रहे थे।

धूमधाम से निकाली वाल्मीकि शोभायात्रा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचारः शनिवार की देर रात धूमधाम से महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा निकाले जाने पर लगाए पंडाल में मुख्य अतिथि संजय चौहान, राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांति दल के प्रदेश अध्यक्ष देवधर वाल्मीकि ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस दौरान राजू वाल्मीकि, रामपाल वाल्मीकि, राजकुमार, अंकित, मनोज, विजय, राजेश कुमार वाल्मीकि आदि लोग मौजूद रहे।

एक दिन के लिए प्रिंसिपल बनीं नंदिनी और रिया

मीरगंज, अमृत विचारः महिला सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए दिव्य कृपाल इंटर कॉलेज की नंदिनी गंगवार एक दिन के लिए प्रिंसिपल बनी। सेजल चंद्रा उप प्रधानाचार्य बनी, दीक्षा बेलवाल, लक्ष्मी वर्मा, मुस्कान वाल्मीकि अरीजा अमृता चौधरी, दीपांशी गिरि राधिका मौर्य, गायत्री राजपूत सुमन वर्मा और नेहा कोहली सहायक अध्यापक बनीं। इस दौरान प्रधानाचार्य रमेश चंद्र गंगवार भी मौजूद रहे। संत मंगलपुरी इण्टर कॉलेज में कक्षा-11 की छात्रा रिया श्रीवास्तव को एक दिन के लिए प्रधानाचार्या बनने का अवसर हासिल हुआ।

थाना अध्यक्ष बनीं रिदा फातिमा

भमोरा, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर की कक्षा 10 की छात्रा रिदा फातिमा को एक दिन के लिए थाना अध्यक्ष भमोरा बनाया गया। नायब तहसीलदार रजनीश सक्सेना के मार्ग दर्शन में एस ओ भमोरा सनी चौधरी व एसआई रीतू चौधरी ने बुके भेंट कर स्वागत किया। रिदा फातिमा ने महिला डैस, कंप्यूटर कक्ष, आगंतुक रजिस्टर, जनसुनवाई रजिस्टर देखा।

1.5 किग्रा गांजा के साथ दो गिरफ्तार

नवाबगंज। पुलिस ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। चौकी इंचार्ज पुनीत कुमार ने सूचना के आधार पर हरदुआ से नवाबगंज की ओर आ रहे दो युवकों को पकड़ा। बाइक की तलाशी ली तो उसमें से 1 किलो 510 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकडे गये मोनिश उर्फ भूरा निवासी ग्राम सैदपुर गुन्नेजान थाना भोजीपुरा एवं निजाम निवासी गोल मार्केट कस्बा हाफिजगंज हैं।

अभद्र टिप्पणी पर केस

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव भंडसर के मोहम्मद हसन ने इंस्टाग्राम पर भगवान राम को लेकर अभद्र टिप्पणी की। थाना हाफिजगंज में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कई गांवों में फॉगिंग कराई

मीरगंज: शनिवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हुआ। गांव समसपुर में प्रधान आनंद मोहन वर्मा उर्फ गुड्डू और सचिव विशाल कुमार के निर्देशन में अभियान चलाया गया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

पत्रांक 2225/31ए — दि0 03/10/2025

अल्प कालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत द्वारा लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत योग्य ठेकेदारों से प्रतिशत दरों पर बिड आमंत्रित की जाती है। बिड प्रस्तुत करते समय निविदा के आई0टी0बी0 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार बिड अपलोड करें।

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	घरोहर धनराशि (लाख रु0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु सहित)	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
		वर्ष 2025–26 में क्षतिग्रस्त मार्गों की विषेष मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।					
1	पीलीभीत	बण्डा पूरनपुर मार्ग से भगौतीपुर	10.20	1.10	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
2	पीलीभीत	काराबोझ से मौहलिया सम्पर्क मार्ग	12.00	1.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
3	पीलीभीत	पूरनपुर बण्डा मार्ग से कढैया	12.00	1.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
4	पीलीभीत	करैया दुर्जनपुर से कलां निजामपुर।	10.00	1.00	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)
5	पीलीभीत	गोरा रायपुर से केसरपुर कलां।	20.00	2.00	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
6	पीलीभीत	महुआ गुंदे से हरिपुर ता0 चांदुपर सम्पर्क मार्ग।	7.00	0.70	600+225+ GST 18% (Rs. 825+ 149 =Rs 974.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)
7	पीलीभीत	जादोपुर गहलुईया से हरिपुर कला सम्पर्क मार्ग।	6.00	0.60	600+225+ GST 18% (Rs. 825+ 149 =Rs 974.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)
8	पीलीभीत	पीलीभीत बस्ती मार्ग किमी0 42 से गैरतपुर जप्ती मार्ग	8.50	0.90	600+225+ GST 18% (Rs. 825+ 149 =Rs 974.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)
9	पीलीभीत	एन.पी.डी.पी. मार्ग से साहूकारा पूरनपुर देहात क्षेत्र सम्पर्क मार्ग	11.20	1.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
10	पीलीभीत	भगवन्तापुर आनन्दपुर मार्ग से काना टांडा सम्पर्क मार्ग	21.00	2.10	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
11	पीलीभीत	पूरनपुर खटीमा मार्ग से रघुनाथपुर मार्ग	10.00	1.00	600+225+ GST 18% (Rs. 825+ 149 =Rs 974.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
12	पीलीभीत	सिकन्दरपुर माईनर सम्पर्क मार्ग	16.00	1.60	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
13	पीलीभीत	पीलीभीत बस्ती मार्ग से मुजफ्फरनगर	22.40	2.30	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
14	पीलीभीत	बिजलीघर सरवनपुर कालोनी मार्ग से बस्ती मार्ग का शेष भाग	12.00	1.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
15	पीलीभीत	सुल्तानपुर से जगदीशपुर मार्ग	27.00	2.70	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
16	पीलीभीत	सैंदा मोड़ से बागर सपहा होकर चतीपुर–हरीपुर सम्पर्क मार्ग (सोधां से बांगर होते हुये सपहा मार्ग)	33.06	3.40	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
17	पीलीभीत	चंदिया हजारा से कालोनी नं0 6।	32.00	3.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
18	पीलीभीत	टिल्ला न0 4 वन विभाग की चौकी।	32.50	3.30	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
19	पीलीभीत	खुटार सेहरामऊ से जोगराजपुर सम्पर्क मार्ग।	33.80	3.40	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
20	पीलीभीत	घुंघचाई से शारदा कैनाल से कालोनी नं0 08	33.00	3.30	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
21	पीलीभीत	शाहगढ़ सण्डई से शाहगढ़ ग्राम तक	11.00	1.10	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
22	पीलीभीत	पूरनपुर कलीनगर मार्ग से कल्लिया कुरैया तक सम्पर्क मार्ग।	10.00	1.00	600+225+ GST 18% (Rs. 825+ 149 =Rs 974.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)
23	पीलीभीत	पचपेडा गौशाला से प्रसादपुर कासिंग तक सम्पर्क मार्ग	16.15	1.70	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
24	पीलीभीत	शारदा सागर डाम की पहुंच मार्ग से बोदीभूड संपर्क मार्ग	24.00	2.40	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
25	पीलीभीत	पूरनपुर खटीमा मार्ग से मैना कोट – कालोनी तक मार्ग	3.24	0.40	600+225+ GST 18% (Rs. 825+ 149 =Rs 974.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)
26	पीलीभीत	शाहगढ़ सडई मार्ग से बंगला उर्फ मित्रसेन मार्ग	33.75	3.40	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
27	पीलीभीत	शारदा सागर डाम से रमनगरा बाजार तक	7.20	0.80	600+225+ GST 18% (Rs. 825+ 149 =Rs 974.00)	02 माह	A,B,C&D (Civil Work)
28	पीलीभीत	गनिया सहाराई सिरसी भूड़ा गोरख डिब्बी मार्ग	19.80	2.00	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
29	पीलीभीत	अर्जुनपुर सम्पर्क मार्ग।	32.00	3.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
30	पीलीभीत	मल्लपुर से जमुनिया मार्ग	33.75	3.40	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
31	पीलीभीत	पूरनपुर खटीमा मार्ग किमी0 16 से बन्दरबोझ मार्ग	12.00	1.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
32	पीलीभीत	पीलीभीत बस्ती रोड से पिपरिया नवदिया सम्पर्क मार्ग	17.00	1.70	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
33	पीलीभीत	खमरिया दलेलगंज से सुस्वार मार्ग	21.60	2.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
34	पीलीभीत	जहानाबाद रिछा रोड से सेमरखेड़ा बत मार्ग	16.20	1.70	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
35	पीलीभीत	पिपरिया अगरु खरीसा रोड से त फुलहर	30.60	3.10	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
36	पीलीभीत	बिलगवां रोड से देशनगर गौटिया वाया गनेशपुर गौटिया सम्पर्क मार्ग के किमी. 1(200) में आबादी भाग में सी.सी. का कार्य	33.80	3.40	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
37	पीलीभीत	जरा बैंक से सिसैया मार्ग	14.90	1.50	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
38	पीलीभीत	ग्राम माधोपुर में मंजीत सिंह प्रधान के घर से गुरूद्वारा तक	30.00	3.00	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
39	पीलीभीत	मझारा पचपेडा से खजुरिया पचपेडा मार्ग	18.60	1.90	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
40	पीलीभीत	खमरिया दलेलगंज से नवादा दास संपर्क मार्ग	20.70	2.10	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
41	पीलीभीत	मकरन्दपुर ग्राम से पिपरिया दुलई	18.00	1.80	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
42	पीलीभीत	पीलीभीत बस्ती मार्ग से भायपुर के किमी0 1,2 (400) में विशेष मरम्मत का कार्य।	16.80	1.70	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
43	पीलीभीत	गोपालपुर से चंदोखा मार्ग	29.00	2.90	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)
44	पीलीभीत	ग्राम लुकटिहाई से केसरपुर	21.60	2.20	600+300+ GST 18% (Rs. 900+ 162 =Rs 1062.00)	03 माह	A,B,C&D (Civil Work)

3. बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 15.10.2025 से दि0 25.10.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है, जिनकी तकनीकी बिड तद्दिनांक 25.10.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

4. निविदा से सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि
पीलीभीत।

UP-238877 दिनांक 10.10.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

खुली ई–निविदा सूचना संख्या: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T19 Date - 10.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई–निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नाम : इज्जतनगर मंडल के विभिन्न यार्डों में ओएचई व्यवस्था के सेक्शनिंग में सुधार हेतु लूप लाइनों में अतिरिक्त आइसोलेटरों के प्रावधान से संबंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं. SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T19, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: 2,39,16,160.13, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: 2,69,600.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में : 00, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 03.11.2025, 11:00, कार्य पुरा करने की अवधि : 12 माह ● खुली ई–निविदा दिनांक 03.11.2025 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी/ इज्जतनगर

मुजाधि/विद्युत –160

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 10150/413सी0(ई0टेण्डर)–3/2025–26 — दिनांक 29.09.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से स्वीकृति की प्रत्याशा में प्रतिशत दरों पर ई–निविदा दिनांक 14.10.2025 से दिनांक 25.10.2025 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.10.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः–

क्र0 सं0.	कार्य व योजना का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
	वित्तीय वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत के कार्य						
1	जनपद बरेली में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत ग्राम बहेड़ी रम्पुरा (अन्य जिला मार्ग) मार्ग की मरम्मत/सुधार का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	53.20	4.66	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
2	जनपद बरेली में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत नरियावल बिथरीचैनपुर मार्ग से मेहत्तरपुर करोर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत/सुधार का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	119.20	7.96	04 माह	2725.00	ए, बी (मार्ग कार्य)
3	जनपद बरेली में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत ठिरिया निजावत खॉ मार्ग से मनपुरिया दलेल मार्ग सम्पर्क मार्ग की मरम्मत/सुधार का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	174.40	10.72	04 माह	2725.00	ए, बी, (मार्ग कार्य)
4	जनपद बरेली में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत बरेली बागेश्वर मार्ग से अटाकायस्थान से मीरपुर कासमपुर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत/सुधार का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	48.80	4.44	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
5	जनपद बरेली में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत कठर्रा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत/सुधार का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	40.10	4.01	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
6	जनपद बरेली में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत पीलीभीत बरेली मार्ग से डंडिया फैजुल्ला होकर टांडा सादात तक सम्पर्क मार्ग की मरम्मत/सुधार का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	58.30	4.92	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
7	जनपद बरेली में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत हाफिजगंज बाईपास से हरहरपुर मटकली सम्पर्क मार्ग की मरम्मत/सुधार का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	40.10	4.01	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP – 238811 **दिनांकः** 10/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय ग्राम पंचायत भड़सर वि. खं. बिथरीचैनपुर (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत भड़सर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के अंतर्गत कामन सर्विस सेंटर निर्माण हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका सामग्री विवरण निम्नवत् है– ईट, बजरफुट सरिया, सीमेंट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	RGSA/सी.एस.सी. निर्माण कार्य	5 लाख

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 12.10.2025 से आमंत्रित की जाती है दिनांक 19.10.2025 को दिन सोमवार अप. 2 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जी सकती है।

प्रधान — **सचिव**

कार्यालय ग्राम पंचायत चैनामुरारपुर वि. खं. बिथरीचैनपुर (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत चैनामुरारपुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के अंतर्गत कामन सर्विस सेंटर निर्माण हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका सामग्री विवरण निम्नवत् है– ईट, बजरफुट सरिया, सीमेंट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	RGSA/सी.एस.सी. निर्माण कार्य	5 लाख

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 12.10.2025 से आमंत्रित की जाती है दिनांक 19.10.2025 को दिन सोमवार अप. 3 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जी सकती है।

प्रधान — **सचिव**

कार्यालय ग्राम पंचायत कलापुर वि. खं. बिथरीचैनपुर (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत कलापुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के अंतर्गत कामन सर्विस सेंटर निर्माण हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका सामग्री विवरण निम्नवत् है– ईट, बजरफुट सरिया, सीमेंट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	RGSA/सी.एस.सी. निर्माण कार्य	5 लाख

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 12.10.2025 से आमंत्रित की जाती है दिनांक 19.10.2025 को दिन सोमवार सायं 4 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जी सकती है।

प्रधान — **सचिव**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 5368/ई–टेण्डर/25–26 — दिनांक 03.10.2025

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 14.10.2025 से दिनांक 25.10.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.10.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः–

क्रम सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत (लाख रू0) कुल अनुमानित लागत	निविदा की धरोहर धनराशि (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+ जी0एस0टी0 (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
	वित्तीय वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत कार्य						
1	बरेली बागेश्वर मार्ग से अभयपुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	7.00	0.70	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
2	ग्राम कनमन से पुरैनाताल सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	8.80	0.88	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
3	बहेड़ी बंजरिया मार्ग से लहसोई सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	7.00	0.70	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
4	चुबकिया से रामपुर सीमा तक सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	11.20	1.12	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
5	गागू नगला सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	7.20	0.72	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
6	सितारगंज सिंघनखेड़ा किमी0 6 से आमखेड़ा से पण्डरी वीरान माग का मरम्मत व सुधार कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	32.30	3.23	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
7	ढ़किया दुनका से धनेली सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	33.40	3.34	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
8	हौसपुर खात्यान सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	26.10	2.61	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
9	शाही मार्ग से बसावनपुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	12.90	1.29	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
10	फतेहगंज पं0 से भोलापुर पनबड़िया सम्पर्क मार्ग पर पुलिया की मरम्मत एवं मार्ग निर्माण का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	4.70	0.47	767.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
11	न्योधना मार्ग से दनिया नदी तक मुस्ताक के मकान तक सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	23.20	2.32	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
12	शंखापुल मंडोली से धन्तिया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	17.30	1.73	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
13	भिटौरा बहेड़ी से सेवा ज्वालापुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	7.60	0.76	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
14	अग्रास भोजीपुरा के किमी0 5 से दुगीपुर एवं काशीपुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	29.60	2.96	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
15	जनपद बरेली में सोरहा भोजीपुरा अग्रास मार्ग पर बनी पुलिया की मरम्मत का कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	5.00	0.50	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
16	बरेली बीसलपुर मार्ग से ग्राम मनपुरिया जानकी प्रसाद होते हुए ग्राम टंडवा तक सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	23.30	2.33	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
17	कैमुआ कटैया मार्ग से त्रिकुनिया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	15.10	1.51	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
18	एन0एच0 नहर से परसोना सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	15.80	1.58	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
19	रा0जा0–24 से उड़ला जागीर होते हुए पदारथपुर कैनाल पटरी सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	18.00	1.80	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
20	केसरपुर सिसईया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	20.20	2.02	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
21	अलीनगर की पुलिया से भीकमपुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	33.60	3.36	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
22	दोहरिया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	13.20	1.32	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
23	हंसा सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	11.10	1.11	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
24	जटऊपट्टी सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	18.60	1.86	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
25	महेशपुर शिव सिंह सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	12.80	1.28	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
26	भोजीपुरा मार्ग से मझौआ गंगापुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	33.00	3.30	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
27	नौआ नगला से सेलर तालाब सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	14.50	1.45	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
28	बरेली बागेश्वर मार्ग किमी0 16 से पचदौर होते हुए भुजिया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	32.20	3.22	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
29	बरली बागेश्वर मार्ग से अटाकायस्थान से वीरपुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	23.20	2.32	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
30	आटामांडा धौरा से जटुआ सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	27.20	2.72	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
31	बरेली बागेश्वर मार्ग से फरीदापुर जागीर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	20.89	2.08	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
32	धौरा टांडा से मियापुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	2.80	0.28	767.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
33	मुड़िया हाफिज से मजरा गौटिया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	20.60	2.06	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
34	पीपलसाना से खानपुर ढ़ईया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	16.40	1.64	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
35	शाही धौरा से जमुनियाखाता सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	17.00	1.70	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
36	टांडा धनुआ से पखुरनी सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	20.80	2.08	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
37	उदयपुर बन्नौजान से सैदपुर गौटिया सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	27.10	2.70	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
38	ग्राम बरेली बागेश्वर मार्ग से गुलड़िया मो0 हसन सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	18.80	1.88	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
39	रजपुरा माफी से अहलादपुर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	18.60	1.86	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
40	कुम्हरा से हाइवे सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	27.20	2.70	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
41	नवाबगंज दलेलनगर मार्ग से चैना सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	33.70	3.37	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
42	एन0एच0–74 से हरदुआ किफायतउल्ला सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	16.40	1.64	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
43	लाईखेड़ा पंडरी मार्ग से दाबीखेड़ा सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	15.30	1.53	944.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
44	ग्राम मिलक अलीनगर मार्ग से रतना चुन्नी लाल सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	13.20	1.32	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)
45	शाहपुर इनायत उल्ला चन्द्रपुर मार्ग से जोगीठेर सम्पर्क मार्ग	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	6.70	0.67	856.00	दो माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर Login किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0बरेली

UP-238813 दिनांक 10.10.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

प्रयागराज में कला उत्सव का आयोजन कल

अमृत विचार, लखनऊ : नई शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों की कला प्रतिभा को मंच देने के लिए राज्य स्तरीय कला उत्सव 2025 का आयोजन 13 अक्टूबर को सेंट एन्थोनी कान्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज, प्रयागराज में किया जाएगा। इस वर्ष उत्सव का विषय 'विकसित भारत 2047 के भारत की परिकल्पना' निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में 18 मंडलों से चयनित 429 विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।

बुद्ध के अवशेष लेकर रूस पहुंचे केशव मौर्य

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर रूस के काल्मिकिया गणराज्य की राजधानी एलिस्ता पहुंचे, जहां इनका विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर काल्मिकिया के प्रमुख महामहिम बातू सर्जेयेविच खासिकोव, भारत के राजदूत वी कुमार और काल्मिक जनता के उच्च धर्मगुरु शाजिन लामा सहित अनेक भिक्षुगणों ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

एक्सपर्टीज ग्रुप यूपी में करेगा निवेश

अमृत विचार, लखनऊ : सऊदी अरब की प्रतिष्ठित एक्सपर्टीज ग्रुप ने प्रदेश में निवेश की गहरी रुचि दिखाई है। कंपनी के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को राज्य के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' से मुलाकात कर संभावित निवेश योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ज़फर सरेशवाला ने किया। एक्सपर्टीज ग्रुप ने प्रदेश में एक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने की इच्छा जताई है।

किसानों को नई तकनीक से जोड़ने का लक्ष्य

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि विभाग किसानों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं और अनुदान कार्यक्रमों की नई श्रृंखला शुरू कर रहा है। रबी सीजन 2025-26 में सरकार किसानों को 92,518 से अधिक दलहनी मिनी किट वितरित करेगी। साथ ही प्रदेशभर में 8,385 किसान पाठशालाएं चलाकर उत्पादन की नवीन तकनीक से किसानों को जोड़ा जाएगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि नई प्रजातियों के प्रचार-प्रसार और जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए।

दोस्त का सिर काट अलग किया, थाने ले जाते समय दोनों हत्यारे गिरफ्तार

संवाददाता, पलिया कलां

- शराब पीने के दौरान रुपयों को लेकर हो गया विवाद

अमृत विचार: भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के गांव में तीन दोस्तों ने पहले एक साथ बैठकर शराब पी। उसके बाद रुपयों को लेकर विवाद हो गया। इससे गुस्साए दो युवकों ने तीसरे युवक की हत्या कर दी। हत्यारें उसका सिर धड़ से अलग कर थाने ले जाने लगे। इसे देख लोगों में हड़कंप मच गया। रास्ते में पुलिस ने दो आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैलाली के सुक्खड़ जिले के डीएसपी रमेश दत्त अवस्थी ने बताया कि शुक्रवार रात घोड़ाघोड़ी नगर पालिका के वार्ड आठ जरे गांव में एक होटल में कुछ लोग शराब पी रहे थे। इस दौरान होटल मालिक केशर सिंह बुढ़ा और दो युवकों के बीच रुपयों को लेकर विवाद हो गया। स्थानीय गांव निवासी बल बहादुर विक और गंगा बुढ़ा ने सुर्खेत के जुरे गांव निवासी 28 वर्षीय केशर सिंह बुढ़ा की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी।

उसके सिर को धड़ से अलग कर दिया और सिर लेकर थाने जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने रास्ते में उनको गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर शव को कब्जे में लिया है। हत्या करने वालों में बल बहादुर भारत के रत्नागिरि में भी किसी को चाकू मारने के मामले में दो साल की सजा काटकर आया है।

दोनों अभिनेताओं ने युवाओं के साथ साधा सीधा संवाद, डायलॉग भी सुनाए

बनराकस व बेवड़ा आए, आईआईटियंस खिलखिलाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : आईआईटी कानपुर में शनिवार को देशभर से आए युवाओं ने अंतराग्नि में प्रतिभा का जलवा बिखेरा। अक्षर के आयोजन में वेबसीरीज पंचायत' फेम बनराकस और छिछोरे फिल्म के किरदार बेवड़ा ने धूम मचा दी। दोनों किरदारों ने युवाओं से सीधा संवाद स्थापित किया।

दोनों ने युवाओं को जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण टिप्स दिए। खासतौर पर 'यथार्थ या मनोरंजन-आज के दौर में सिनेमा के प्रयोजन' विषय पर विचार भी रखे। संवाद में दोनों के अंदाज ने युवाओं को खूब हंसाया। संगीत, नाटक, नृत्य सहित अन्य आयोजन भी हुए। अमृत विचार अखबार इस युवा महोत्सव का मीडिया पार्टनर है। आईआईटी कानपुर में 'अक्षर' आयोजन के दौरान वेबसीरीज पंचायत बनराकस फेम दुर्गेश कुमार व छिछोरे फिल्म के बेवड़ा सहर्ष शुक्ला शामिल हुए।

दोनो अभिनेताओं ने अपने जीवन परिचय से अवगत कराते हुए युवाओं को अभिनय के क्षेत्र में प्रवेश के किस्से भी बताए। इसके अलावा फिल्म व ओटीटी की तुलना की। दोनों अभिनेताओं ने अपने फेमस संवाद दोहराए। एस्टाम्पी फाइनल और सिंक्रोनिसिटी प्रतियोगिताओं में गीत, संगीत व नृत्य ने सभी को आकर्षित किया। रॉक बैंड प्रतियोगिता में देशभर से आई टीमों ने वेस्टर्न म्यूजिक को बॉलीवुड गीतों में पिरोया।

आईआईटी में आयोजित अंतराग्नि में ईडीएम नाइट में डांस करतीं टैरी मिको।

फैशन का बिखरा जलवा

अंतराग्नि में शाम का शानदार आकर्षण ऋतंभरा फाइनल रहा। जहां ऋतंभरा प्रारंभिक राउंड से चुनी गई पांच टीमों ने प्रतिष्ठित फैशन कार्निवल खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा की। आयोजन के दौरान विभिन्न थीम पर टीमों की ओर से की गई प्रस्तुतियों ने माहौल में आकर्षण भर दिया। पांच फाइनलिस्ट टीमों की ओर से की गई प्रस्तुतियों को निर्णायक मंडल की ओर से परखा गया। देर रात तक मिस्टर और मिस ऋतंभरा के खिताब के लिए प्रतिभागी टीमों से चयन किया जाता रहा।

किशोरों के प्रारंभिक मूल्यांकन के लिए नए दिशा-निर्देश जारी

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जघन्य अपराधों में शामिल किशोरों के प्रारंभिक मूल्यांकन को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए नए दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि किशोर न्याय अधिनियम, अस्पष्ट है और किसी किशोर को वयस्क की तरह मुकदमे में प्रस्तुत करने से पहले उसकी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थिति का विस्तृत परीक्षण आवश्यक है। कोर्ट ने पाया कि निचली अदालतों द्वारा प्रारंभिक मूल्यांकन औपचारिक रूप से किया जा रहा है। कोर्ट ने किशोर न्याय बोर्ड और बाल न्यायालयों को निर्देश दिए हैं कि 16 वर्ष या उससे अधिक आयु के बच्चों के मामलों में मनोवैज्ञानिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से उनके मानसिक और शारीरिक क्षमता, अपराध की समझ आदि का मूल्यांकन किया जाए।

अध्यात्म, आस्था और राष्ट्रीयता ही देश की पहचान : मुख्यमंत्री

गाजीपुर के हथियारान मठ में प्रबुद्धजन संवाद संगम में बोले मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब समाज में जाति या संप्रदाय के नाम पर वैमनस्य फैलाने की कोशिश होती है, तब संत और मठ समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक चेतना, आस्था और राष्ट्रीयता में निहित है। जब तक हर नागरिक इन मूल्यों को जीवन का आधार बनाए रखेगा, तब तक भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को गाजीपुर स्थित सिद्धपीठ श्री हथियाराम मठ परिसर में 'राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता विषयक प्रबुद्धजन संवाद संगम' को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि हमारी सरकार की नीति 'परित्राणाय साधूनां, विनाशाय च दुष्कृताम्' के सूत्र पर आधारित है। सज्जनों का संरक्षण और दुष्ट प्रवृत्तियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस ही हमारा धर्म है। आह्वान किया कि भारत तभी सशक्त बनेगा जब हर नागरिक अपनी आध्यात्मिक चेतना को जागृत रखे। कहा कि आस्था और विकास का संगम ही नया भारत बनाएगा। योगी ने कहा कि यह मठ न केवल अध्यात्म का केंद्र है, बल्कि लोकमंगल और राष्ट्रीय एकता का सशक्त माध्यम भी है। कहा कि राम मंदिर का निर्माण भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में करोड़ों रामभक्तों का संकल्प साकार हुआ है। 2020 में आधारशिला से लेकर 2024 में प्रभु श्रीराम के गर्भगृह में विराजमान होने तक की यात्रा भारत की आस्था, एकता और संकल्प शक्ति की मिसाल है। बताया कि अयोध्या में चारों द्वार चार प्रमुख आचार्यों शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, रामानंदाचार्य और माधवाचार्य के नाम पर रखे गए हैं, जो भारत की विविधता में एकता को दर्शाते हैं।

गाजीपुर के श्री हथियाराम मठ परिसर में आयोजित प्रबुद्धजन संवाद संगम कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अब्दुल हमीद व राम उग्रह के परिजन सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी ने मंच से परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद और महावीर चक्र विजेता राम उग्रह पांडेय के परिजन का सम्मान करते हुए कहा कि गाजीपुर की धरती ने देश को असंख्य वीर सपूत दिए हैं। गहमर गांव देश का सबसे बड़ा सैनिक ग्राम है, जो इस जनपद का गौरव है।

तरसेम हत्याकांड की साजिश के आरोपी बाबा अनूप को मिली जमानत

रुद्रपुर, अमृत विचार : नानकमत्ता गुरुद्वारा के कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड में साजिश के आरोप में घिरे बाबा अनूप सिंह जमानत पर रिहा हो गए और दो दिन पहले हुई रिहाई के बाद रुद्रपुर पहुंचने पर बाबा का समर्थकों ने स्वागत भी किया।

बताते चले कि 28 मार्च 2024 को नानकमत्ता साहिब के डेरा कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की सुबह सवा छह बजे उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिस वक्त वह बाहर बैठे हुए थे। सनसनीखेज हत्याकांड में बाइक सवार तरनतारन पंजाब निवासी अमरजीत सिंह और सर्वजीत सिंह का नाम सामने आया। मामले में दर्जनों अभियुक्तों की गिरफ्तारियां भी हुईं। हत्याकांड के शूटर अमरजीत व सर्वजीत की लंबी फरारी के बाद पुलिस ने दो लाख का इनाम घोषित कर दिया और अप्रैल 2024 को एसटीएफ ने शूटर अमरजीत सिंह को हरिद्वार पुलिस की मदद से मार गिराया, जबकि दूसरे शूटर को कई दिनों बाद गिरफ्तार किया गया। हत्याकांड में नवाबगंज यूपी गुरुद्वारे के डेरा प्रमुख बाबा अनूप सिंह का नाम भी सामने आया, क्योंकि बाबा तरसेम सिंह और बाबा अनूप के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी।

रामपुर में घड़ियाली आंसू बहाने आए थे अखिलेश यादव : मौर्य

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां से मिलने के लिए शनिवार को उनके मीरबाज खां स्थित आवास पर पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य मिलने पहुंचे। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जिस दुर्भावना से योगी सरकार ने उन पर मुर्गी चोरी, बकरी चोरी जैसे घटिया आरोप लगाकर सालों परिवार को जेल में रखा। तब सपा ने कुछ नहीं किया, स्वाभाविक रूप से अखिलेश यादव अब अगर मिलने आए हैं तो केवल घड़ियाली आंसू बहाने के लिए आए थे।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि लंबे अरसे बाद न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के बाद आजम खां बाहर आए हैं। आज वह उनका हालचाल जानने आए हैं। कहा कि आएदिन उनका पेशी पर जाना लगा रहता है जैसे ही वह खाली होंगे हम फिर से उनके साथ बैठेंगे। स्वाभाविक रूप से आजम खां के साथ जो हुआ है वह लोकतंत्र में दाग है। लोकतंत्र में व्यक्तिगत दुश्मनी का कोई स्थान नहीं है। आजम खां समाजवादी पार्टी के वरिष्ठतम नेता हैं। मुलायम सिंह यादव के बाद समाजवादी पार्टी में सबसे वरिष्ठ नेता आजम खां हैं। लेकिन, जब इनपर आफत के पहाड़ टूटे तो समाजवादी पार्टी सड़क पर नहीं आई। कहा कि बहुजन समाज पार्टी ने चार बार उत्तर प्रदेश में सरकार बनाई आज एक विधायक पर आकर खड़ी हो गई, उसका मुख्य कारण यह है कि बहुजन समाज पार्टी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मिशन से दूरी बना ली। कहा कि 9 अक्टूबर को भी मायावती ने कोई नई घोषणा नहीं की। बल्कि, भाजपा की प्रशंसा कर दी। जिसके कारण रैली में आया कार्यकर्ता मायूस होकर गया है। कहा कि मायावती भाजपा की कठपुतली बनकर कार्य कर रही हैं। कहा कि वर्ष 2027 में भाजपा हटाओ प्रदेश बचाओ की नीति पर काम होगा। कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश में जंगल राज बन गया। प्रदेश में 27,700 स्कूल बंद होने जा रहे थे विरोध करने पर सरकार बैकफुट पर आई है।

आजम खां से मुलाकात करते स्वामी प्रसाद मौर्य।

भारत-अफगानिस्तान संबंध और मजबूत होंगे: मुत्ताकी

सहारनपुर, एजेंसी

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने शनिवार को उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भारत-अफगानिस्तान संबंध और मजबूत होंगे। मुत्ताकी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैं इस भव्य स्वागत और यहां के लोगों द्वारा दिखाए गए स्नेह के लिए आभारी हूं। मुझे उम्मीद है कि भारत-अफगानिस्तान संबंध और मजबूत होंगे। हम नए राजनयिक भेजेंगे और मुझे उम्मीद है कि आप लोग भी काबुल आयेंगे।

उन्होंने कहा कि मुझे भविष्य में और मजबूत संबंधों की उम्मीद है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी शनिवार को इस्लामिक मदरसा दारुल उलूम, देवबंद पहुंचे। मुत्ताकी सड़क मार्ग से देवबंद पहुंचे। दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम (कुलपति) अबुल कासिम नोमानी, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और दारुल उलूम के पदाधिकारियों ने दारुल उलूम देवबंद में अफगानी विदेश मंत्री का भव्य स्वागत किया। मुत्ताकी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली से सड़क मार्ग से देवबंद पहुंचे। दारुल उलूम देवबंद के मीडिया प्रभारी अशरफ उस्मानी ने कहा कि हमें अपने संस्थान में उनका स्वागत कर खुशी महसूस हो रही है। मुत्ताकी गुरुवार को छह दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। अफगानिस्तान में चार साल पहले तालिबान द्वारा सत्ता हथियाने के बाद वह भारत आने वाले तालिबान सरकार के पहले वरिष्ठ मंत्री हैं। भारत ने अभी तक अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। मुत्तकी देवबंद के बाद कल आगरा में होंगे। रविवार को अफगान विदेश मंत्री आगरा जाकर ताजमहल के दीदार करेंगे।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमीर खान मुत्ताकी सहारनपुर जिले के दारुल उलूम देवबंद में जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी से मुलाकात करते हुए।

- अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का देवबंद में भव्य स्वागत

महिला पत्रकारों को दूर रखने के निर्देश नहीं थे : देवबंद

लखनऊ/सहारनपुर, एजेंसी : दारुल उलूम देवबंद ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की शनिवार को देवबंद यात्रा की कवरेज से महिला पत्रकारों को दूर रखने के कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। मदरसे का यह स्पष्टीकरण तब आया जब सोशल मीडिया पर खबरें आईं कि मुत्ताकी के दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को लेकर शुक्रवार को हुए हंगामे के बाद, देवबंद में अफगानिस्तान के मंत्री के कार्यक्रम से महिलाओं को फिर से दूर रखा गया। मुत्तकी के दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में महिला पत्रकारों को शामिल न करने पर राजनीतिक विवाद छिड़ गया था। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी अशरफ उस्मानी ने बताया कि महिला पत्रकारों की कार्यक्रम में उपस्थिति के बारे में कहीं से कोई निर्देश नहीं थे। लेकिन कार्यक्रम आखिरी समय में रद्द कर दिया गया।

बागपत में इमाम की पत्नी और दो बेटियों की धारदार हथियार से हत्या

बागपत, एजेंसी : जिले में शनिवार को एक इमाम की पत्नी और दो बेटियों की कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मामले की जांच के लिए पांच टीमों का गठन किया गया है। पुलिस के अनुसार जिले के दोघट थाना क्षेत्र के गांगनौली स्थित बड़ी मस्जिद में तैनात इमाम इब्राहिम की पत्नी इसराना (30), बड़ी बेटी सोफिया (पांच) और छोटी बेटी सुमैया (दो) के शव खून से लथपथ हालत में घर के अंदर मिले हैं। घटना के समय इमाम इब्राहिम किसी काम से देवबंद गए हुए थे। शनिवार दोपहर जब बच्चे मस्जिद में पढ़ने पहुंचे तो उन्होंने तीनों के शव देखे और शोर मचाया। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर थाना दोघट पुलिस, पुलिस अधीक्षक आदि मौके पर पहुंचे।

यूकेएसएसएससी की विवादित परीक्षा निरस्त

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- नए सिरे से तीन माह बाद होगी 21 सितंबर की यह परीक्षा

अमृत विचार: उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) द्वारा 21 सितंबर को आयोजित स्नातक स्तरीय लिखित परीक्षा पेपर लीक होने के प्रकरण के बाद आखिरकार निरस्त कर दी गई।

आयोग के सचिव डॉ. शिव बरनवाल ने शनिवार को परीक्षा निरस्त करने सम्बन्धी आदेश जारी करते हुए कहा कि तीन माह में नए सिरे से यह परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा की जांच को गठित एक सदस्यीय न्यायिक आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) यूसी ध्यानी ने शनिवार सुबह ही अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपी जबकि इससे एक दिन पहले भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री से मिलकर परीक्षा निरस्त करने की मांग की थी। इसके बाद निरस्तीकरण की संस्तुति पर आयोग ने यह निर्णय किया। आयोग के जारी आदेश में कहा गया कि बीती 21 सितंबर को यह लिखित परीक्षा हुई थी। दोपहर करीब 1:30 बजे सोशल मीडिया पर कुछ प्रश्नों के स्क्रीन शॉट वायरल हुए। आयोग की सूचना पर देहरादून के थाना रायपुर में इसका मुकदमा दर्ज कराया गया। 27 सितंबर को सरकार ने इस प्रकरण की जांच के लिए एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। डॉ. बरनवाल के अनुसार, (11 अक्टूबर) को प्राप्त न्यायिक आयोग की अन्तरिम जांच आख्या के अध्ययन के बाद आयोग ने परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए 21 सितंबर को आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया है।

अतीक के बेटे को झांसी जेल पहुंचाने वाला इंस्पेक्टर निलंबित

लखनऊ, अमृत विचार : माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को नैनी सेंट्रल जेल से झांसी जेल पहुंचाने वाले इंस्पेक्टर अशोक कुमार को निलंबित कर दिया गया। इंस्पेक्टर पर नियमों के उल्लंघन करने का आरोप था। इसी आरोप में उनके खिलाफ कार्रवाई कर विभागीय जांच बैठा दी गई है।

नैनी सेंट्रल जेल से झांसी जेल ले जाते समय पुलिस अभिरक्षा के लिए इंस्पेक्टर अशोक कुमार, दो दरोगा और पांच हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई गई थी। इस दौरान अली अहमद ने मीडिया को बयान देते हुए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई थी कि अब न सताया जाए। नियम का उल्लंघन और सुरक्षा में चूक मानते हुए कार्रवाई की गई है। झांसी पहुंचने पर अली ने पुलिस की मौजूदगी मीडिया से बातचीत करते हुए कई बात कही थी।

सियासत राजनीति में दुश्मन का दुश्मन होता है मित्र, बसपा का भाजपा के प्रति सॉफ्ट कार्नर इसी बात का द्योतक

सपा के खिलाफ सख्त और भाजपा पर यूं ही मुलायम नहीं मायावती

विपिन शुक्ला, लखनऊ

अमृत विचार : एक गंवई कहावत है, 'हाथी केतनव दुबराई पड़वा भरि तो रहिबय करी'। बसपा को राजनीति में थका मान लेने वाले राजनीतिक पंडित कदाचित यह बात भूल गए थे। बीते नौ अक्टूबर को कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ में हुई रैली में जुटी भीड़ ने यह जता दिया कि यूपी की राजनीति में हाथी की चाल "मदमस्त" ही रहेगी। रैली में बसपा प्रमुख के भाषण ने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा पर उनकी राय सकारात्मक रहेगी। सपा के खिलाफ आक्रामक बनी रहेगी। वैसे भी, माना जाता है कि राजनीति में दुश्मन का दुश्मन मित्र ही होता है। बसपा का भाजपा के प्रति "साफ्ट कार्नर" इसी बात का द्योतक।

राजनीति में गुणा-गणित की बात करें तो कुछ उदाहरण इस तथ्य को बलवती भी करते हैं। वर्ष 1991 के लोकसभा चुनाव में कांशीराम इटावा से बसपा के प्रत्याशी थे, सपा ने रामसिंह शाक्य को मैदान में उतारा था। लेकिन भाजपा को हराने के लिए मुलायम सिंह यादव ने अपने अधिकृत प्रत्याशी की बजाय कांशीराम को जितवाया था। फिर वर्ष 1993 में भाजपा को प्रदेश की सत्ता से बाहर करने के किये सपा-बसपा का गठबंधन हो गया था। तब नारा दिया गया था "मिले मुलायम कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम"। श्रीराम का तात्पर्य तब मनुवादियों यानी सवर्णों से था। फिर घटनाक्रम बदले और नारों की गरमी कम होने के साथ विचारधारा में भी नरमी आने लगी। "ब्राह्मण, ठाकुर बनिया छोड़ बाकी सब हैं डीएस-फोर" का नारा देने वाले कांशीराम के अनुयायी "हाथी नहीं गणेश हैं, ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं" के नारे तक पहुंच गए। हाथी जब गणेश हुए तो बसपा का वोट प्रतिशत उसके अब तक के इतिहास में सर्वोच्च पर पहुंच गया था। 30.43 प्रतिशत वोट के साथ बसपा ने अकेले दम 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। सत्ता में आने के बाद बसपा के कुछ मंत्रियों व मायावती के आक्रामक व्यवहार ने भी पार्टी को क्षति पहुंचाया। यही कारण रहा कि वर्ष 2012 के चुनाव में 80 सीटों पर सिमटी बसपा सत्ता से तो बाहर हो गई। लेकिन उसका वोट प्रतिशत 25.91 रहा था, जो 224 सीटें जीतने वाली सपा से 4.24 प्रतिशत ही कम था। वर्ष 2019 के चुनाव में बसपा 22.23प्रतिशत वोट लेने के बावजूद 19 सीटों पर सिमट गई। वर्ष 2022 के चुनाव में बसपा केवल एक सीट ही जीत पाई, उसका वोट प्रतिशत 12.88 तक सिमट गया। बसपा के प्रत्याशियों के जातिगत वोट निकल दें तो पार्टी का वो कोर वोटर 38 वर्ष बाद भी उसके साथ मजबूती से डटा रहा जो उसके पहले विधानसभा चुनाव में साथ था। 14 अप्रैल 1984 में बनी बसपा ने वर्ष 1989 में अपना पहला विधानसभा-लोकसभा चुनाव लड़ा था। तब बसपा को 9.41 प्रतिशत वोट के साथ विधानसभा की 13 सीटें मिली थीं। तब बसपा मनुवाद के खिलाफ मुखर थी। जो मतदाता बसपा के साथ वर्ष 2022 मे जुड़ा रहा, वह अभी भी उसी विचारधारा का है और भाजपा को मनुवादी पार्टी ही मानता है। यही मतदाता वर्ष 2024 के चुनाव में भाजपा को हराने के लिए सपा -कांग्रेस की ओर चला गया था। सनातनी दलितों और पिछड़ों का बड़ा वर्ग भाजपा के साथ आ गया। सवर्णों और इन्ही सनातनी दलितों-पिछड़ों के दम पर भाजपा ने 39.67 प्रतिशत वोट लेकर 312 सीटें जीती थी। जबकि वर्ष 1991 की राम लहर में भी उसे 31.5 प्रतिशत वोट के साथ उसे 221 सीटें ही मिली थीं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत तो बढ़कर 41.29 पर पहुंच गया, लेकिन सीटें घटकर 255 रह गईं। मुस्लिम वर्ग वर्तमान में सपा की बड़ी ताकत है। बसपा की नजर इसी वर्ग के मत प्राप्ति की ओर है। मायावती भाजपा के प्रति यूं ही नरम नहीं दिख रहीं। वह बखूबी जानती हैं कि जिस तरह भाजपा को हराने के लिए मुस्लिम वर्ग उनके साथ आ सकता है तो सपा को रोकने के लिए भाजपा का सनातनी मतदाता भी उनसे जुड़ सकता है।

फ्रॉड: उच्च शिक्षा वीजा के नाम पर हड़पे दस लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

- कबूतरबाज के जाल में फंसे दो युवक, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक बार फिर दो युवक कबूतरबाजों के जाल में फंस गए और दस लाख रुपये की रकम को गवां बैठे। आरोप था कि कबूतरबाज ने उच्च शिक्षा वीजा के नाम पर धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव पिपलिया थाना सितारगंज निवासी गुरप्रीत सिंह और मनवीर सिंह ने बताया कि वह इंग्लैंड जाकर उच्च शिक्षा की पढ़ाई करना चाहते थे और इसके लिए गांव चिचौली राजपुरा, मिलक, रामपुर यूपी निवासी गुरमुख सिंह से संपर्क किया। जो कि आवास विकास स्थित कार्यालय में बैठता है। बताया कि अभियुक्त ने अपने सहायक पवनदीप सिंह से बातचीत की और 17.80 लाख रुपये का खर्च बताया। चार अक्टूबर 2023 तक 15 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया। जब वीजा नहीं बना और पैसा वापस मांगा का दबाव बनाया। तो अभियुक्त ने फर्जी चेक थमा दिया और अभियुक्त की पत्नी सिमरनजीत कौर ने वास्तविक दस्तावेज भी नहीं दिए। दबाव बनाने पर कुछ धनराशि वापस भी की लेकिन अभी भी दस लाख की धनराशि बकाया है। ज्यादा तगादा करने पर धमकी व अभद्र व्यवहार किया जा रहा है।

एनआरआई निवेश को आसान बनाना सेबी का मुख्य लक्ष्य

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि प्रवासी भारतीयों के लिए भारतीय बाजारों में निवेश को सुविधाजनक बनाना पूंजी बाजार नियामक का एक प्रमुख लक्ष्य है। नियामक ऐसे उपायों पर विचार कर रहा है, जिससे अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) को केवाईसी आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए अपने देश की यात्रा न करनी पड़े।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 12 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2550, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना–(प्रतिकु.) हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000–17000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 7000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल–(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन–मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800–13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7550–8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 9500–11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000–11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200–9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800–10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी– डालमियां 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

बिजीनेस ब्रीफ

दिल्ली में एनीमेशन नीति पर काम जारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग और कॉमिक्स क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए एक नीति तैयार कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य शहर की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर बनाना है।

वित्तीय नीतियों के कारण भारत बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने में सक्षम

पुणे में आयोजित काले स्मारक व्याख्यानमाला में बोले आरबीआई के पूर्व गवर्नर दास

पुणे, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत मजबूत घरेलू मांग और सतर्क व्यापक आर्थिक तथा वित्तीय नीतियों के दम पर वैश्विक जीडीपी वृद्धि में लगभग पांचवें हिस्से का योगदान करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि इन नीतियों की वजह से भारत ने बाहरी आर्थिक संकटों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता वार्ता में भारत की अंतर्निहित प्राथमिकता

शक्तिकांत दास।

भारतीय लोगों के सर्वोत्तम हित में निष्पक्ष और संतुलित समझौते सुनिश्चित करना है।

दास ने कहा कि अनिश्चित वैश्विक परिवेश के बीच भारत उल्लेखनीय गतिशीलता और लचीलापन प्रदर्शित कर रहा है। दास ने पुणे स्थित गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स के दीक्षांत समारोह के दौरान 'बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था' विषय पर 85वें

देश ने कई वैश्विक चुनौतियों का किया सामना

दास ने कहा कि एक दशक के संरचनात्मक सुधारों और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत रणनीतिक वैश्विक स्थिति के बीच देश ने कई वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत घरेलू मांग और विवेकपूर्ण व्यापक आर्थिक एवं वित्तीय नीतियों ने देश को कई बाहरी झटकों का सामना करने में सक्षम बनाया है। भारत अब वैश्विक जीडीपी वृद्धि में लगभग पांचवें हिस्से का योगदान करने के लिए तैयार है।

काले स्मारक व्याख्यान के दौरान यह बात कही। दास ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व अनिश्चितता और बुनियादी बदलाव के दौर से गुजर रही है।

उन्होंने कहा कि आठ दशकों से अधिक समय से वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने वाला नियम-आधारित व्यापार ढांचा चुनौती का सामना कर रहा है। दास ने कहा कि वैश्विक व्यापार के संदर्भ में पहले यह माना जाता था कि दुनिया समतल है और इसे एक बाजार बनाना चाहिए, लेकिन अब यह स्थिति बदल चुकी है।

उन्होंने कहा कि हालात बुनियादी रूप से बदल गए हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार व्यवस्था काफी हद तक खंडित हो चुकी है। स्थापित नियमों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं, जबकि नए मानदंड अभी तक दृढ़ता से स्थापित नहीं हुए हैं। कोविड महामारी और यूक्रेन-रूस संघर्ष ने आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी लाई है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरी के कारण कई राष्ट्रों को अपनी बाहरी निर्भरता पर पुनर्विचार करना पड़ा है तथा लागत दक्षता की तुलना में आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को अधिक महत्व देना पड़ा है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता अब एक शीर्ष प्राथमिकता है। यह परिवर्तन क्षेत्रीय व्यापार समझौतों के बढ़ते प्रभाव में भी स्पष्ट है, जो अधिक खंडित फिर भी व्यावहारिक व्यापार गठबंधनों की ओर बदलाव को दर्शाता है।

दूरसंचार नेटवर्क को खुद ही ठीक करने में सहायक होगा एआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बोले दूरसंचार सचिव मित्तल**

दूरसंचार विभाग के सचिव नीरज मित्तल ने शनिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) दूरसंचार नेटवर्क को अपने आप ठीक करने में सहायक होगी और ग्राहक सेवाओं में सुधार लाएगी। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में मित्तल ने कहा कि सरकार तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया के साथ तालमेल बनाए रखने और आईटीयू (अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) के साथ मिलकर एक संगठित प्रतिक्रिया देने की कोशिश कर रही है, ताकि यह देखा जा सके कि एआई और दूरसंचार विकास को कैसे सकारात्मक रूप से समन्वित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम 5जी से 6जी की तरफ बढ़ रहे हैं, कृत्रिम मेधा (एआई) का बहुत बड़ा काम होगा।

नीरज मित्तल।

यह नेटवर्क में बुद्धिमता को बेहतर बनाएगी, अपने आप ठीक होने में मदद करेगी, और एआई के पुराने तरीके से नए और बेहतर तरीके पर ले जाएगी।

एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज बना विजेता : बेंगलुरु की डीपटेक कंपनी एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज ने स्टार्टअप वर्ल्ड कप इंडिया के पहले संस्करण में जीत हासिल की है। दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में चार दिवसीय इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के अंतिम दिन आयोजकों ने इसकी घोषणा की। डॉ. नेहा साटक और डॉ. प्रसाद एचएल भट द्वारा स्थापित एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज 5जी रोलआउट और ग्रामीण कनेक्टिविटी से जुड़े बुनियादी ढांचे में बदलाव ला रही है। कंपनी को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के अलावा सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होने वाले वैश्विक समापन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी मिलेगा। गत 08 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के नौवें संस्करण का उद्घाटन किया था।

उपयोग में सतर्कता जरूरी

नेटवर्क के हर हिस्से में एआई कई काम खुद करेगी और इससे ग्राहक सेवा भी बेहतर होगी। दूरसंचार उद्योग के जानकारों के अनुसार, 6जी परीक्षण के 2028 में शुरू होने की उम्मीद है और इसका व्यावसायिक उपयोग शुरू होने में कुछ और समय लगेगा। मित्तल ने कहा कि जहां एआई का उपयोग अच्छे कामों के लिए हो रहा है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल का भी खतरा है। इसलिए, तकनीक के सही उपयोग के लिए सतर्क रहना जरूरी है।

नौ वैश्विक निकायों ने दिल्ली घोषणापत्र पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हस्ताक्षर करने वालों में भारत 6जी गठबंधन भी शामिल**

सरकार समर्थित भारत 6जी गठबंधन ने नौ अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ मिलकर दिल्ली घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो 6जी पारिस्थितिकी तंत्र के सिद्धांतों का समर्थन करता है। इसमें 6जी प्रौद्योगिकी को सुरक्षित, खुला, लचीला, समावेशी और टिकाऊ बनाने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

दिल्ली घोषणापत्र को 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भारत 6जी संगोष्ठी 2025 में जारी किया गया। भारत 6जी गठबंधन के महानिदेशक आरके पाठक ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया भर में 6जी अनुसंधान में तेजी आ रही है, यह घोषणापत्र विश्वसनीय तकनीकों, खुले मानकों और टिकाऊ नेटवर्क विकसित करने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। भारत 6जी गठबंधन को इन साझा सिद्धांतों में वैश्विक 6जी गठबंधनों के साथ होने पर गर्व है।

नेक्स्टजी एलायंस, 6जी स्मार्ट नेटवर्क्स एंड सर्विसेज, फिनलैंड की ओउलू यूनिवर्सिटी का 6जी फ्लैगशिप, दक्षिण कोरिया स्थित 6जी फोरम, 6जी ब्रासिल, एनजीएमएन, जर्मनी स्थित 5जी एलायंस फॉर कनेक्टेड इंडस्ट्रीज एंड ऑटोमेशन, यूके इंडिया फ्यूचर नेटवर्क्स इनिशिएटिव, यूकेटीआईएन, जापान का एक्सजी मोबाइल, ईएसए यूरोप और भारत के टीएसडीएसआई तथा नैसकॉम घोषणापत्र का हिस्सा हैं।

समुद्री कृषि उत्पादन बढ़ाने की जरूरत : ग्रिंसन जॉर्ज

कोच्चि। देश की तेजी से बढ़ती समुद्री खाद्य मांग को पूरा करने के लिए समुद्री कृषि उत्पादन को मौजूदा 1.5 लाख टन से बढ़ाकर 2047 तक 25 लाख टन करने की आवश्यकता है। केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) के निदेशक ग्रिंसन जॉर्ज ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र में समुद्री कृषि अगली बड़ी घटना है।

सीएमएफआरआई ने जॉर्ज के हवाले से कहा कि समुद्री मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए केज कल्चर और एकीकृत बहुपोषी जलीय कृषि जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। वह सीएमएफआरआई में मत्स्य किसानों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के अवसर पर आयोजित किया गया। जॉर्ज ने कहा कि भारत वर्तमान में समुद्री मत्स्य पालन से सालाना औसतन 35 लाख टन का उत्पादन करता है।

मोदी ने क्वालकॉम के सीईओ से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दोनों में एआई और नवाचार पर हुआ विचार-विमर्श**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की चिप विनिर्माता कंपनी क्वालकॉम के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टियानो आर. अमोन से मुलाकात की और कृत्रिम मेधा (एआई) और नवाचार में भारत की प्रगति पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि क्रिस्टियानो आर. अमोन के साथ यह एक बेहतरीन बैठक थी। इसमें एआई, नवाचार और कौशल विकास में भारत की प्रगति पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत के सेमीकंडक्टर और एआई मिशनों के प्रति क्वालकॉम की प्रतिबद्धता देखकर बहुत अच्छा लगा।

भारत ऐसी प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए बेजोड़ प्रतिभा और व्यापकता प्रदान करता है, जो हमारे सामूहिक भविष्य को आकार देंगी।

अमोन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत एआई और भारत सेमीकंडक्टर मिशनों के समर्थन में क्वालकॉम और भारत के बीच व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ 6जी में बदलाव पर शानदार बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद। अमोन ने कहा कि हम एआई स्मार्टफोन, पीसी, स्मार्ट ग्लास, वाहन, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के अवसरों से उत्साहित हैं।

नई दिल्ली में क्वालकॉम के सीईओ और अध्यक्ष क्रिस्टियानो अमोन से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

राष्ट्रीय

डिजिटल युग में लड़कियां सबसे ज्यादा असुरक्षित

सीजेआई गवई ने ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी, डिजिटल स्टॉकिंग और डीपफेक तस्वीरों पर चिंता जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और 'डिजिटल स्टॉकिंग' के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा और डीपफेक तस्वीरों के कारण देश में लड़कियों के विशेष रूप से संवेदनशील स्थिति में होने को लेकर चिंता जाहिर की।

उन्होंने इस संदर्भ में विशेष कानून बनाए जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों व नीति निर्धारकों को विशेष प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया। डिजिटल स्टॉकिंग इंटरनेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके किसी व्यक्ति को परेशान करना, धमकाना या

- **कहा- तकनीक सशक्तीकरण नहीं शोषण का जरिया बनी, इसके लिए पुलिस को खास ट्रेनिंग जरूरी**

उसका पीछा करने को कहते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने यूनिसेफ, भारत के सहयोग से उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति (जेजेसी) के तत्वावधान में आयोजित बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में अपनी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि संवैधानिक और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश भर में अनेक बालिकाओं को अब भी उनके मौलिक अधिकारों और यहां तक कि जीवन-निर्वाह के बुनियादी साधनों से भी वंचित रहना पड़ रहा है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और हानिकारक प्रथाओं तथा अन्य गंभीर जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल उसके शरीर की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उसकी आत्मा को मुक्त करना है।

एक ऐसा समाज बनाना जहां वह सम्मान के साथ अपना सिर ऊंचा रख सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों। हमें उन गहरी जड़ें जमाए हुए पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का सामना करना होगा और उन पर विजय प्राप्त करनी होगी जो लड़कियों को उनके उचित स्थान से वंचित करते हैं।

सुरक्षा का सपना तब तक अधूरा जब तक कोई भी लड़की भय में रहेगी

रवींद्रनाथ टैगोर की कविता व्हेयर द माइंड इज विदाउट फियर को याद करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि इसमें बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जो कुछ हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है, उसका सार समाहित है। उन्होंने कहा, यह सपना तब तक अधूरा रहेगा जब तक हमारे देश में कोई भी लड़की भय में रहेगी – हिंसा के भय में, भेदभाव के भय में, या सीखने और सपने देखने के अवसर से वंचित होने के भय में।

लड़कियों को न सिर्फ बचे रहना चाहिए बल्कि फलना-फूलना भी चाहिए : जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी वी नागरत्ना ने कुछ राज्यों में कथित कन्या भ्रूण हत्या के कारण बिगड़ते लिंगानुपात पर शनिवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि लड़कियों को न केवल बचे रहना चाहिए बल्कि उन्हें फलना-फूलना भी चाहिए।

वह 'यूनिसेफ इंडिया' के सहयोग से उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति (जेजेसी) द्वारा आयोजित ''बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उनके लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण की ओर विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक परामर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। न्यायमूर्ति नागरत्ना भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की मौजूदगी में कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर जेजेसी के सदस्य न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और शीर्ष न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भारत में एक युवा लड़की को केवल तभी वास्तविक रूप से समान नागरिक माना जा सकता है, जब वह अपने पुरुष समकक्षों की तरह स्वतंत्र रूप से कुछ भी हासिल करने की आकांक्षा रख सके। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो, उसके पैदा होने की संभावना, सही पोषण, देखभाल, शिक्षा और भौतिक संसाधनों तक उसकी पहुंच, सुरक्षित और संरक्षित वातावरण, स्वयं के बारे में एक अलग भावना का विकास और वह जो कुछ भी हासिल करने का मन बनाती है।

प. बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

कोलकाता, एजेंसी

- **ओडिशा की है छात्रा, तीन लोगों ने रास्ता रोक की दरिंदगी**

ओडिशा की मेडिकल की छात्रा के साथ पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में तीन अज्ञात लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। यह घटना शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर उस समय घटी जब द्वितीय वर्ष की छात्रा अपने मित्र के साथ रात्रि भोज के लिए बाहर गई थी। वारदात के दौरान छात्रा दोस्त उसे छोड़कर भागा निकला।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि छात्रा नजदीकी अस्पताल में उपचाराधीन है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि पीड़िता ने पुलिस को अपना बयान दे दिया है। परिजन की शिकायत के आधार पर हमने जांच शुरू कर दी है। छात्रा के माता-पिता ने कहा कि वे अपनी बेटी के दोस्तों का फोन आने के बाद शनिवार सुबह दुर्गापुर पहुंचे। छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात करीब 10 बजे उसकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

फोन छीनकर छात्रा को ले गए जंगल

आरोपियों ने छात्रा का फोन छीन लिया और कैंपस के बाहर जंगल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसे धमकी दी गई कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बता दें कि पिछले साल आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म-हत्या मामले के बाद हुई इस घटना के बाद, विपक्षी भाजपा ने दावा किया कि ममता बनर्जी के शासन में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है।

रिलायंस पावर के सीएफओ को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **फर्जी बैंक गारंटी से जुड़े पीएमएलए मामले में हुई कार्रवाई**

ईडी ने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) को 68 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़े धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया है। ईडी ने अशोक पाल से पूछताछ करने के बाद उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत शुक्रवार रात हिरासत में ले लिया।

पाल को शनिवार को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और दो दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद 13 अक्टूबर को उन्हें विशेष पीएमएलए अदालत में पेश करेगी। यह मामला सूचीबद्ध कंपनी रिलायंस पावर की सहायक कंपनी रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड की ओर से सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को जमा की गई 68.2 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी से संबंधित है, जो फर्जी पाई गई। यह कंपनी पहले महाराष्ट्र एनर्जी जनरेशन लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी।

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि : वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारतीय रेलवे निम्न और मध्यम आय वर्ग के लिए परिवहन का प्राथमिक साधन है, इसलिए सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनके लिए सुविधाएं बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वैष्णव ने यह बात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए नवनिर्मित स्थायी प्रतीक्षास्थल का निरीक्षण करने के बाद कही। यात्री सुविधा केंद्र नामक इस स्थायी प्रतीक्षास्थल को किसी भी समय 7,000 यात्रियों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है। वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा और सुविधाएं भारतीय रेलवे के लिए सर्वोपरि हैं, इस तरह की कई पहलों को लागू किया जा रहा है।

मुंबई में तस्करी गिरोह से 10.5 किलो सोना जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी

- **डीआरआई ने की विदेशियों सहित 13 लोगों की गिरफ्तारी**

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने गोपनीय जानकारी के आधार पर ''ऑपरेशन गोल्डन स्वीप'' अभियान के विदेशी नागरिकों, मुंबई में हवाई अड्डा कर्मचारियों और एक अंतर्राष्ट्रीय सोना तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है।

डीआरआई की ओर से शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार इस अभियान में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय (सीएसएमआई) हवाई अड्डे पर 10.488 किलोग्राम का विदेश से लाया जा रहा 24 कैरेट का सोना जब्त किया गया, जिसका मूल्य लगभग 12.58 करोड़ रुपये है। इस अभियान में डीआरआई ने मुंबई में गिरोह के 13 लोगों को गिरफ्तार किया जिनमें दो बांग्लादेशी, छह श्रीलंकाई नागरिक, मीट-एंड-ग्रीट सेवा के दो हवाई अड्डे के कर्मचारी, दो हैंडलर और तस्करी का मुख्य साजिशकर्ता भी शामिल है।

जांच से पता चला कि एक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह में शामिल व्यक्ति सिंगापुर, बैंकॉक और ढाका से अपने शरीर के अंदर अंडे के आकार के मोम के कैप्सूल में सोना छिपाकर ले आते थे। मुंबई पहुंचने पर ये आगे की यात्रा करने वाले यात्री तस्करी किया हुआ सोना अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान क्षेत्र में हवाई अड्डे के कर्मचारियों को सौंप दिया करते थे। वे कर्मचारी ने हवाई अड्डे परिसर से सोने को मास्टरमाइंड के साथ समन्वय करने वाले हैंडलरों और रिसीवरों को सौंपते थे।

आईपीएस खुदकुशी के मामले में एसपी रोहतक का तबादला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने शनिवार को रोहतक के पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र बिजारनिया को हटा दिया। बिजारनिया उन पुलिसकर्मियों में से एक हैं जिनके खिलाफ आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की पत्नी ने कथित तौर पर पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में कार्रवाई की मांग की थी। वहीं विपक्ष ने कहा कि कुमार के परिवार को न्याय नहीं मिल रहा है।

आईपीएस 2001 बैच के अधिकारी वाई पूरण कुमार (52) ने मंगलवार को यहां सेक्टर 11 में स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। कुमार ने सुसाइड नोट में कुछ अधिकारियों का नाम लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

कफ सिरप : जांच में औषधि विभाग की चूक सामने आई

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कांचीपुरम स्थित विनिर्माता के खिलाफ की गई जांच में तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि विभाग (टीएनएफडीए) द्वारा बुनियादी नियामक मानदंडों को लागू करने में चूक सामने आई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा 2011 में लाइसेंस प्राप्त श्रीसन फार्मा ने अपने खराब बुनियादी ढांचे राष्ट्रीय औषधि सुरक्षा नियमों के उल्लंघनों के बावजूद एक दशक से बिना रोक-टोक के संचालन जारी रखा।

दिल्ली में कोल्ड्रिफ की बिक्री पर प्रतिबंध

नई दिल्ली/भोपाल। दिल्ली सरकार ने मानक गुणवत्ता के नहीं होने के कारण कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, खरीद और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, मध्यप्रदेश के हजारों सरकारी चिकित्सकों ने दूषित कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ' से 22 बच्चों की मौत के मामले में एक चिकित्सक की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए विरोध दर्ज कराया। चिकित्सकों ने कहा कि डॉ. प्रवीण सोनी को बलि का बकरा बनाया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल: राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल अस्पताल में भर्ती

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को शनिवार को अचानक स्वास्थ्य समस्याएं उभरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल सामान्य है। राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने पर 80 वर्षीय पौडेल को काठमांडू के मनमोहन 'कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर ट्रांसप्लांट सेंटर' में भर्ती कराया गया। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति ने अचानक तेज सिरदर्द और उल्टी की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तुरंत एमसीवीटीसी ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सक पौडेल की स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रहे हैं और फिलहाल उनकी हालत सामान्य है। पौडेल को शनिवार सुबह जेन जी समूह के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करनी थी, जिनमें से लगभग 20 बातचीत के लिए राष्ट्रपति कार्यालय पहुंच चुके थे।

कनाडा की विदेश मंत्री आज से भारत दौरे पर

नई दिल्ली। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की रविवार से शुरू होने वाली भारत यात्रा के दौरान दोनों देश व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा के क्षेत्रों में 'रणनीतिक' सहयोग की रूपरेखा तय करने पर विचार करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि आनंद, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ व्यापक चर्चा करेंगी। इस चर्चा में विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आनंद की तीन देशों की यात्रा में भारत उनका पहला पड़ाव होगा। इस यात्रा के दौरान वह सिंगापुर और चीन भी जाएंगी। कनाडा ने एक बयान में बताया कि आनंद नई दिल्ली में जयशंकर और गोयल से मुलाकात करेंगी।

सूडान : अर्धसैनिक बल के हमले में 53 की मौत

काहिरा। सूडानी अर्धसैनिक बलों द्वारा दारफुर शहर में एक आश्रय स्थल पर किए गए हमले में 14 बच्चों सहित कम से कम 53 लोग मारे गए। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने बताया कि अल-फशर शहर पर हुए हमले में पांच बच्चों और सात महिलाओं सहित 21 अन्य लोग घायल हो गए। उसने बताया कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज द्वारा किया गया हमला अल-अरकम शिविर पर हुआ, जहां उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-फशर में विस्थापित परिवारों को आश्रय दिया गया था।

अमेरिका : फुटबॉल मैच के बाद हुई गोलीबारी में 4 लोग मारे गए

हिडेलबर्ग, एजेंसी

● मिसिसिपी के स्कूल ने पूर्व छात्रों के लिए आयोजित किया था मैच

अमेरिका के मिसिसिपी डेल्टा क्षेत्र के लेलैंड में हाई स्कूल में पूर्व छात्रों के लिए आयोजित फुटबॉल मैच के बाद हुई गोलीबारी में चार व्यक्ति मारे गए। इसके अलावा करीब 12 लोगों के घायल होने की खबर है। गोलीबारी से यहां मौजूद भीड़ में भगदड़ मच गई।

यह जानकारी सीनेटर डेरिक सिमंस ने दी। क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले सिमंस ने बताया कि गोलीबारी मिसिसिपी के छोटे से नगर लेलैंड के शहरी क्षेत्र में हुई, जहां लोग खेल के बाद एकत्र हुए थे। क्षेत्र के सीनेटर सिमंस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए चार अन्य पीड़ितों को पहले ग्रीनविले के एक अस्पताल ले जाया गया और फिर उन्हें प्रांत की राजधानी जैक्सन के एक बड़े अस्पताल ले जाया गया। सिमंस ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि यह जानकारी सही है, क्योंकि यह मामले की जांच कर रहे वाशिंगटन काउंटी शेरिफ कार्यालय तथा अन्य कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई है।

मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकार बाहर

दुनिया में महिला अधिकार

छह दिन की भारत की यात्रा पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को न बुलाया जाना भारत में राजनीतिक मुद्दा बन गया है। इसके साथ ही महिला अधिकारों की स्थिति पर नई बहस शुरू हो गई है। पूरी दुनिया के लिहाज से देखा जाए तो कम ही देश हैं जहां महिलाओं को पूरी तरह बराबरी का दर्जा हासिल है। कई देशों में महिलाओं की स्थिति काफी दयनीय है और उनमें अफगानिस्तान का नाम सबसे ऊपर आता है जहां तालिबानी शासन ने उनकी जिंदगी और ज्यादा नर्क बना दी है। अफगानिस्तान के अलावा कई और देश हैं जहां महिलाओं को सैकड़ों साल पुरानी कुरीतियों से जूझना पड़ रहा है। इनमें कई देश अफ्रीकी हैं या उनमें इस्लामी शासन है। अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के लिहाज से देखा जाए तो भारत की स्थिति भी 146 देशों में 129वीं ही है। यानी महिलाओं के अधिकारों के मामले में यहां भी स्थिति बहुत ज्यादा बेहतर नहीं है।

सबसे खराब 10 देश

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक महिला अधिकारों में सबसे निचले स्थान पर दुनिया के 10 देशों में अफगानिस्तान, चाड, सूडान, ईरान, पाकिस्तान, यमन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो, माली, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, नाइजर हैं।

क्या कहते हैं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े

- अफगानिस्तान में सबसे खराब स्थिति जहां तालिबानी शासन के बाद महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी पर लगभग पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है।
- यमन में दशकों से गृहयुद्ध और गरीबी की वजह से महिलाओं को बुनियादी स्वास्थ्य, शिक्षा या न्याय नहीं मिलता, बाल विवाह की दर बेहद ऊंची, घरेलू हिंसा अपराध नहीं माना जाती।
- सूडान में सैन्य शासन और संघर्षों के कारण महिलाओं पर हिंसा, बलात्कार और अपहरण की घटनाएं बढ़ी हैं। महिला जननांग विकृति (एफजीएम) प्रथा अब भी व्यापक रूप से प्रचलित है।
- ईरान में महिलाओं की स्वतंत्रता पर सख्त धार्मिक नियंत्रण है। हिजाब कानून तोड़ने पर गिरफ्तारी होती है। 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद महिला विरोध पर कड़ी कार्रवाई हुई।
- सोमालिया एफजीएम और लैंगिक हिंसा में शीर्ष पर है। महिलाओं के साथ ऐसे ही हालात सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, सीरिया, पाकिस्तान, नाइजर और इराक समेत कई और देशों में है।

घृणित एफजीएम प्रथा

- डब्ल्यूएचओ के मुताबिक एफजीएम ऐसी प्रथा है महिला के बाहरी जननांग का हिस्सा आंशिक या पूर्ण रूप से काट दिया जाता है।
- सोमालिया में 98% महिलाएं इस प्रथा से गुजरी हैं। गिनी में यह स्थिति 97%, जिबूती में 93% और मिस्र में 87% के लगभग है।
- सिएरा लियोन, माली, सूडान, गाम्बिया, इथियोपिया, मॉरिटानिया, नाइजर, एरिट्रिया, नाइजीरिया, केन्या, इंडोनेशिया में भी यह प्रथा।

वैश्विक स्थिति : अनुमानित तौर पर करीब 20 करोड़ महिलाएं और लड़कियां एफजीएम की शिकार हुई हैं। औसतन हर साल लगभग 40 लाख नई लड़कियां इस प्रथा की शिकार बनती हैं। अधिकांश मामलों में इनकी उम्र पांच से 15 वर्ष के बीच होती है।

भारत में महिला अधिकार

- ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 के मुताबिक कुल 146 देशों में भारत की रैंक 129 है। 2023 में भारत 127वें स्थान पर था।
- पुरुषों की साक्षरता दर 84%, महिलाओं की 70% है मगर ग्रामीण इलाकों में यह अंतर अभी भी काफी अधिक है।
- रोजगार या आर्थिक तौर पर महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी 25% है। महिलाओं की संसद में हिस्सेदारी सिर्फ 15% है।
- लिंगानुपात असंतुलित, 940 महिलाओं पर 1000 पुरुष हैं। बालिका भ्रूणहत्या और पोषण असमानता मुख्य कारण है।
- एनसीआरबी के मुताबिक हर दिन भारत में अधिक बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं। घरेलू हिंसा, ऑनर किलिंग भी व्यापक।

अमेरिका और चीन के बीच फिर बढ़ी तनातनी

अमेरिका ने लगाया अतिरिक्त 100% टैरिफ तो चीन ने यूएन में उठाया वेनेजुएला में हस्तक्षेप का मामला

वाशिंगटन/संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

अमेरिका और चीन के बीच बात बनते-बनते फिर बिगड़ने लगी है। चीन की ओर से दुर्लभ खनिजों के के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर सौ प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है तो ऐन इसी वक्त बीजिंग की ओर से संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के वेनेजुएला में हस्तक्षेप बढ़ाने से क्षेत्रीय शांति को खतरा पैदा होने का आरोप लगाया है।

चीन ने इस हफ्ते नए प्रतिबंध लागू किए हैं जिनके अंतर्गत विदेशी संस्थाओं को चीन से प्राप्त या चीन में प्रसंस्कृत 0.1 प्रतिशत से ज्यादादा दुर्लभ खनिजों वाले किसी भी उत्पाद के निर्यात के लिए लाइसेंस लेना आवश्यक है। चीन वर्तमान में दुनिया भर में दुर्लभ खनिजों की लगभग 70 प्रतिशत आपूर्ति को नियंत्रित करता है, जो स्मार्टफ़ोन से लेकर सैन्य उपकरणों तक की तकनीकों के लिए ज़रूरी हैं। वर्तमान में चीन की वस्तुओं पर 30 प्रतिशत अमेरिकी आयात शुल्क लगा हुआ है, जिसे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान लागू किया था।

ट्रंप अब बोले- शी के साथ शिखर बैठक रद्द नहीं की

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैंने शी जिनपिंग के साथ शिखर बैठक को रद्द नहीं किया है। मैं वहां ज़रूर जाऊंगा। लेकिन अचानक वह आयात-निर्यात की पूरी अवधारणा लेकर आए और किसी को इसके बारे में कुछ पता नहीं था। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा था कि दुर्लभ खनिज निर्यात के संबंध में चीन की बेहद शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के बाद जिनपिंग से मुलाक़ात करने का कोई कारण नहीं है।

- **ट्रंप और शी के व्यापारिक टकराव से गिरे शेयर बाजार**
  शेयर बाजारों ने इस खबर पर नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की, नैस्डैक में 3.6 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 2.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

दुर्लभ खनिज वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं रक्षा उद्योगों के लिए बहुत अहम हैं। ट्रंप ने घोषणा की है कि उनका प्रशासन दुर्लभ खनिज निर्यात पर चीन की कड़ी पकड़ के जवाब में किसी भी और सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण लागू करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यह विश्वास करना बहुत कठिन है कि चीन ने ऐसी कार्रवाई की होगी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया और बाकी सब इतिहास है। उन्होंने चीन की ओर से दुर्लभ खनिज निर्यात नियंत्रण पर आश्चर्य व्यक्त किया तथा इसे अचानक उठाया कदम करार दिया।

उधर, चीन ने संयुक्त राष्ट्र में कैरिबियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताते हुए वेनेजुएला के पास अमेरिकी सैन्य अभियान को इसकी प्रमुख वजह बताया है। संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थाई प्रतिनिधि फू कांग ने नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने की आड़ में वेनेजुएला के कैरिबियन जलक्षेत्र में हाल ही में अमेरिकी सैन्य तैनाती की आलोचना की। उन्होंने वेनेजुएला के जहाजों को डुबोने, नाविकों पर गोली चलाने और मछली पकड़ने वाली नौकाओं को जब्त करने जैसी कार्रवाइयों का उल्लेख किया। फू ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि तथाकथित अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किसी अन्य देश के जहाजों के खिलाफ अमेरिका की एकतरफा कार्रवाई बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रही है।

ईरानी ऊर्जा व्यापार पर निशाना, आठ भारतीयों और कई कंपनियों पर लगा अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरानी ऊर्जा व्यापार में मदद करने के आरोप में 50 से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें आठ भारतीय नागरिक और भारत स्थित कई कंपनियां शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उपयोग किए जा रहे धन को रोकने के लिए लगभग 40 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके साथ ही अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने ईरानी पेट्रोलियम और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का वैश्विक बाजारों में निर्यात करने में शामिल 50 से अधिक संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन दोनों विभागों द्वारा जारी की गई सूचियों में आठ भारतीय नागरिकों के नाम शामिल हैं। इन्हें अमेरिका की स्पेशयली डेजिग्नेटेड नेशनल्स एंड ब्लॉक्ड पर्सन सूची में शामिल किया गया है।

डॉक्टरों की जांच में पूरी तरह स्वस्थ पाए गए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य जांच कराई, जिसके बाद उनके डॉक्टर ने कहा कि राष्ट्रपति पूरी तरह स्वस्थ हैं। शुक्रवार को ट्रंप ने बेटेस्डा, मैरीलैंड स्थित अस्पताल में लगभग तीन घंटे बिताए। उनके चिकित्सक नेवी कैप्टन सीन बारबाबेला ने इसे नियमित जांच बताया। इस दौरान ट्रंप ने सालाना फ्लू और कोविड-19 का बूस्टर टीका भी लगवाया।

इजराइल ने फिर फंसाया पेच फिलिस्तीन के सबसे लोकप्रिय नेता को छोड़ने से किया इन्कार

रामल्ला (वेस्ट बैंक), एजेंसी

इजराइल गाजा संघर्ष विराम समझौते के तहत होने वाली इजराइली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली में फिलिस्तीन के सबसे लोकप्रिय नेता मरवान बरगूती को रिहा करने का इच्छुक नहीं है। इजराइल ने उन हाई-प्रोफाइल कैदियों को रिहा करने से भी इन्कार कर दिया है, जिन्हें छोड़ने की हमास काफी समय से मांग कर रहा है।

हालांकि] अभी यह स्पष्ट नहीं है कि शुक्रवार को इजराइल सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर डाली गई 250 कैदियों की सूची अंतिम है या नहीं। हमास के वरिष्ठ अधिकारी मूसा अबू मरजूक ने अल जजीरा टीवी नेटवर्क से कहा कि समूह बरगूती और अन्य हाई-प्रोफाइल कैदियों को रिहा करने की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थों के साथ इस मामले पर बातजीत जारी है। इजराइल बरगूती को आतंकवादी मानता है। इजराइल में हुए हमलों में पांच लोगों की मौत के मामले में 2004 में दोषी पाए जाने के बाद से वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

अपने घरों की ओर लौटे हजारों फिलिस्तीनी

वादी गाजा। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के लागू होने के बाद शुक्रवार को हजारों फलस्तीनी उत्तरी गाजा लौटे। इस समझौते से इजराइल और हमास के बीच युद्ध का अंत होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। हमास की ओर से शेष सभी बंधकों को कुछ ही दिन में रिहा कर दिया जाएगा। समझौते के बावजूद यह सवाल बरकरार है कि इजराइली सैनिकों के धीरे-धीरे पीछे हटने के बाद गाजा पर शासन कौन करेगा और क्या हमास अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना के अनुसार हथियार डालेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मार्च में युद्धविराम समझौता एकतरफा तरीके से समाप्त कर दिया था।

ई-3 देशों ने की गाजा के पुनर्निर्माण में योगदान की घोषणा

मास्को। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी (ई3) ने अभी हाल ही में इजराइल और फिलीस्तीन के हमास के बीच घोषित युद्धविराम योजना के अनुरूप गाजा के पुनर्निर्माण और संक्रमणकाल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की है।

हालांकि ई3 गाजा में इजराइल द्वारा बस्ती बसाए जाने का विरोध करती है। ई3 देशों की भागीदारी एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा होगी जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, अरब देश और संयुक्त राष्ट्र शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह इजराइल और हमास के बीच एक युद्धविराम समझौता करवाया है जिससे संभवतः उस युद्ध का अंत हो सकता है जिसमें इजराइल पर हमास के हमले में 1,000 से अधिक लोग मारे गए थे। जवाब में इजराइली अभियान में गाजा में हजारों फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

अमेरिका : टेनेसी के संयंत्र में हुए धमाके में कोई नहीं बचा

मैकएवेन (अमेरिका)। अमेरिका में टेनेसी के एक ग्रामीण क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री के एक संयंत्र में शुक्रवार को धमाका होने के बाद वहां कोई भी जिंदा नहीं बचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हम्फ्रेज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद सभी लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि मरने वालों की कुल संख्या और विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं है। डेविस ने पहले कहा था कि 18 लोग लापता हैं। अब कहा, कोई भी जिंदा नहीं मिला। इस विस्फोट की आवाज मीलों दूर तक सुनाई दी थी। डेविस ने बताया कि सेना को विस्फोटकों की आपूर्ति करने वाली 'एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स' के संयंत्र में शुक्रवार सुबह विस्फोट हुआ जिससे आधा मील (800 मीटर) में मलबा बिखर गया और 15 मील (24 किमी) दूर तक लोगों ने भी इसे महसूस किया।

फ्रांस में हैरतअंगेज घटनाक्रम में मैक्रों ने लोकार्नू को फिर बनाया प्रधानमंत्री

पेरिस, एजेंसी

● चार दिन पहले ही इस्तीफा देकर पैदा कर दी थी भारी उथलपुथल

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सेबेस्टियन लेकोर्नू को फिर प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। चार दिन पहले ही लेकोर्नू ने पद से इस्तीफा दिया था। इससे देश में एक सप्ताह भारी राजनीतिक उथल-पुथल रही।

मैक्रों ने शुक्रवार देर रात यह घोषणा की। उन्होंने एलिसी पैलेस में सभी मुख्य दलों के साथ बैठक की, जिसमें धुर दक्षिणपंथी एवं धुर वामपंथी नेताओं को छोड़कर अन्य सभी शामिल थे। लेकोर्नु की वापसी को आश्चर्यजनक माना जा रहा है है, क्योंकि उन्होंने दो दिन पहले ही राष्ट्रीय टीवी पर कहा था कि वह पद के पीछे नहीं भाग रहे थे और उनका मिशन पूरा हो चुका है। यह निश्चित नहीं है कि वह सरकार बना पाएंगे या नहीं, लेकिन उन्हें ज़मीनी स्तर पर काम करना होगा।

नए प्रधानमंत्री के पास अगले साल का बजट संसद में पेश करने के लिए सोमवार तक का ही समय है। एलिसी पैलेस ने कहा कि राष्ट्रपति ने लेकोर्नु को सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है और मैक्रों की पार्टी ने संकेत दिया है कि उन्हें कार्य करने की पूरी छूट प्रदान की गई है। लेकोर्नु ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति की ओर से सौंपे गए मिशन को मैंने स्वीकार किया है, ताकि वर्ष के अंत तक फ्रांस को बजट प्रदान किया जा सके और हमारे देशवासियों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान किया जा सके।

चुनौती: प्राप्त करना होगा विश्वास मत लेकिन बहुमत नहीं

लेकोर्नू के लिए यह और भी मुश्किल है कि उन्हें नेशनल असेंबली में विश्वास मत का सामना करना पड़ेगा, जहां राष्ट्रपति मैक्रों के पास उनके समर्थन में बहुमत नहीं है। एलाबे पोल के अनुसार, इस सप्ताह राष्ट्रपति की लोकप्रियता रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है, जिसमें उनकी अनुमोदन रेटिंग मात्र 14 प्रतिशत है। उन्हें पहली बार नौ सितंबर को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था और सरकार बनाने में उन्हें तीन सप्ताह लग गए, लेकिन रातोंरात यह सरकार गिर गई, जब रूढ़िवादी रिपब्लिकन के नेता ब्रूनो रिटेलो ने मंत्री पद की एक नियुक्ति की आलोचना की।

भारत से अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी

● भारत में नामित अमेरिका के राजदूत गोर प्रधानमंत्री से मिले, रक्षा और व्यापार सहयोग पर की चर्चा

भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है। वार्ता के दौरान रक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण खनिज के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की गई।

गोर शनिवार की सुबह छह दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात से पहले गोर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी से मुलाकात कर बातचीत की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत करके खुशी हुई। मुझे विश्वास है कि उनके कार्यकाल में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद गोर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के साथ मेरी बैठक शानदार रही। हमने रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी समेत द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। गोर ने बताया, हमने विदेश सचिव मिसरी, विदेश मंत्री जयशंकर और एनएसए डोभाल के साथ कई बैठकें कीं। उन्होंने कहा, हमने प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक शानदार बैठक की है, जिसमें हमने रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी सहित द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

गोर ने कहा, हमने महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व और दोनों देशों के लिए उनके महत्व पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों के बीच महत्वपूर्ण खनिजों पर चर्चा महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चीन द्वारा उन पर निर्यात प्रतिबंध लगाए जाने की पृष्ठभूमि में हो रही है। गोर ने कहा, अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व में मैं दोनों देशों के भविष्य को लेकर आशावादी हूं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 अक्टूबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 14.16 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

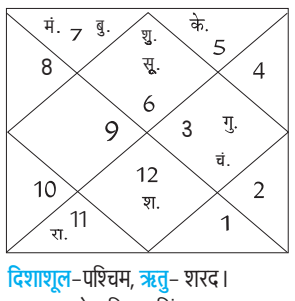

दिशाशूल-पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 13.36 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज आपका आत्मविश्वास पहले से मजबूत होगा। काम से फ्री होकर पर्यटन के लिए जा सकते हैं। अपने खर्चों में नियंत्रण पा लेंगे। आप कुछ नई स्किल सीख सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

वृष — आज घर-परिवार के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना कर सकते हैं। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। नौकरी में पदोन्नति मिलने के योग बन रहे हैं। प्रशासन से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

मिथुन — आज परिवार के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन ला सकते हैं। परिवार के बड़ों का सहयोग प्राप्त होगा। समस्याओं का समाधान होने से आपका तनाव दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्क — आज अपने काम पर आपको अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। लंबी दूरी की यात्रा न करें। किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है। अपने खानपान को लेकर सावधानी रखें। मानसिक रूप से अस्थिरता महसूस कर सकते हैं।

सिंह — आज बच्चों की सफलता से आपको गौरव की अनुभूति होगी। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपको शरीर को काफी आराम देने की आवश्यकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों में विजय प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। लोग आपकी बातों से अत्यधिक प्रभावित रहेंगे।

कन्या — आज अपने कारोबार को लेकर बड़ा लक्ष्य बनाएंगे। उच्च शिक्षण संस्थान के प्रवेश में आ रही बाधा दूर होगी। आपको पिता के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अपने काम की गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा।

तुला — आज अपने प्रेमी से दिल की बात कह सकते हैं। यदि आप नौकरी बदलना चाह रहे हैं तो यह दिन बहुत ही अच्छा है। अधिकारियों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। आपको नया काम करने से बचना चाहिए। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे।

वृश्चिक — आज आपके विचारों में नकारात्मकता जगह ले सकती है। सेहत में थोड़ी खराबी आने की आशंका है। अपनी गलतियों को लेकर पछतावा हो सकता है। नई संपत्ति में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपका काम बिगड़ सकता है।

धनु — आज काफी दिनों से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आप अपने कार्यों को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ होने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मकर — आज आपको नया रोजगार मिल सकता है। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में धन लाभ होगा। पुराना कर्ज चुकाने के लिए दिन अनुकूल है। रक्तविकार उत्पन्न हो सकते हैं। धैर्यवान होकर अपना काम करें फिलहाल अधिक अपेक्षा रखना उचित नहीं है।

कुंभ — आज रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेमीजन के साथ रोमांटिक डेट पर जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके रचनात्मक विचारों और सुझाव की प्रशंसा होगी। शाम के समय परिजनों की किसी बात पर आपको क्रोध आ सकता है।

मीन — आज आपकी योजनाओं में अचानक परिवर्तन आने से काम बिगड़ सकते हैं। शरीर में कोई समस्या या कमजोरी महसूस हो तो अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। परिवार के साथ समय अवश्य बिताएं।

सुडोकू-127

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7		4		5		
	5			6	1			
		9			3			
	6	3		7		2		
	8		3		9		4	
		2			6	8	9	
			8			3		
4			2	3				
		5		9		1		

सुडोकू - 126 का हल

2	8	1	9	3	7	6	5	4
4	6	7	1	8	5	2	3	9
5	3	9	6	4	2	1	8	7
1	4	3	5	6	8	7	9	2
7	2	5	3	9	1	4	6	8
6	9	8	2	7	4	5	1	3
8	5	2	4	1	3	9	7	6
9	7	4	8	5	6	3	2	1
3	1	6	7	2	9	8	4	5

हम शीर्षक्रम में जिम्मेदारी के साथ नहीं खेल सके। हमें इसमें सुधार करना होगा और बड़े स्कोर बनाने होंगे। हमें आत्ममंथन करके सकारात्मक सोच के साथ उतरना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज टीम पूरी ताकत से खेलेगी।

-कप्तान हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

बरेली, रविवार 12 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

श्वेतपर्णा को मिलेगा एकलव्य पुरस्कार

भुवनेश्वर : बैडमिंटन खिलाड़ी श्वेतपर्णा पांडा को 2025 के एकलव्य पुरस्कार के लिए चुना गया है जबकि भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई और टेनिस खिलाड़ी अहान को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। एकलव्य पुरस्कार समिति के अध्यक्ष और (पुरस्कार की शुरूआत करने वाले) भारतीय धातु एवं सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी बैजयंत पांडा ने शनिवार को यहां चयन समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की। बयान के अनुसार पुरस्कार के तहत श्वेतपर्णा पांडा को एकलव्य पुरस्कार समारोह में सात लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी प्रदान की जाएगी जबकि भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई और टेनिस खिलाड़ी अहान को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक प्रशस्ति पत्र विजेता को पुरस्कार समारोह में 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार भी दिया जाएगा।

कोच ने अरशद नदीम का बचाव किया

कराची : पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम के कोच सलमान इकबाल ने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में इस भाला फेंक खिलाड़ी के 10वें स्थान पर रहने के बाद पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने पर अपने शिष्य का बचाव किया। पीएसबी ने इकबाल से नदीम के प्रदर्शन के बारे में स्पष्टीकरण देने और उनके ट्रेनिंग कार्यक्रम और उन पर खर्च की गई राशि का विवरण देने को कहा। इकबाल ने पीएसबी को भेजे अपने जवाब में कहा कि हर शीर्ष एथलीट बुरे दौर से गुजरता है और कभी उसका प्रदर्शन भी खराब हो सकता है।

गिल के शतक से भारत का विशाल स्कोर

दिल्ली टेस्ट : मेजबानों ने 5-518 पर घोषित की पारी, वेस्टइंडीज फॉलोऑन बचाने के लिए संघर्षरत

नई दिल्ली, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल के करियर के दसवें टेस्ट शतक और रविंद्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को बैकफुट पर भेजकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां एक और बड़ी जीत की उम्मीद जगा दी। भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर समाप्त घोषित की। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 140 रन बनाए हैं और वह भारत से अभी 378 रन पीछे है। फिलहाल मेहमानों का लक्ष्य फॉलोऑन बचाने का है, जिसमें अभी वह 178 रन पीछे है।

भारत ने अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच पारी और 140 रन से जीता था और अगर यहां उसे फॉलोऑन देने का मौका मिलता है तो वह इससे नहीं हिचकिचाएगा। गिल पारी समाप्ति की घोषणा करके पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वह जल्द से जल्द मैच समाप्त करना चाहते हैं। भारत की पारी के आकर्षण यशस्वी जायसवाल (258 गेंदों पर 175 रन) और कप्तान शुभमन गिल (196 गेंदों पर नाबाद 129 रन) के शतक रहे। इन दोनों के अलावा साई सुदर्शन (87) ने अर्धशतक बनाया।

वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन (98 रन देकर तीन विकेट) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसने जल्द ही अपना पहला विकेट गंवा दिया। सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल (10) जडेजा की गेंद पर लगाए गए अपने ज़ोरदार स्वीप शॉट के साई सुदर्शन के हाथों में चिपक जाने से पवेलियन लौटे। सुदर्शन ने खुद को बचाने की कोशिश की। गेंद उनके दाहिने हाथ पर लगी और वहीं पर ठहर गई जिससे बल्लेबाज भी हैरान रह गया।

वेस्टइंडीज ने तीसरे सत्र में कुछ समय के लिए अच्छा संघर्ष किया लेकिन इसके बाद उसने जल्द ही तीन विकेट खो दिए। जडेजा ने तेगनारायण चंद्रपाल (34) को केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर एलिस अथांजे (41) के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी को तोड़ा।

जडेजा ने इसके बाद वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज को अपनी ही गेंद पर कैच करके उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया। इस बीच कुलदीप यादव ने एलिस अथांजे को आउट किया। जडेजा ने 37 रन देकर तीन और कुलदीप ने 45 रन देकर एक विकेट लिया है। दिन का खेल समाप्त होने के समय शाई होप 31 और टेविन इमलाच 14 रन पर खेल रहे थे।

गिल ने भारत की पहली पारी तब समाप्त घोषित कर दी जब ध्रुव जुरेल (79 गेंदों पर 44 रन) रोस्टन चेज की गेंद पर पुल करने की कोशिश में बोल्ड हो गए। गिल के पास दोहरा शतक पूरा करने के लिए पर्याप्त समय था, लेकिन कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के सामने बड़ी पारी खेलना ज्यादा मायने नहीं रखता। दूसरे सत्र में लगभग एक घंटा बीत चुका था और गिल को ड्रेसिंग रूम से संकेत मिला कि अब मेहमान टीम को बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतारने का समय आ गया है।

पारी के दौरान शॉट लगाते वेस्टइंडीज के एलिस अथांजे। एजेंसी

भारत

518/5 (पारी घोषित) (134.2 ओवर)

- यशस्वी जायसवाल रन आउट 175
- राहुल स्टं इमलाच बो वारिकन 38
- सुदर्शन एलबीडब्ल्यू बो वारिकन 87
- शुभमन गिल नाबाद 129
- नीतीश कॉ सील्स बो वारिकन 43
- ध्रुव जुरेल बो रोस्टन चेज 44

गेंदबाजी : जेडन सील्स 22-2-88-0, एंडरसन फिलिप 17-2-71-0, जस्टिन ग्रीव्स 14-1-58-0, खैरी पियरे 30-2-120-0, जोमेल वारिकन 34-6-98-3, रोस्टन चेज़ 17 .2-0-83-1

वेस्टइंडीज

140/4 (43 ओवर)

- कैंपबेल का सुदर्शन बो जडेजा 10
- चंद्रपाल का राहुल बो जडेजा 34
- अथांजे का जडेजा बो कुलदीप 41
- शाई होप खेल रहे हैं 41
- रोस्टन चेज का एवं बो जडेजा 00
- टेविन इमलाच खेल रहे हैं 14

गेंदबाजी : बुमराह 6-3-18-0, सिराज, 4-0-9-0, जडेजा 14-3-37-3, कुलदीप, 12-3-45-1, वाशिंगटन 7-1-23-0

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर मिली शिकस्त को कभी नहीं भूल सकता : गंभीर

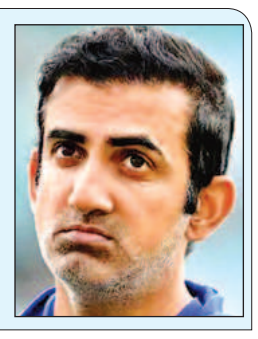

नई दिल्ली : पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर मिली 0-3 की हार आज भी भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को कचोटती है। और वह नहीं चाहते कि उनके खिलाड़ी भविष्य की तैयारी करते हुए टेस्ट मैचों में मिली उस करारी शिकस्त हार को भूल जाएं। यह घरेलू सरजमीं पर 12 साल में भारत की टेस्ट शृंखला में पहली हार थी। गंभीर ने जियोहॉटस्टार से कहा मैं अगर ईमानदारी से और दिल से कहूं, तो मुझे नहीं लगता कि अपने कोचिंग कार्यकाल में मैं इसे कभी भूल पाऊंगा। मुझे इसे भूलना भी नहीं चाहिए। मैंने खिलाड़ियों से भी यही कहा है कि आगे देखना जरूरी है, लेकिन कभी-कभी अतीत को याद रखना भी जरूरी होता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शीर्ष क्रम को दिखाना होगा दमखम

विशाखापत्तनम, एजेंसी

जीत के करीब पहुंचकर पिछला मैच गंवाने वाली भारतीय टीम का महिला विश्व कप के सबसे कठिन मुकाबले में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया से शनिवार को सामना होगा तो खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से खेलना होगा वरना सेमीफाइनल की राह असंभव हो जाएगी।

आईसीसी टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत का इंतजार कर रही भारतीय टीम ने पहले दो मैचों में निचले क्रम के प्रदर्शन के दम पर श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया। लेकिन यहीं एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बृहस्पतिवार को टूर्नामेंट की पहली कठिन परीक्षा में हरमनप्रीत कौर की टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम अभी तीन मैचों में चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और एक और हार उसे तालिका में नीचे धकेल देगी। वहीं आस्ट्रेलिया तीन मैच में पांच अंक लेकर शीर्ष पर है।

दक्षिण अफ्रीका से हार ने सेमीफाइनल की भारत की राह कठिन कर दी है चूंकि अब अगले तीनों मैचों में भारत को आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी दिग्गज टीमों से खेलना है और अब कोई भी कोताही भारी पड सकती है। लगातार तीसरे मैच में सितारों से सजा भारत का शीर्षक्रम नाकाम रहा और आठवें नंबर पर उतरी रिचा घोष के 94 रन की मदद से मेजबान टीम 251 रन बना सकी। जवाब में गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन आठवें नंबर की बल्लेबाज नेडाइन डि क्लार्क के 54 गेंद में नाबाद 84 रन की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट से हरा दिया।

इस हार ने भारतीय शीर्षक्रम की नाकामी को लेकर चिंता बढा दी और एक छठे गेंदबाज की कमी भी महसूस हुई। वनडे विश्व कप में आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में सेमीफाइनल में 115 गेंद में 171 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने वाली मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत का बल्ला अभी तक खामोश है जो पिछले तीन मैचों में 21,19 और नौ रन ही बना सकी हैं जबकि इस साल शानदार प्रदर्शन करने वाली स्मृति मंधाना ने 8, 23 और 23 रन बनाये हैं। प्रतिका रावल ने 37, 31 और 37 रन बनाए। वहीं मध्यक्रम में जेमिमा रौड्रिग्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 32 रन बनाये लेकिन बाकी दोनों मैचों में खाता भी नहीं खोल सकी और तीनों बार बायें हाथ की स्पिनरों ने उन्हें आउट किया। भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से कोई अर्धशतक नहीं बना सका है।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया ने अभी तक एक भी मैच नहीं गंवाया है और पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट 76 रन पर गंवाने वाली गत चैंपियन टीम को बेथ मूनी ने शतक जमाकर संकट से निकाला।

अभ्यास सत्र के दौरान ओपनर बल्लेबाज प्रतिका रावल। एजेंसी

- अब कोई भी कोताही सेमीफाइनल की राह में पड़ सकती है भारी, मुकाबला दोपहर 3 बजे से

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगान शूट , अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

जल्दी फॉर्म में लौटेंगी शीर्षक्रम के बल्लेबाज : राणा

विशाखापत्तनम : विश्व कप के पहले तीन मैचों में भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के बीच हरफनमौला स्नेह राणा ने शनिवार को कहा कि सभी बल्लेबाजों को पता है कि कहां चूक हो रही है और उस पर व्यक्तिगत तौर पर और एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं।

तीनों मैचों में निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारत को संकट से निकाला। सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को सबसे अहम ग्रुप मुकाबले से पहले राणा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा हमें पता है कि आस्ट्रेलिया सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन हम भी सकारात्मक सोच के साथ उतरेंगे।

हमने अतीत में उनके खिलाफ मैच खेले हैं और उन्हें हराया भी है। कोशिश यही रहेगी कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें और जीत के साथ आगे जाए। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों को पता है कि उनसे क्या अपेक्षा है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का खराब फॉर्म उतनी चिंता का विषय नहीं है। ये वही बल्लेबाज है जो अब तक अच्छा खेलते आए हैं।

साइवर और एक्लेस्टोन के प्रदर्शन से इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हराया

कोलंबो, एजेंसी

कप्तान नटाली साइवर ब्रंट (117 रन) के आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में रिकॉर्ड पांचवें शतक के बाद बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन (17 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी से चार बार की चैंपियन इंग्लैंड ने शनिवार को यहां श्रीलंका को ग्रुप मैच में 89 रन से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। इंग्लैंड ने अपने पहले दो मैच में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को हराया था।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद साइवर ब्रंट ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 253 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में मदद की। इसके बाद साइवर ब्रंट ने एक्लेस्टोन के साथ गेंदबाजी में भी कमाल किया जिससे श्रीलंका की टीम 45.5 ओवर में 164 रन पर ढेर हो गई और उसे टूर्नामेंट में दूसरी हार झेलनी पड़ी। एक्लेस्टोन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में (तीन मेडन) 17 रन देकर चार विकेट लिए। साइवर ब्रंट ने पांच ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिए, जिससे उनके हरफनमौला प्रदर्शन से उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही और कप्तान चामरी अटापट्टू रिटायर्ड हर्ट हो गईं, तब टीम का स्कोर 18 रन था। हालांकि वह बाद में खेलने उतरीं लेकिन एक्लेस्टोन का चौथा शिकार बनीं। चार्ली डीन ने विष्मी गुणरत्ने को बोल्ड कर श्रीलंका को पारी के 10वें ओवर में पहला झटका दिया। सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा (35 रन) और हर्षिता समरविक्रमा (33 रन) तीसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़ चुकी थीं। लेकिन एक्लेस्टोन ने परेरा को आउट कर इस भागीदारी को तोड़ दिया और समरविक्रमा को भी आउट किया। एक्लेस्टोन ने फिर कविशा दिलहारी और अटापट्टू को बोल्ड किया जिससे श्रीलंका का स्कोर पांच विकेट पर 116 रन हो गया। कप्तान साइवर ब्रंट ने फिर गेंदबाजी में भी योगदान करते हुए अनुष्का संजीवनी और देवमी विहंगा को आउट किया जिससे श्रीलंका ने 145 रन पर सातवां विकेट गंवाया और इतने बड़े स्कोर के सामने उसकी कोशिश नाकाम रही।

शतक लगाने के बाद जश्न मनातीं इंग्लैंड की कप्तान नटाली साइवर ब्रंट। एजेंसी

विश्व पैरा स्वर्ण विजेता सिमरन के गाइड डोपिंग में फेल

नई दिल्ली : विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता धावक सिमरन शर्मा को अपने पदक गंवाने पड़ सकते हैं क्योंकि उनके गाइड उमर सैफी को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। सैफी सात महीने से अधिक समय से दृष्टिबाधित सिमरन के गाइड हैं। उनके नमूने में ड्रोस्टैनोलोन पाया गया है। यह प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड है, जो मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाने में मदद करता है। सिमरन ने सात सितंबर को दिल्ली स्टेट ओपन में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था, जहां संभवतः यह डोप टेस्ट किया गया था। सैफी का नाम शुक्रवार को नाडा द्वारा जारी अस्थायी रूप से निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल है।

कास्परोव ने आनंद को 13-11 से हराया

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

क्लच शतरंज लीजेंड्स

गैरी कास्परोव ने क्लच शतरंज लीजेंड्स प्रतियोगिता के 10वें गेम में विश्वनाथन आनंद को हराकर दो गेम शेष रहते मैच जीतकर 30 साल पहले का इतिहास दोहराया। वह 10 अक्टूबर 1995 का दिन था जब आनंद ने न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर कास्पारोव के खिलाफ 20 गेम वाले क्लासिकल विश्व चैम्पियनशिप मैच में 18वें गेम में ड्रॉ खेला और 7.5-10.5 से हार गए थे।

वर्तमान टूर्नामेंट में नियमों के अनुसार अंतिम दो बाजियां ब्लिट्ज़ टाइम कंट्रोल के तहत खेली गईं और आनंद ने दो जीत हासिल कीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और रूस के खिलाड़ी ने पहले ही अपनी जीत पक्की कर दी थी। आखिर में स्कोर 13-11 से कास्पारोव के पक्ष में रहा। उन्होंने इस तरह से 78,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि जीती, जबकि आनंद ने 1,44,000 डॉलर के मुकाबले में 66,000 डॉलर अपने नाम किए। मैच के अंतिम दिन से पहले कास्पारोव ने पांच अंक की बढ़त ले रखी थी। आनंद के पास वापसी का मौका था, क्योंकि अंतिम दिन 12 अंक दांव पर लगे थे और प्रत्येक जीत तीन अंकों की थी। आनंद ने दिन की शुरुआत कड़े मुकाबले में ड्रॉ से की लेकिन अगला गेम हार गए।

एम्बाप्पे ने दिलाई फ्रांस को जीत जर्मनी भी विजयी

पेरिस : काइलियन एम्बाप्पे ने हाल ही में लगी टखने की चोट से उबरते हुए फ्रांस की विश्व कप क्वालीफाइंग में अजरबैजान पर 3-0 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस स्टार फुटबॉलर ने एक गोल किया तथा एक अन्य गोल करने में मदद की जिससे फ्रांस ने यूरोपीय क्वालीफाइंग में लगातार तीसरा मैच जीत कर अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा।

एम्बाप्पे ने इस तरह से फ्रांस की तरफ से 53 गोल कर लिए हैं और वह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्हें ओलिवियर गिरौड को पछाड़कर नंबर एक स्थान पर पहुंचने के लिए पांच गोल और करने की जरूरत है। एक अन्य मैच में जर्मनी ने लक्जमबर्ग पर 4-0 से जीत हासिल कर वापसी की।

शंघाई मास्टर्स टेनिस — मोनाको के वेलेंटिन वाशरो ने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया

नोवाक जोकोविच उलटफेर का शिकार हुए

शंघाई, एजेंसी

वेलेंटिन वाशरो ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज कर शनिवार को शंघाई मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली।

मोनाको के रहने वाले 204वें रैंकिंग वाले वाशरो टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाइंग में वैकल्पिक खेलाड़ी के रूप में आए थे, लेकिन अब वे अपने करियर के सबसे शानदार सप्ताह का अनुभव कर रहे हैं।

इस 26 साल के खिलाड़ी ने इस जीत पर हैरानी जताते हुए कहा- क्या यह सच है? मुझे नहीं पता। कोर्ट के दूसरी तरफ नोवाक को देखना, मेरे लिए सबसे पहले एक अविश्वसनीय अनुभव था। वाशरे के सामने फाइनल में उनके चचेरे भाई आर्थर रिंदरनेश की चुनौती हो सकती है। रिंदरनेश के सामने सेमीफाइनल में 16वें वरीय दानिल मेदवेदेव की चुनौती होगी।

- जोकोविच मैच के दौरान कूल्हे की चोट से जूझते नजर आए

पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 38 वर्षीय जोकोविच इस मैच में कूल्हे की चोट से जूझते नजर आए। पहले सेट में 3-4 से पीछे होने के बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया, लेकिन इसके बाद अगले दो गेम में केवल एक ही अंक जीत सके।

गॉफ और पेगला फाइनल में पहुंचीं

वुहान (चीन) : अमेरिका की कोको गॉफ ने सात डबल फॉल्ट पर काबू पाते हुए शनिवार को यहां जैस्मीन पाओलिनी को हराया और अब वुहान ओपन के फाइनल में खिताब के लिए हमवतन जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी। पेगुला ने टूर्नामेंट में शीर्ष रैंकिंग वाली आर्यना सबालेंका का विजय रथ रोक दिया। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज 21 साल की गॉफ ने शनिवार को सात-से-पांच के ब्रेक में जीत हासिल करते हुए पांचवीं रैंकिंग की खिलाड़ी पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराया। यह मौजूदा सत्र में पाओलिनी के खिलाफ चार मैचों में गॉफ की पहली जीत है। अमेरिका की पेगुला ने सबालेंका के जीत के रथ को 2-6, 6-4, 7-6 से हराकर रोका।